भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जोधपुर

वार्षिक रिपोर्ट

2012 - 2013

विषयवस्तु

- प्रस्तावना 4
- संगठन
  - शासी बोर्ड 6
  - वित्त समिति 7
  - भवन एवं कार्य समिति 8
  - संस्थान की समितियां 9
- शैक्षिक
  - शैक्षिक कार्यक्रम 14
  - उत्कृष्टता केन्द्र 15
  - अंतर्राष्ट्रीय संबंध 25
  - शोध एवं विकास परियोजनाएं 28
  - अवर स्नातक शोध एवं नवाचार कार्यक्रम (यू.जी.आर.आई.) 31
  - हाई स्कूल ग्रीष्म कैम्प 31
  - सम्मेलन एवं कार्यशालाएं 32
  - नवाचार एवं इनक्युबेशन 37
  - लघु अवधि पाठ्यक्रम 38
  - साप्ताहिक शैक्षिक सेमीनार 40
  - छात्रों के लिए छात्रवृत्ति 40
  - विदेशी भाषा प्रशिक्षण 40
  - छात्रों के लिए इंटर्नशिप 41
- सुविधाएं
  - वर्तमान परिसर 46
  - स्थायी परिसर 47
  - कम्प्यूटर केन्द्र 48
  - पुस्तकालय 49
  - प्रयोगशालाएं 52
  - स्वास्थ्य केन्द्र 73
  - खेल सुविधाएं 73

- अनु.जाति/अनु.जनजाति तथा ओबीसी प्रकोष्ठ **73**
- हिन्दी प्रकोष्ठ **74**
- ऑफिस ऑटोमेशन **75**

- छात्र गतिविधियां
  - आमंत्रित लेक्चर **76**
  - शैक्षिक जरनलों में प्रकाशन **76**
  - सम्मेलन प्रस्तुतीकरण तथा प्रकाशन **82**
- संकाय सदस्य तथा शोध रूची के क्षेत्र **85**

- संस्थान के कर्मचारी **93**

- छात्र गतिविधियां
  - अनन्य शासन प्रणाली (एस.सी.एच.ओ.डी.) **97**
  - प्रमुख छात्र आयोजन **100**
  - राष्ट्रीय उत्सव **104**
  - परिवर्तन **106**
  - काउंसलिंग सेवा **108**
  - छात्र प्लेसमेंट प्रकोष्ठ **109**
  - एल्यूमिनि संघ **111**
  - छात्र सूची **112**

- वित्तीय सार **130**

प्रस्तावना

यह वार्षिक रिपोर्ट वर्ष 2012–13 में संस्थान में हुए घटनाक्रमों को प्रस्तुत करती है। यह वर्ष शिक्षा के क्षेत्र से लेकर हमारे स्थायी परिसर के निर्माण में गति लाने तक सभी क्षेत्रों में निरंतर प्रगति का वर्ष रहा। वर्तमान में, संस्थान कम्पयूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग, इलैक्ट्रीकल इंजीनियरिंग, यांत्रिक इंजीनियरिंग, और प्रणाली विज्ञान में बी.टेक. कार्यक्रम तथा उर्जा में उत्कृष्टता केन्द्र, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी में उत्कृष्टता केन्द्र(आई.सी.टी.), तथा प्रणाली विज्ञान में उत्कृष्टता केन्द्र (एस.एस.) में एम.टेक. तथा पी.एच.डी. कार्यक्रम प्रदान करता है। संस्थान द्वारा अगले शैक्षिक वर्ष से जीवविज्ञान–प्रेरित प्रणाली विज्ञान में बी.टेक तथा पी.एच.डी. कार्यक्रम प्रदान किए जाने की योजना है।

प्रत्येक शैक्षिक गतिविधि में अंतर–विषयक संस्कृति का संवर्धन करना हमारी परंपरा रही है। अतः, संस्थान ने वैयक्तिक विषयों के आधार पर शैक्षिक विभागों की संरचना नहीं अपनाई है। तदनुसार, आई.आई.टी. जोधपुर अत्याधुनिक, शोध आधारित तथा बहु–विषयक उत्कृष्टता केन्द्रों का विकास करने के लिए वचनबद्ध है जहाँ विभिन्न विषयों के विद्वान उभरते हुए और प्रौद्योगिकीय, वैज्ञानिक तथा उन सामाजिक मुद्दों पर उपयोगी शोध करते हैं जो समकालीन विश्व के सामने आ रही चुनौतियों की विशेषता बताते हैं। ये उत्कृष्टता केंद्र हमारे छात्रों को एक सार्वभौमिक दृष्टिकोण तथा समग्र समस्या निवारण उपागम प्रदान करते हुए एक विशिष्ट अंतर–विषयक और सहयोग–आधारित अधिगम वातावरण तैयार करते हैं। हमारा उद्देश्य ऐसे छात्र तैयार करना है जो अत्यधिक नवाचारी और उद्यमी हों और हमें गर्व है कि पिछले वर्ष हमारे छात्र कुछ सर्वोच्च राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कम्पनियों द्वारा नियुक्त किए गए। ऊर्जा, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी, प्रणाली विज्ञान, जीवविज्ञान–प्रेरित प्रणाली विज्ञान में हमारे चार उत्कृष्टता केन्द्र हमारी भिन्न अंतर–विषयक संस्कृति की पहचान हैं।

संस्थान ने गतिशील शैक्षिक गतिविधियाँ जारी रखीं। शैक्षिक सेमिनार, कार्यशालाओं और विभिन्न क्षेत्रों से संबद्ध विशेषज्ञों के व्याख्यानों ने परिसर में मौजूद बौद्धिक उत्साह को बढ़ाने में अत्यधिक सहयोग दिया। आई.आई.टी., जोधपुर में शोध सामाजिक–आर्थिक समस्याओं को हल करने तथा लागत–प्रभावी प्रौद्योगिकीय समाधान तलाश करने पर केन्द्रित है। हमारे संकाय के दृष्टिकोण और अत्यधिक प्रेरित छात्रों के दल के साथ हमारा उद्देश्य आई.आई.टी. जोधपुर को विश्व में एक प्रमुख संस्थान बनाना है। हमें देश और विश्व भर से आए अपने छात्रों, संकाय–वर्ग तथा विजिटिंग संकाय पर गर्व है।

वर्तमान में, यह संस्थान एम.बी.एम. इंजीनियरिंग कॉलेज, रातानाडा, जोधपुर में एक अस्थायी परिसर से कार्य कर रहा है। जोधपुर में नागौर के नज़दीक हमारे स्वयं के परिसर की संभावना है जिसे शीघ्र ही आरंभ किया जाएगा। अस्थायी परिसर में रहते हुए हम उत्कृष्टता के उन क्षेत्रों में निरंतर प्रगति के लिए वचनबद्ध हैं जिन्हें हमने अपने लिए वरीयता दी है। तथापि, भारत में एक प्रमुख शैक्षिक संस्थान के रूप में बने रहने के लिए हमें और अधिक कार्य करने की आवश्यकता है। इसके लिए हमारे संस्थान से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति द्वारा सही परिपेक्ष्य में जिम्मेदारी संभालने की आवश्यकता है। इस रिपोर्ट के अगले खंड विकास की दिशा में उठाए गए शैक्षिक एवं प्रशासनिक कदमो को दर्शाते हैं।

प्रो. प्रेम के. कालरा
निदेशक

संगठन

शासी बोर्ड

अध्यक्ष

प्रो. गोवर्धन मेहता (एफ.एन.ए., एफ.आर.एस.)

हैदराबाद यूनिवर्सिटी,
आर्गेनिक केमिस्ट्री विभाग,
पी.ओ. – केन्द्रीय विश्वविद्यालय,
हैदराबाद – 500046,
आन्ध्र प्रदेश

निदेशक (पदेन)

प्रो. प्रेम के. कालरा,

निदेशक, आई.आई.टी. जोधपुर,
ओल्ड रेसीडेंसी रोड,
रातानाडा,
जोधपुर – 342011

सदस्य – आई.आई.टी. परिषद द्वारा मनोनीत

प्रो. पंकज चंद्रा
भारतीय प्रबंध संस्थान,
बंगलौर 560076

डा. के. विजय राघवन
निदेशक,
राष्ट्रीय जीव विज्ञान केन्द्र
बंगलौर 560076

श्री किरन कार्निक
नासकॉम के पूर्व अध्यक्ष,
नई दिल्ली 110016

श्री डी. आर. मेहता
संस्थापक एवं प्रमुख पैटर्न,
भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति,
13क-गुरूमुख पार्क, मालवीय नगर,
जयपुर– राजस्थान

राज्य सरकार के नामिति

श्री राजीव स्वरूप

प्रधान सचिव, उच्चतर एवं तकनीकी शिक्षा
राजस्थान सरकार जोधपुर, राजस्थान

वित्त समिति

अध्यक्ष

प्रो. गोवर्धन मेहता (एफ.एन.ए., एफ.आर.एस.)
हैदराबाद यूनिवर्सिटी,
आर्गेनिक केमिस्ट्री विभाग,
केन्द्रीय विश्वविद्यालय पी.ओ.,
हैदराबाद – 500046,
आन्ध्र प्रदेश

सदस्य

प्रो. प्रेम के. कालरा,
निदेशक, आई.आई.टी. जोधपुर,
ओल्ड रेसीडेंसी रोड,
रातानाडा,
जोधपुर – 342011

श्री जी.एस. सूद,
सी.एम.डी. राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति,
एन.बी.सी.सी. टावर, वित्त और विकास, हाल नं0–1,
पाचवॉं तल, 15 भीकाजी कामा प्लेस,
नई दिल्ली – 110016

श्री उमेश कुमार (आई.ए.एस.)
एन–1, गॉंधीनगर,
बजाज नगर रोड,
जयपुर – 302015

ब्यूरो प्रमुख (तकनीकी शिक्षा)

अपर सचिव
उच्चतर शिक्षा विभाग,
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
शास्त्री भवन, नई दिल्ली – 110001

वित्तीय सलाहकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय
अपर सचिव और वित्तीय सलाहकार,
उच्चतर शिक्षा विभाग,
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
शास्त्री भवन, नई दिल्ली – 110001

भवन एवं कार्य समिति

अध्यक्ष

प्रो. प्रेम के. कालरा
निदेशक, आई.आई.टी. जोधपुर,
ओल्ड रेसीडेंसी रोड, रातानाडा,
जोधपुर – 342011

सदस्य

श्री एन.एम.डी. जैन,
ए.डी.जी., सी.पी.डब्ल्यू.डी. (सेवानिवृत्त),
170, पहला तल, जागृति एंक्लेव,
दिल्ली

सुश्री उषा कसाना,
मुख्य वास्तुकार,
लोक निर्माण विभाग,
राजस्थान सरकार,
जेकब रोड,
जयपुर

शैक्षिक समिति

समिति सभी अवर–स्नातक कार्यक्रमों का प्रत्येक विषय के प्रतिनिधियों के साथ और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों का संबंधित उत्कृष्टता केन्द्रों के जरिए समन्वय करती है। पुस्तकालय संबंधी मामले भी इसके कार्य क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं।

सदस्य

डॉ. बी. वेंकट रमण (समन्वयक)
डॉ. दीपक एम. फुल्वानी (समन्वयक, स्नातकोत्तर कार्यक्रम)
डॉ. बरुण प्रतिहार (सी.ओ.ई. एनर्जी)
डॉ. अम्बेश दीक्षित (सी.ओ.ई. एनर्जी)
श्री अनुपम गुप्ता (सी.ओ.ई. आई.सी.टी.)
डॉ. अरणब दत्ता (सी.ओ.ई. आई.सी.टी.)
डॉ. सत्यव्रत अधिकारी (सी.ई.ओ. एस.एस.)
डॉ. शुभाशीष बनर्जी (सी.ई.ओ. एस.एस.)
डॉ. मीनू छाबड़ा (सी.ई.ओ. बी.आई.एस.एस.)
डॉ. सुष्मिता झा (सी.ई.ओ. बी.आई.एस.एस.)
डॉ. लालतू चन्द्रा (समन्वयक, पुस्तकालय)
डॉ. आनंद प्लापले (अंतर्राष्ट्रीय छात्र आदान–प्रदान)
डॉ. गौरी शंकर हीरामठ
दो छात्र प्रतिनिधि : महेश चन्द गुर्जर और हीना राठौड़

छात्र मामले

डॉ. राहुल छिब्बर (समन्वयक)
डॉ. अमित मिश्रा (वेव्स)
डॉ. पी. प्रदीप कुमार (नट्स)
डॉ. विद्या सर्वेशरन और डॉ. सुष्मिता झा (परामर्श सेवाएँ)
डॉ. श्री प्रकाश तिवारी और डॉ0 एस. हरिणिप्रिया (सेज)
डॉ. वी.वी.एम.एस. चन्द्रमौली (प्रोम)
छात्र प्रतिनिधि : शिवम वर्मा, नरेन्द्र कुमार, आदित्य रंजन, प्रिंस गुप्ता, मनु अग्रवाल और सिद्धार्थ जैन

पुस्तकालय समिति

डॉ. मैनाक मजुमदार (समन्वयक)
डॉ. शुभाषीश बैनर्जी (प्रणाली विज्ञान सीओई के सदस्य)
डॉ. अनिल कुमार तिवारी (आईसीटी सीओई के सदस्य)
डॉ. लालतू चंद्रा (उर्जा सीओई के सदस्य)

डॉ. अंशु लूईस (बीआईएसएस सीओई के सदस्य)
डॉ. क्षेमा प्रकाश (उप पुस्तकालयध्यक्ष)

वार्डन परिषद : छात्रावास, आवास वितरण और गेस्ट हाऊस :

डॉ. अखिलेश मोहन (अध्यक्ष)
डॉ. सत्यव्रत अधिकारी
डॉ. मीनू छाबड़ा
डॉ. शुष्मिता झा
डॉ. आनंद कृष्णन प्लापले
डॉ. गौरी शंकर हीरेमठ
डॉ. राहुल छिब्बर
डॉ. वी. नारायणन्
डॉ. वी. हरिनारायणन्
डॉ. अतुल कुमार
डॉ. के. जे. जार्ज
डॉ. आशुतोष कुमार अलोक
डॉ. एस. पी. तिवारी

प्लेसमेंट : छात्र प्लेसमेंट और इंटर्नशिप

डॉ. गौरव हरित (समन्वयक)
डॉ. प्रदीप कुमार
डॉ. मैनाक मजुमदार
डॉ. आनंद कृष्णन प्लापले
दो छात्र प्रतिनिधि : तन्मय सेठी, मनीष जैन

प्रशासन

यह समिति मीडिया और जन सम्पर्क, गैर–शिक्षण स्टाफ भर्ती, आर.टी.आई., हिन्दी सेल, स्वास्थ्य/चिकित्सा, स्थान वितरण, सुरक्षा, विद्यायी प्रकोष्ठ, वित्त, भंडारण तथा खरीद, संस्थान के कार्यों, आउटरीच गतिविधियों, संकाय प्रबंधन का कार्य देखती है।

सदस्य

डॉ. राजीव शेखर (समन्वयक)
डॉ. के. जे. जार्ज (सुरक्षा)
डॉ. अनिल कुमार तिवारी (स्वास्थ्य)

डॉ. राहुल सिंघल (गैर–शैक्षिक स्टाफ भर्ती)
डॉ. अतुल कुमार (सुविधा प्रबंधन)
डॉ. अतुल दुबे (विद्यायी प्रकोष्ठ)
डॉ. सी. एम. नागराजा (आर.टी.आई.)
डॉ. आशुतोष कुमार अलोक (आउटरीच)
डॉ. विवेक विजयवर्गिया (मीडिया और पब्लिक)
डॉ. विभास अधिकारी (संस्थान के कार्य)
डॉ. पुनीत शर्मा (हिन्दी प्रकोष्ठ)
डॉ. तन्मय पॉल

शोध तथा विकास

सभी परियोजना प्रबंधन (परामर्श, प्रायोजन, परीक्षण सेवाएँ, आई.पी.आर., समझौता ज्ञापन, उद्यमशीलता, इनकुबेशन तथा इनोवेशन, कार्यशालाएँ और सम्मेलन, सतत शिक्षा, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण)।

सदस्य

डॉ. बी. रवीन्द्र (समन्वयक)
डॉ. वी. नारायणन् (प्रायोजित कार्यशालाएँ)
डॉ. रवीन्द्र अरोड़ा (नीति मामले)
डॉ. राकेश कुमार शर्मा (भर्ती और ऑटोमेशन)
डॉ. सोनम मेहरोत्रा (आई.पी., एम.ओ.यू., कॉरपोरेट पत्राचार)
डॉ. राकेश सक्सेना (स्टोर तथा खरीद)
डॉ. एस. हरिणिप्रिया और संदीप कुमार यादव (इनक्युबेशन तथा इनोवेशन)

संकाय मामले

संकाय भर्ती, प्रोबेशन तथा नियमित करना, छात्र फीडबैक, सी.पी.डी.ए. अनुमोदन, एल.टी.सी. तथा अवकाश, संकाय बैठकें।

सदस्य

डॉ. विवेक विजयवर्गिया (समन्वयक)
डॉ. वी. हरि नारायणन् (सी.पी.डी.ए.)
डॉ. शालीग्राम तिवारी (एल.टी.सी. और अवकाश)
डॉ. मनीष श्रीमाली (संकाय बैठकें तथा छात्र फीडबैक)
डॉ. अंशु लुईस (संकाय आदान–प्रदान)

प्रत्येक उत्कृष्टता केन्द्र के समन्वयक : डॉ0 विभास अधिकारी, डॉ0 विवेक विजयवर्गिया (एस.एस.), डॉ0 वेंकट रमण, डॉ0 संदीप कुमार यादव (आई.सी.टी.), डॉ0 मनीष श्रीमाली, डॉ0 मीनू छाबड़ा (बी.आई.एस.एस.), प्रौ0 राजीव शेखर और डॉ0 बी. रविन्द्र (ऊर्जा)।

प्रयोगशाला विकास

यह समिति संस्थान में अवर स्नातक तथा स्नातकोत्तर प्रयोगशालाओं से संबंधित कार्य देखती है।

डॉ. संदीप कुमार यादव (समन्वयक)
डॉ. आशुतोष कुमार अलोक (सी.ओ.ई. एस.एस.)
डॉ. दीपक फुल्वानी (सी.ओ.ई. एस.एस.)
डॉ. अमित मिश्रा (सी.ई.ओ. बी.आई.एस.एस.)
डॉ. मीनू छाबड़ा (सी.ई.ओ. बी.आई.एस.एस.)
डॉ. सी. एम. नागराजा (सी.ई.ओ. उर्जा)
डॉ. पी. प्रदीप कुमार (सी.ओ.ई. ऊर्जा)
डॉ. अनिल कुमार तिवारी (सी.ओ.ई. आई.सी.टी.)
डॉ. अनुपम गुप्ता (सी.ओ.ई. आई.सी.टी.)

ऑटोमेशन

डॉ. राकेश कुमार शर्मा (समन्वयक)
डॉ. सी.एम. नागराजा
डॉ. अतुल दुबे
डॉ. अम्बेश दीक्षित
डॉ. किरन कुमार राजशेखर हीरेमठ
डॉ. पुष्कर श्रीपाद जोगेलकर
डॉ. गौरव हरित

छात्र परिषद

अध्यक्ष, एस.सी.एच.ओ.डी.	रणवीर सिंह
जनरल एग्जिक्यूटिव, एस.ए.जी.ई.	सुधीर सिंह
जनरल एग्जिक्यूटिव, नट्स	राहुल कुमार
जनरल एग्जिक्यूटिव, एम.ए.डी.	विन्स गोयल
जनरल एग्जिक्यूटिव, वेव्स	राहुल राठोड़
जनरल एग्जिक्यूटिव, प्रोम	अखिल अरोड़ा
चौथे वर्ष के सीनेटर	सौरभ सिंह विनीत वेमना
तीसरे वर्ष के सीनेटर	कल्पनाथ राव येरावोथुला रोहित
दूसरे वर्ष के सीनेटर	नवनीत मित्तल सौरभ पांडे
पहले वर्ष के सीनेटर	तरूण देवीरेड्डी
बालिका सीनेटर	स्नेहलता जोशी
एम.टेक सीनेटर	ज़ीशान अहमद
पी.एच.डी सीनेटर	बिलाल उसमानी

शैक्षणिक

- शैक्षिक कार्यक्रम
- उत्कृष्टता केन्द्र
- अंतर्राष्ट्रीय संबंध
- आर. एंड डी. परियोजनाएँ
- अवर स्नातक शोध तथा नवाचार कार्यक्रम
- हाई स्कूल ग्रीष्म कैम्प
- सम्मेलन और कार्यशालाएॅ
- नवाचार और इनक्युबेशन
- लघुकालीन पाठ्यक्रम
- साप्ताहिक शैक्षिक सेमीनार
- छात्रों के लिए छात्रवृत्ति
- विदेशी भाषा प्रशिक्षण
- छात्रों के लिए इंटर्नशिप

शैक्षिक कार्यक्रम

संस्थान पांच प्रौद्योगिकी स्नातक (बी.टेक.) कार्यक्रम प्रदान करता है, नामतः

1. बी.टेक. कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग
2. बी.टेक. इलैक्ट्रिक इंजीनियरिंग
3. बी.टेक. यांत्रिक इंजीनियरिंग
4. बी.टेक. प्रणाली विज्ञान
5. बी.टेक. जीवविज्ञान प्रेरित प्रणाली विज्ञान

बी.टेक. कार्यक्रम की अवधि 4 वर्ष है। इन अवरस्नातक कार्यक्रमों का उद्देश्य हैः

1. छात्रों को प्रौद्योगिकी और विज्ञान में मूल दृष्टिकोण प्रदान करना,
2. अध्ययन के क्षेत्र में मुक्त एवं उद्देश्यपूर्ण खोज की भावना का संवर्धन करना, और
3. राष्ट्र की प्रौद्योगिकीय आवश्यकता को पूरा करने के लिए कुशल तकनीकी श्रमिकों के विकास में योगदान देना।

बी.टेक. कार्यक्रम के अतिरिक्त, संस्थान निम्नलिखित केन्द्रों में एम.टेक. कार्यक्रम भी प्रदान करता हैः

1. उर्जा केन्द्र
2. सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी केन्द्र (आई.सी.टी.)
3. प्रणाली विज्ञान केन्द्र (एस.एस.)

आई.आई.टी. जोधपुर में पी.एच.डी. कार्यक्रम का उद्देश्य प्राचीन तथा उभरते हुए क्षेत्रों में अच्छे ज्ञान और शोध प्रशिक्षण वाले स्नातक तैयार करना है। आई.आई.टी. जोधपुर ने दो क्षेत्रों में शोध गतिविधि आयोजित की है, नामतः, (क) *प्राचीन क्षेत्र* – इंजीनियरिंग, विज्ञान तथा मानविकी और सामाजिक विज्ञान के वैयक्तिक विषय, और (ख) *उभरते हुए क्षेत्र* – संस्थान के शोध केन्द्रों के विषय।

आई.आई.टी. जोधपुर में वर्तमान में प्रदान किए जा रहे पी.एच.डी. कार्यक्रम निम्नलिखित हैंः

प्राचीन क्षेत्र	उभरते हुए क्षेत्र
कम्प्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग	जीवविज्ञान–प्रेरित प्रणाली विज्ञान
इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	उर्जा
यांत्रिक इंजीनियरिंग	सूचना एवं संचार प्रैद्योगिकी
गणित	प्रणाली विज्ञान
भौतिकी	
रसायन	
जीव विज्ञान	
मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान	

उत्कृष्टता केन्द्र

आई.आई.टी. जोधपुर अत्याधुनिक, शोध आधारित तथा बहु–विषयक उत्कृष्टता केन्द्रों का विकास करने के लिए वचनबद्ध है जहाँ विभिन्न विषयों के विद्वान उभरते हुए और प्रौद्योगिकीय, वैज्ञानिक तथा उन सामाजिक मुद्दों पर उत्पादक शोध करते हैं जो समकालीन विश्व द्वारा सामना की जा रही चुनौतियों को वर्गीकृत करते हैं। प्रत्येक शैक्षिक गतिविधि में अंतर–विषयी संस्कृति का संवर्धन करने के उद्देश्य से आई.आई.टी. जोधपुर वैयक्तिक विषयों के आधार पर शैक्षिक विभागों की अवसंरचना को नहीं अपनाता है।

वर्तमान में, आई.आई.टी. जोधपुर में निम्नलिखित क्षेत्रों में उत्कृष्टता केन्द्र हैं:

1. ऊर्जा
2. सूचना और संचार प्रौद्योगिकी
3. प्रणाली विज्ञान, और
4. जीवविज्ञान–प्रेरित प्रणाली विज्ञान

ऊर्जा में उत्कृष्टता केन्द्र

प्रस्तावना

उर्जा में उत्कृष्टता केन्द्र का उद्देश्य सौर उर्जा पर अधिक ध्यान केन्द्रित करते हुए विविध उर्जा हल प्रदान करना है। इन उद्देश्यों में वैश्विक शोध तथा विकास गतिविधियां, विभिन्न उप प्रणालियों के लिए प्रौद्योगिकी का स्वदेशीकरण तथा सौर उर्जा एवं फोटोवोल्टायिक शोध के क्षेत्रों में उत्पाद विकास अर्जन शामिल है।

एक ऐसे अंतर–विषयक दृष्टिकोण जो विज्ञान एवं इंजीनियरिंग को समेकित करता है, केन्द्र की शोध गतिविधियाँ चार विभिन्न क्षेत्रों के तहत की जाती हैं, नामतः

1. सौर थर्मल डिजाईन एवं विश्लेषण
2. सामाग्री डिजाईन तथा संरचना
3. फोटोवोल्टायिक एवं सौर थर्मल हेतु स्मार्ट ग्रिड
4. स्ट्रक्चरल डिजाईन

शैक्षिक पाठ्यचर्या

शैक्षिक पाठ्यचर्या के अनिवार्य और प्रमुख घटक हैं अनिवार्य पाठ्यक्रम छात्रों को (1) पावर उत्पादन तथा ट्रांसमिशन से संबंधित विभिन्न यांत्रिक और विद्युत प्रक्रियाएँ, (2) सोलर फोटोवोल्टायिक्स के साथ जुड़े

सेमीकंडक्टर उपकरणों की भौतिकी और (3) विभिन्न उप–प्रणालियों से ज्ञान को समेकित करके जटिल परियोजनाएँ तैयार करने हेतु प्रणाली इंजीनियरिंग के पहलुओं के बारे में जानने का अवसर देता है। इलैक्टिव पाठ्यक्रम छात्रों को अपनी इच्छा के आधार पर कई पाठ्यक्रमों में से चुनने की अनुमति देता है – सौर एवं न्यूकलियर पावर, बायोएनर्जी प्रणाली, इलैक्ट्रोथर्मल पावर संसाधन, पावर इलैक्ट्रानिक्स, ऊर्जा सामग्री, स्ट्रकचरल डायनेमिक्स, दो–फेज के फ़्लो और सोलर रेफ़्रिजिरेशन तथा एयर–कंडिशनिंग। छात्रों द्वारा प्रवेश लेने के तुरंत बाद उन्हें प्रथम सेमेस्टर में प्रदान किए जाने वाले बहु–विषयक अनिवार्य पाठ्यक्रमों के लिए तैयार करने हेतु ग्रीष्म सेतु पाठ्यक्रम प्रदान किए जाते हैं।

शोध तथा विकास

शोध तथा विकास प्रयास गहन औद्योगिक शैक्षिक सहयोग के ज़रिए नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन तथा प्रयोग का कार्यान्वयन करने के लिए अल्प लागत की प्रौद्योगिकीय पहलुओं के विकास पर ध्यान केन्द्रित करते हैं। जोधपुर, भारत की सूर्य नगरी में स्थित होने के कारण पावर उत्पादन तथा कूलिंग/हीटिंग के लिए सौर ऊर्जा का प्रयोग करना सौर ऊर्जा प्रौद्योगिकी केन्द्र के तत्वावधान में आर. एंड डी. प्रयासों का प्रमुख केन्द्र रहा है।

सौर ऊर्जा प्रौद्योगिकी के प्रयोग हेतु अंतर्राष्ट्रीय केन्द्र (आई.सी.ए.एस.ई.टी.) एशियाई विकास बैंक (ए.डी.बी.) और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर, जोधपुर (आई.आई.टी.जे.) का संयुक्त कदम है। आई.सी.ए.एस.ई.टी. के लिए ए.डी.बी. द्वारा वित्त–पोषण किया जाता है।

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सी.एस.ई.टी. को सौर थर्मल ऊर्जा में उत्कृष्टता केन्द्र के रूप में पदनामित किया गया है। आई.आई.टी. जोधपुर ने एक ही छत के नीचे विभिन्न प्रौद्योगिकियों को शामिल करते हुए एक सोलर पार्क के सृजन हेतु अपने स्थायी परिसर में एक 200 एकड़ भूमि की पहचान की है। सी.एस.ई.टी. में (1) सोलर थर्मल और सोलर पी.वी. प्रौद्योगिकी प्रदर्शन इकाईयॉ, (2) सौर ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के मूल्य वृद्धि प्रयोग के विकास हेतु आर. एंड डी. सुविधाएँ, (3) सोलर थर्मल तथा सोलर पी.वी. प्रौद्योगिकियों दोनों के लिए परीक्षण के लिए परीक्षण, केलिब्रेशन तथा बेंचमार्किंग की सुविधाएॅ, और (4) मानव संसाधन विकास तथा ज्ञान सेवाएँ शामिल हैं। सी.एल.ई.टी. को अपने छात्रों को एक गतिशील, प्रयोगशाला–से–प्लांट स्केल के शोध अनुभव देने हेतु तैयार किया गया है। सी.एस.ई.टी. के मुख्य अनुदान एम.एन.आर.ई. और एशियाई विकास बैंक से प्राप्त होते हैं।

संस्थान के ऊर्जा में आर. एंड डी. में सहयोग के लिए अरेवा, सी.ई.ए. फ्रांस, भारतीय तेल लिमिटेड, भेल, थर्मेक्स, एन.एफ.टी.डी.सी. – हैदराबाद के साथ समझौता ज्ञापन है। इसके अतिरिक्त केन्द्र का यूनिवसिर्टी ऑफ वाटरलू, यूनिवसिर्टी ऑफ केलिफोर्निया, मेरसेड, यूनिवसिर्टी ऑफ वेस्टर्न ओन्टारिओ, यू.आर.वी. टारागोना, स्पेन के साथ शैक्षिक तथा शोध सहयोग करार हैं।

प्रमुख शोध विषय वस्तु और लक्ष्य :

- सौर एब्जोरबर कोटिंग तथा थर्मिक फ़्लूइड
- ताप तथा ऊर्जा उत्पादन हेतु वाल्यूमेट्रिक एयर रिसीवर
- थर्मल स्टोरेज
- डी.सी. स्मार्ट माइक्रो ग्रिड
- क्रिस्टेलाइन और एमोरफस सिलिकॉन आधारित फोटोवोल्टायिक पावर प्रणाली का वर्गीकरण
- इलैक्ट्रोकेमिकल पावर स्त्रोत तथा स्टोरेज लिथियम आयन बैटरी और फ्यूल सेल पर विशेष ध्यान
- वाटर स्प्लिटिंग द्वारा हाइड्रोजन उत्पादन
- सोलर कूलिंग

31 मार्च, 2013 की स्थिति के अनुसार संबद्ध संकाय सदस्य

- डॉ. अम्बेश दीक्षित
- डॉ. आनंद कृष्णन प्लापले
- डॉ. बरुण प्रतिहर
- डॉ. गौरीशंकर हीरामठ
- डॉ. लालतू चंद्रा

- डॉ. वी. नारायणन्
- डॉ. पी. प्रदीप कुमार
- डॉ. प्रोद्युत रंजन चक्रवर्ती
- डॉ. राहुल छिब्बर
- डॉ. राजीव शेखर
- डॉ. राकेश सक्सेना
- डॉ. बी. रवीन्द्र
- डॉ. रवीन्द्र अरोड़ा
- डॉ. शालीग्राम तिवारी
- डॉ. विद्या सरवेश्वरन

सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आई.सी.टी.) में उत्कृष्टता केन्द्र

प्रस्तावना

प्रगति, संपोषण और मानव कल्याण शिक्षा, ज्ञान, सूचना और संप्रेषण पर बहुत अधिक निर्भर करते हैं। सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का हमारे जीवन के सभी पहलुओं पर गहरा प्रभाव है। आई.सी.टी. के त्वरित प्रगति विकास के उच्चतर स्तर प्राप्त करने के पूर्णतः नये अवसर प्रदान करती है। परंपरागत रूप से गहरी बाधाओं, विशेष रूप से स्थान और काल से संबंधित, को कम करने के इन प्रौद्योगिकियों की क्षमता विश्वभर में लाखों लोगों के लाभ के लिए इन प्रौद्योगिकियों की क्षमता का प्रयोग करना संभव बनाती है। तथापि, यह स्वीकार किया जाता है कि आई.सी.टी. को एक साधन के रूप में माना जाना चाहिए न कि स्वयं में एक साध्य के रूप में उचित रूप से उपयोग किया जाये तो प्रौद्योगिकी उत्पादकता में वृद्धि, आर्थिक विकास के संवर्धन, रोज़गार के अवसर देने तथा जीवन के स्तर में सुधार करने में सशक्त साधन के रूप में कार्य कर सकती है।

आई.सी.टी. में उत्कृष्टता केन्द्र सामाजिक–आर्थिक समम्याओं को हल करने के लिए नवाचारी तथा सतत् सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आई.सी.टी.) के विकास आधारित हल पर ध्यान केन्द्रित करता है। सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी मे उत्कृष्टता केन्द्र (आई.सी.टी. में सी.ओ.ई.) सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के क्षेत्र तथा उसकी सैद्धांतिक अवस्थापना में बहु विषयक शोध तथा शैक्षिक कार्यक्रम प्रदान करता है। शोध गतिविधियों को मुख्यतः तीन शोध क्षेत्रों में वृगीकृत किया गया हैः

- संचार एवं नेटवर्क
- उपकरण प्रौद्योगिकी

- मल्टीमीडिया तथा साफ्टवेयर प्रणाली

केन्द्र के मुख्य उद्देश्य

- आई.सी.टी. में उच्च गुणवत्ता के शैक्षिक कार्यक्रमों के ज़रिए कुशल एवं प्रतिस्पर्धी मानव संसाधन विकसित करना।
- सरकार, निजी क्षेत्र तथा अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में आई.सी.टी. के क्षेत्रों में मूल एवं अनुप्रयुक्त शोध का संचालन करना।
- समेकित सोसायटियों के निर्माण के लिए मूल रूप से संचालित अल्प–लागत के आई.सी.टी. हल तैयार करना।

शोध विषय–वस्तु

- कम लागत के नेटवर्किंग समाधान और सस्ती इंटरनेट सेवा
- कम लागत के एक्सेस उपकरण
- कम लागत के इलैक्ट्रोनिक्स स्वास्थ्य देखभाल समाधान।
    - कंप्यूटर विजन/सिग्नल प्रोसिसिंग/मेडिकल इमेजिंग।
- हार्डवेयर डिजाइन और बैंचमार्किंग।
    - एम्बैडेड प्रणालियॉ
        - शिक्षा/स्वास्थ्य के अनुवीक्षण हेतु कम लागत के एक्सेस उपकरण
    - सूक्ष्म/नैनो–इलैक्ट्रॉनिक्स
        - सिस्टम–ऑन–चिप
        - ई.डी.ए. उपकरण
    - प्रलेखन और परीक्षण
    - रोबोटिक्स और स्वचालन
    - बायोमिमेटिक्स
- आई.सी.टी. के माध्यम से पर्यावरण संधारण।
- नेटवर्क/सेंसर नेटवर्क।

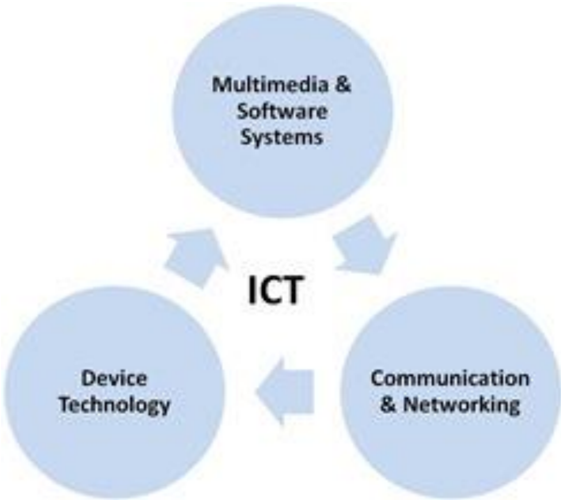

सी.ओ.ई.–आई.सी.टी. एक अंतर–विषयी उद्यम है। इसमे गणितीय विज्ञान, प्राकृतिक विज्ञान से लेकर प्रणाली इंजीनियरिंग के एप्लाईड क्षेत्रों और इंजीनियरिंग के अन्य विषयों की पृष्ठभूमि वाले उत्कृष्ट वैज्ञानिक हैं। यह सामाजिक समस्याओं को हल करने के लिए कार्य करता है और ये समस्याएँ प्रकृति में अत्यधिक अंतर–विषयक है।

संस्थान ने शैक्षिक वर्ष 2011–12 में आई.सी.टी. में एम.टेक. कार्यक्रम आरंभ किया। इस कार्यक्रम में छब्बीस छात्रों को प्रवेश दिया गया। तेरह पी.एच.डी. छात्रों ने भी इस शैक्षिक वर्ष में केन्द्र मे प्रवेश लिया। केन्द्र ने दो प्रयोगशालाओं–नेटवर्किंग प्रोद्योगिकी लैब और एस.ओ.सी. लैब को भी आरंभ किया। केन्द्र की उपलब्धियों में डिजिटल रेडियो मानकों के लिए डी.आर.एम./डी.आर.एम. + आई.पी. के विकास सहित कई उद्योग परामर्श परियोजनाओं के लिए सही हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर उपकरण प्रदान करना शामिल है।

31 जुलाई, 2013 के अनुसार संबद्ध संकाय

- डॉ. अभिषेक मिश्रा
- डॉ. अखिलेश मोहन
- डॉ. अनिल कुमार तिवारी
- डॉ. अरणब दत्ता
- डॉ. गौरव हरित
- डॉ. महेश कुमार
- डॉ. संदीप कुमार यादव
- डॉ. शनमुगनाथन रामन
- डॉ. श्री प्रकाश तिवारी
- डॉ. बी. वेंकट रमण
- डॉ. विवेक दीक्षित

प्रणाली विज्ञान में उत्कृष्टता केन्द्र

प्रस्तावना

प्रणाली विज्ञान में उत्कृष्टता केन्द्र आई.आई.टी. जोधपुर ने 2011 में अपनी शुरूआत से ही एक समग्र प्रणाली दृष्टिकोण अपनाते हुए अंतर विषयक शिक्षा तथा शोध के संवर्धन और क्रियान्वयन का लक्ष्य रखा है। केन्द्र ने ऐसे छात्रों को युवा प्रशिक्षित स्नातकों के रूप में परिवर्तित करने के अपने दृष्टिकोण को बनाए रखा है जो इंजीनियरिंग प्रणाली, प्राकृतिक प्रणाली, और वित्तीय प्रणाली के विविध क्षेत्रों में प्रणाली सोच की भावना से ओतप्रोत हैं। वर्तमान में, केन्द्र में 18 उत्साही और समर्पित संकाय सदस्य हैं। केन्द्र के शोध क्षेत्र में गुणात्मक वित्त, मात्रात्मक सूचना, जटिल नेटवर्क और प्रणाली, गैर रेखीय डायनेमिक्स तथा अव्यवस्था, रसायनिक रिएक्शन डायनेमिक्स, ग्राफ एलोगरिथम, तथा प्रतिबिंब प्रसंस्करण शामिल है। केन्द्र राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तर पर सम्मेलन, कार्यशालाओं के आयोजन में सक्रिय रूप शामिल है।

केन्द्र ने 2011 में पी.एच.डी. और बी.टेक. कार्यक्रम आरंभ किए और इसके पश्चात 2012 में एम.टेक. कार्यक्रम आरंभ किया। इस कार्यक्रम का उद्‌देश्य ऐसे प्रणाली विद्वान तैयार करना है जो विभिन्न प्रणालियों को तैयार, निर्मित कर सकें, मॉडल तैयार कर सकें, संचालन, पुनर्निमाण, जांच और समेकित कर सकें। यह केन्द्र आई.आई. टी. जोधपुर में अन्य उत्कृष्टता केन्द्रों के साथ शोध तथा बी.टेक. पाठ्‌यक्रमों और उनके द्वारा आयोजित विभिन्न सेमेस्टर कार्यक्रमों में एम.टेक. स्तर पर सहयोग करता है।

प्रणाली विज्ञान के बृहद कार्यक्षेत्र और प्रयोग को देखते हुए इस केन्द्र ने अपने शोध एजेंडा में कुछ महत्वपूर्ण क्षेत्रों की पहचान की है :

- इंजीनियरिंग प्रणाली और निर्माण प्रणाली की लागत प्रभाविता का मूल्यांकन, जो कि लगातार जटिल होती जा रही है।
- ऐसा मजबूत गणीतिय ढ़ांचा तैयार करना जो प्राकृतिक विज्ञान में रोचक और जटिल समस्याओं की गहन जानकारी प्रदान करे।
- विज्ञान और इंजीनियरिंग के विभिन्न क्षेत्रों में विचार, कानून और मॉडल के समाकृतिक निरीक्षण।
- सामाजिक चिंताओं के प्रति पूर्वानुमान और मात्राकरण की नई पद्धति विकसित करना जिनसे उत्पाद माँग की सुरक्षा और विश्वसनीयता की अधिक कड़ी आवश्यकता की विनियामक कारवाई की माँग की है।
- बेहतर सूचना और जानकारी लेने के लिए बड़े स्तर के आंकड़ों पर कार्य करना।

तथापि, वैश्विकरण के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था के कारण उभरती हुई चुनौतियों, संसाधनों की सीमित उपलब्धता के कारण सतत विकास के प्रति बढ़ती हुई चिंता और पर्यावरण पर मानवीय प्रभावों के प्रति बढ़ती हुई

संवेदनशीलता जैसे कारकों को ध्यान में रखते हुए उत्कृष्टता केन्द्र अपनी गतिविधियों को उपर्युक्त प्रस्तुत मूल चिंताओं के बारे में एक वृहत सामाजिक संदर्भ में विश्लेषित और मूल्यांकित करना जारी रखेगा।

शोध विषय

- मात्रात्मक वित्त
- मात्रा सूचना
- गैर–रेखीय डायनेमिक्स और अव्यवस्था
- जटिल नेटवर्क तथा प्रणाली

शैक्षिक कार्यक्रम

चूँकि प्रणाली विज्ञान उत्कृष्टता केन्द्र का एक मुख्य उद्देश्य अत्याधुनिक शोध करना है इसलिए केन्द्र ने छात्रों के लिए उच्च गुणवत्तावान शैक्षिक प्रशिक्षण प्रदान करने और उन्हें प्रणाली विज्ञान के क्षेत्र में विद्वान बनाने के लिए प्रणाली विज्ञान में पाठ्यचर्या का विकास किया है। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए यह केन्द्र प्रणाली विज्ञान में बी.टेक., एम.टेक. और पी.एच.डी. कार्यक्रम प्रदान करता है। बी.टेक. कार्यक्रम का पाठ्यक्रम वर्ष 2011 में नियमित रूप से आयोजित विचार–विमर्श सत्रों अथवा वार्तालाप घंटों के आयोजन के पश्चात विकसित किया गया है। विचार–विमर्शों के कुछ दौर के पश्चात बी.टेक. के वर्तमान पाठ्यक्रम को 9 से 10 दिसम्बर, 2011 के दौरान आयोजित विचार–विमर्श सत्र में अंतिम रूप दिया गया था। उद्योग जगत से कई सम्मानित विशेषज्ञों और भारत में विभिन्न शैक्षिक संस्थानों के विद्वानों को उद्योग जगत की आवश्यकता और प्रणाली विज्ञान विषय में आधुनिक क्या है, को ध्यान में रखते हुए बी.टेक. तथा एम.टेक. कार्यक्रमों में एक सुसंगत तथा संतुलित पाठ्यक्रमों का विकास करने के लिए इन सत्रों में आमंत्रित किया गया था।

इसके अतिरिक्त, 7–9 मई, 2012 को आयोजित प्रणाली विज्ञान : जटिल नेटवर्क और प्रयोग के संबंध में कार्यशाला में एम.टेक. तथा पी.एच.डी. कार्यक्रम के पाठ्यक्रम को अंतिम रूप दिए जाने और आरंभ करने से पहले पुनः वाद–विवाद तथा विचार–विमर्श किया गया। इस विषय की अंतरविषयक प्रकृति को देखते हुए आई.आई.टी., जोधपुर के प्रणाली विज्ञान केन्द्र में गणित, भौतिक, रसायण, अर्थशास्त्री, प्रणाली और नियंत्रण, यांत्रिक इंजीनियरिंग आदि जैसे विषयों से संकाय सदस्यों का समूह है। प्रणाली विज्ञान प्रमुख कार्यक्रम में निम्न पर ध्यान देते हुए सघन पाठ्यक्रम हैंः

- नेटवर्क
- प्रणाली डायनेमिक्स, डिजाईन तथा प्रबंधन
- वित्तीय इंजीनियरिंग

31 जुलाई, 2013 की स्थिति के अनुसार संबद्ध संकाय सदस्य

- डॉ. आशुतोष कुमार आलोक
- डॉ. अतुल कुमार
- डॉ. विभास अधिकारी
- डॉ. किरण कुमार राजशेखर हीरेमाठ
- डॉ. मैनाक मजूमदार
- डॉ. पुनीत शर्मा
- डॉ. पुष्कर श्रीपाद जोगेलकर
- डॉ. राकेश कुमार शर्मा
- डॉ. एस. हरिणिप्रिया
- डॉ. सत्यव्रत अधिकारी
- डॉ. शुभाशीष बनर्जी
- डॉ. विवेक विजयवर्गीया
- डॉ. वी.वी.एम. शर्मा चन्द्रमौली

जैविक रूप से प्रेरित प्रणाली विज्ञान में उत्कृष्टता केन्द (बी.आई.एस.एस.)

आई.आई.टी. जोधपुर के अधिशासी बोर्ड़ ने 13 सितम्बर, 2011 को आयोजित अपनी 5वीं बैठक में जैविक रूप से प्रेरित प्रणाली विज्ञान (बी.आई.एस.एस.) में बी.टेक., एम.टेक. और पी.एच.डी. कार्यक्रमों का अनुमोदन किया गया है। इस केन्द्र में इंजीनियरिंग, जीव विज्ञान और मानविकी में जैविक संघटकों के लिए अनन्य समझे जाने वाले ज्ञान और चेतना की शानदान पद्धति की खोज हेतु मुख्य क्षमता के साथ सुसज्जित 21वीं सदी के रचनात्मक विद्वानों को तैयार करने की परिकल्पना की गई है। ज्ञान और चेतना की पद्धति के पीछे रहस्य को सुलझाना मानवों की सर्तक सक्षम प्रणाली को विकसित करने में सहायता करेगा।

केन्द्र का मुख्य उद्देश्य जीवविज्ञान प्रणाली तथा प्रसंस्करण द्वारा प्रेरित नॉवल, अनुकूल तथा सतत् प्रौद्योगिकी हल तैयार करना है। जीवविज्ञान प्रणाली को समझना एक इंजीनियर को सदा परिवर्तित होने वाले वातावरण के लिए अनुकूल सतर्क प्रणाली तैयार करने में सहायक होगा। इस केन्द्र की मुख्य विशेषता इसका मजबूत अंतर–विषयक दृष्टिकोण है। ऐसे अंतर–विषयक दृष्टिकोण के साथ केन्द्र का प्रयास नवाचारी प्रौद्योगिकी हल के

समग्र विकास का संवर्धन करना है। केन्द्र में शोध के क्षेत्र पर्यावरण अनुकूल सामग्रियों का विकास, प्रौन्नत सतर्क प्रणाली के साथ स्मार्ट सेंसर, वर्धित निदान और बेहतर सैद्धांतिक प्रौद्योगिकी हैं।

आई.आई.टी. जोधपुर के विजन और मिशन को ध्यान में रखते हुए इस केन्द्र ने शैक्षिक वर्ष 2011–12 के दौरान बी.आई.एस.एस. के लिए अवर स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के मॉड्यूल को सुसंगत रूप से डिजाइन करने में सुझाव देने के लिए विश्वभर से शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं को आमंत्रित किया। जैविक रूप से प्रेरित प्रणाली विज्ञान में एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला (1–3 मार्च, 2012) और दृष्टिकोण टिप्पणी एवं पाठ्यक्रम पाठ्यचर्या तैयार करने के लिए इस क्षेत्र में विशेषज्ञों के वैयक्तिक लैक्चर आयोजित किए गए थे।

प्रमुख शोध शीर्षक और पहल

1. जीवविज्ञान सूचना प्रसंस्करण तथा नेटवर्क प्रसार;
2. तंत्रिका विज्ञान और चिकित्सा विज्ञान तथा बायोमेटिरियल के लिए प्रोटीन संघटकों की भूमिका;
3. दर्शन तथा मनोचिकित्सा के जरिए ज्ञान अध्ययन;
4. चेतना का निर्गामी पहलू;
5. जैविक रूप से प्रेरित मॉडलिंग और डिजाइन, एलॉगरिथम, मैकेनिक्स, वास्तविक विश्व प्रयोग;
6. सेल्युलर तथा मोलीक्यूलर न्यूरोसाईंस एवं कम्पयूटेशनल न्यूरोसाईंस।

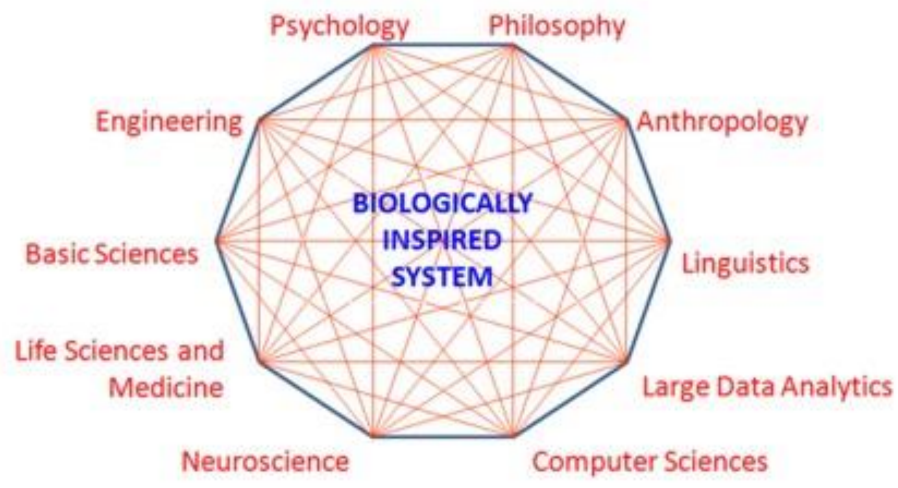

उत्कृष्टता केन्द्र बी.आई.एस.एस. 4 वर्षीय स्नातक (बी.टेक.) कार्यक्रम और जुलाई, 2013 से आरंभ करते हुए एक डॉक्टरल कार्यक्रम प्रदान करने के लिए प्रयासरत है।

31 जुलाई, 2013 के अनुसार संबद्ध संकाय

- डॉ. अमित मिश्रा
- डॉ. अनन्या देबनाथ
- डॉ. अंकिता शर्मा
- डॉ. अंशु लुईस
- डॉ. के. जे. जार्ज
- डॉ. मनीष श्रीमाली
- डॉ. मीनू छाबड़ा
- डॉ. मोनिका सिन्हा
- डॉ. समन्विता पाल
- डॉ. सत्यजीत साहू
- डॉ. सोनम मल्होत्रा
- डॉ. सुष्मिता झा
- डॉ. वी. हरि नारायणन्

अंतर्राष्ट्रीय संबंध

आई.आई.टी. जोधपुर और अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय संस्थाओं तथा एजेंसियों के बीच संगम ज्ञापन

1. यूनिवर्सिटी ऑफ वैस्टर्न ओंटारियो, कनाड़ा (दिनांक 09.08.2010)

   शिक्षा, प्रशिक्षण तथा अनुसंधान में सहयोग की संभावनाएं तलाशना तथा परिसरों में पारस्परिक वास्तविक उपस्थिति, प्रत्यक्ष संपर्क तथा संकाय सदस्यों, विभागों और शोध केन्द्रों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करना।

2. यूनिवर्सिटी रोविरा इ वरजिली, तरागोना, स्पेन (दिनांक 29.08.2010)

   पारस्परिक रूप से लाभप्रद शैक्षिक कार्यक्रमों का विकास, शिक्षण, शोध और प्रशिक्षण के प्रयोजन से शैक्षिक स्टाफ मोबिलिटी का समन्वय, अध्ययन और अनुसंधान, शोध, प्रकाशन एवं सिंपोजिया जैसे संयुक्त शैक्षिक कार्यकलापों के लिए छात्र मोबिलिटी कार्यक्रम में सहयोग, पारस्परिक हित के क्षेत्रों में प्रलेखन तथा शोध सामग्री का आदान–प्रदान में कई कानूनी अड़चन न हो, और दोनों संस्थाओं के बीच अंतर्राष्ट्रीय मास्टर और डॉक्टोरल कार्यक्रम में सहयोग।

3. दी कमिसरियेट इ ला इनर्जी एटोमीक एट ऑक्स इनर्जीज अल्टरनेटिव्ज, फ्रांस (दिनांक 22.11.2010)

सौर ऊर्जा अनुसंधान में क्षेत्रों में सहयोग, जैसे संकेन्द्रित सौर ऊर्जा और संकेद्रित फोटोवोल्टाइक, सौर ऊर्जा के उपयोग से जल उत्पादन; नवीकरणीय ऊर्जा भंडारण तथा स्मार्ट प्रबंधन, सौर ऊर्जाओं का समेकन और भवन में ऊर्जा कार्यक्षमता।

4. यूनिवर्सिटी ऑफ वाटरलू, कनाडा (दिनांक 25.11.2010)

पारस्परिकता, पारस्परिक लाभ, नियमित संपर्क और स्नातक कार्यक्रमों में छात्रों के आदान–प्रदान के आधार पर अंतर्राष्ट्रीय अनुभव को बढ़ाने और ज्ञान का विकास करने के सहयोगात्मक उपाय।

5. यूनिवर्सिटी ऑफ मानिटोबा, कनाडा (दिनांक 09.12.2010)

छात्रों के ज्ञान तथा अंतर्राष्ट्रीय अनुभव की उन्नति के लिए अवसर प्रदान करने हेतु इंटर्नशिप और स्नातक अध्ययन के लिए परस्पर लाभकारी कार्यक्रम विकसित करना।

6. भारत में फ्रांस का दूतावार (दिनांक 28.03.2011)

छात्रों के लिए भविष्यलक्षी क्षेत्रों की तलाश करना और छात्रों को प्रभावशाली ढंग से फ्रेंच भाषा सीखने में सहायता करना।

7. यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफ़ोर्निया, मरसीड (दिनांक 26.04.2011)

शैक्षिक आदान–प्रदान को बढ़ावा देने वाले पारस्परिक लाभप्रद संबंध बनाना, शिक्षण, अनुसंधान और कार्यक्रम विकास के लिए प्रोफेसरों, वैज्ञानिकों, स्नातक छात्रों तथा शोध कार्मिकों का आदान–प्रदान। इसके अलावा, परिचालन के लिए उपलब्ध प्रकाशनों, वैज्ञानिक सामग्री, अध्येता शोध–पत्रों और शोध जानकारी का आदान–प्रदान संबंधी संस्थाओं के लाइसेंसिंग करारों द्वारा यथाअनुमत्य पुस्तकालय सामग्री तक पहुंच प्रदान करना।

8. एरिड वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर, भारत (दिनांक 15.08.2011)

आई.आई.टी. जोधपुर में एक चुनी हुई साईट के लिए शहरी वन्य मॉडल के रूप में छाया बेल्ट रोपण का विकास।

9. विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, नारा, जापान (दिनांक 28.02.2012)

उन क्षेत्रों जिनमें प्रत्येक पक्ष को अपने शैक्षिक कार्यक्रमों में वृद्धि करने की आवश्यकता है में शैक्षिक आदान–प्रदान का संवर्धन करना : शैक्षिक आदान–प्रदान में सहयोगी शोध का कार्यान्वयन, संयुक्त सिम्पोजिया, लैक्चर और शिक्षा तथा विद्वानों, शोधकर्ताओं और प्रशासनिक स्टाफ के

आदान–प्रदान, उन क्षेत्रों में सूचना का आदान–प्रदान जो दोनों पक्षों की रूचि की हो और दोनों पक्षों के हीत के क्षेत्र में स्नातक छात्रों का आदान–प्रदान शामिल होगा।

उद्योगों के साथ संगम ज्ञापन

1. नेशनल इंस्ट्रूमेंट्स (एन.आई.) सिस्टम्स (इंडिया) प्रा0 लि0, बंगलौर (दिनांक 25.11. 2010)

   नेशनल इंस्ट्रूमेंट्स तथा आई.आई.टी. जोधपुर अनुसंधान और विकास के माध्यम से संस्थान को वायरलैस संचार तथा फिजिकल लेयर प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में उत्कृष्टता का एक प्रसिद्ध केन्द्र बनाने के लिए मिलकर कार्य करेंगे। साथ ही, नेशनल इंस्ट्रमेंट्स ने शिक्षाजगत और उद्योगजगत दोनों से इसके संबंधित द्वारा तैयार कंप्यूटर अधारित हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर उत्पादों का आपूर्तिकर्ता होने के नाते, राष्ट्रभर में छात्रों और व्यवसायिकों के लिए एक ग्राफिकल सिस्टम डिजाइन केन्द्र स्थापित करने की इच्छा व्यक्त की है।

2. अरेवा रिनूवेबल्स, फ्रांस (दिनांक 06.12.2010)

   अनुसंधान और विकास के क्षेत्रों, जैसे स्थानीय वायु की गुणवत्ता के संपर्क से रिफ्लेक्टर, गंदगी होने, सामग्री के नष्ट होने के करेक्टराइजेशन में सहयोग, सी.एस.पी. निष्पादन का पूर्वानुमान लगाने तथा उसे अभीष्ट बनाने के लिए आंकड़ों के मूल्यांकन के लिए एक डीएनआई मापन सर्वेक्षण प्रयोगशाला एवं तकनीक विकसित करना, ऊर्जा उत्पादन को बढ़ाने के लिए सी.एस.पी. प्रोसेस नियंत्रण ऑपरेटिंक दशाओं को अनुकूल बनाने के लिए क्लोउड डिटेक्शन तथा प्रत्याशा पद्धतियां और तकनीकें, अरेवा रिनूवलेबल्स टेक्नोलॉजी पर भारतीय संदर्भ में आवश्यक तध्यान देते हुए सौर प्रणालियों के लिए परीक्षण औरह बैचमार्किंग प्रयोशालाओं का विकास।

3. सी–वेट और एस.आर.आर.ए. (दिनांक 10.05.2011)

   एक सोलर रेडिएशन संसाधन मूल्यांकन स्टेशन की स्थापना में सहयोग।

4. भारत हैवी इलैक्ट्रीकल लिमिटेड (भेल), भारतीय तेल निगम लिमिटेड (आई.ओ.सी.) (दिनांक 17.10.2011)

   शोध, नवाचार और शिक्षा के संवर्धन में सहयोग और इन मुख्य उद्देश्यों में उद्योग–शैक्षिक भागीदारी के लिए मॉडल प्रदान करना : सौर ऊर्जा में मूल अनुसंधान और सौर प्रौद्योगिकियों के निष्पादन वैधीकरण को प्रौन्नत करना।

5. आई.टी.आई. लिमिटेड (दिनांक 16.12.2011)

मुक्त स्थान ऑप्टीकल संचार सहित ऑप्टीकल संचार, एनक्रिप्शन टेक्नोलॉजी, एमबेडेड सिस्टम, एस.सी.डी.ए. और एन.एम.एम.एस. सिस्टर तथा रेडियो और माइक्रोवेव संचार जैसे क्षेत्रों में सहयोगी विकास और अनुसंधान आरंभ करना।

6. अमेथा वायरलेस टेक्नोलॉजी (दिनांक 02.02.2012)

दृष्टिकोण में सहयोग, कम्प्यूटिंग का डिजाइन और विकास, संबध सॉफ्टवेयर के संचार और अभिसारित उपकरण तथा अपेक्षित संचालन रूप से वहनीय इस्टतम लागत।

7. क्वार्ड इलैक्ट्रॉनिक्स प्राईवेट लिमिटेड (दिनांक 14.01.2012)

शोध और विकास कम्प्यूटिंग तथा संचार उपकरणों में सहयोग जो संपूर्ण जनता के हित की हो सकती है और भारत के डिजिटल अंतर को मिटाने का कार्य कर सकती है।

8. स्टेयाग एनर्जी सर्विसेज (एस.ई.एस.आई.) (दिनांक 23.04.2012)

एक डायनमिक सोलर थर्मल साइमूलेटर के विकास और सोलर थर्मल साइमूलेटर के संबंध में शोध एवं प्रशिक्षण हेतु सहयोग के लिए परस्पर करार।

शोध एवं विकास परियोजनाएं

आई.आई.टी. जोधपुर में संकाय सदस्य विभिन्न परियोजनाओं में भी शामिल हैं जो अन्य राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ शोध तथा विकास, और परामर्श से जुड़ी हैं। सतत् परियोजना और 2012–13 के दौरान संस्वीकृत परियोजनाएं हैं:

प्रायोजित परियोजनाएं

1. *ग्रामीण समुदाय नेटवर्क : भारत के ग्रामीण क्षेत्रों के लिए अल्प लागत संचार नेटवर्क हेतु प्रौद्योगिकी विकास और प्रमुख योजना।* मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा प्रायोजित। प्रमुख अन्वेषकः प्रो. पी. के. कालरा, डॉ. के. एस. दया।
2. *उच्च ऊर्जा भौतिकी के बारे में ई–पुस्तकें, एस्ट्रोपार्टिकल भौतिकी में एस्ट्रोपार्टिकल भौतिकी और इंस्ट्रूमेंटेशन प्रकिया आरंभ करना।* मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा प्रायोजित। प्रमुख अन्वेषकः प्रो. पी. के. कालरा, डॉ. एस. भट्नागर।
3. *अल्प लागत चल रॉबट का विकास–शिक्षा हेतु रॉबोटिक्स।* मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा प्रायोजित। प्रमुख अन्वेषकः डॉ. स्वागत कुमार, डॉ. संदीप कुमार यादव।
4. *शैक्षिक विडियों के लिए विश्लेषण तथा सूचकांक उपकरणों का विकास।* मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा प्रायोजित। प्रमुख अन्वेषकः डॉ. गौरव हरित, डॉ. अनिल कुमार तिवारी।

5. *भाषा, ज्ञान और मानव मस्तिष्क*। भारतीय दर्शन शोध परिषद और मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा प्रायोजित। प्रमुख अन्वेषकः डॉ. वी. हरि नारायणन्।
6. *मुक्त स्थान सामग्री वर्गीकरण के लिए दृष्टिकोण और डिजाइन अध्ययन*। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन, जोधपुर द्वारा प्रायोजित। प्रमुख अन्वेषकः डॉ. अखिलेष मोहन।
7. *निरोजनरेटिव रोगों में लगाए जाने वाले ई 3 युबीक्युटीन लिगेसिस और मोलीक्यूलर चैपरोन की पहचान, मूल्यांकन और वर्गीकरण*। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रयोजित। प्रमुख अन्वेषकः डॉ. अमित मिश्रा।
8. *सोलर थर्मल अनुसंधान और शिक्षा में उत्कृष्टता केन्द्र की* स्थापना। नई एवं नवीकरणीय उर्जा मंत्रालय द्वारा प्रायोजित। प्रमुख अन्वेषकः प्रो. राजीव शेखर।
9. *हाइड्रोजन स्टोरेज के लिए सीएनटी/पोलीमर नैनो कम्पोजिट का अध्ययन*। विज्ञान एवं इंजीनियरिंग शोध बोर्ड द्वारा प्रायोजित। प्रमुख अन्वेषकः डॉ. बलराम त्रिपाठी।
10. *सोलर हाइड्रोजन का उत्पाजन, स्टोरेज और वितरण*। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित। प्रमुख अन्वेषकः डॉ. राकेश कुमार शर्मा।
11. *एनआरएफसीसी से संबंधित न्यूक्लियर रिएक्टर डिजाइन में उन्नति*। आण्विक उर्जा विभाग द्वारा प्रायोजित। प्रमुख अन्वेषकः डॉ. विवेक विजयवर्गिया।
12. *प्रजनन बाल स्वास्थ्य*। यूनिसेफ, जयपुर शाखा द्वारा प्रायोजित। प्रमुख अन्वेषकः डॉ. संदीप कुमार यादव।
13. *मोलीक्यूलर सेंसर : सिंथेसिस और एनायन पहचान अध्ययन*। विज्ञान एवं इंजीनियरिंग शोध बोर्ड द्वारा प्रयोजित। प्रमुख अन्वेषकः डॉ. राकेश कुमार शर्मा।
14. *आईओसी–भेल–आईआईटीजे सीएसपी संयंत्र*। भारतीय तेल निगम लिमिटेड द्वारा प्रयोजित। प्रमुख अन्वेषकः प्रो. राजीव शेखर।
15. *जटिल परीक्षण की आवश्यकताओं को सुकर बनाने के लिए फोटो वोल्टिक प्लांट हेतु प्रोग्राम योग्य एमुलेटर का विकास*। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित। प्रमुख अन्वेषकः डॉ. दीपक एम. फुलवानी।
16. *नवाचार तथा इनकुबेशन केन्द्र*। आईआईटी जोधपुर के साथ राजस्थान राज्य सरकार द्वारा प्रायोजित। प्रमुख अन्वेषकः डॉ. संदीप कुमार यादव।
17. *कार्बन नेनोटयूब सतह पर* हाइड्रोजीनेशन। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित। प्रमुख अन्वेषकः डॉ. राकेश कुमार शर्मा।
18. *बी-> एस ट्रांजीशन के जरिए नई भौतिकी की खोज*। वैज्ञानिक एवं औद्योगिक शोध परिषद द्वारा प्रायोजित। प्रमुख अन्वेषकः डॉ. आशुतोष कुमार अलोक।
19. *डाइलैक्ट्रीक विकासः लोचशील कार्बनिक इलैक्ट्रानिक्स के लिए सेमीकंटर समेकन और प्रक्रिया*। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित। प्रमुख अन्वेषकः डॉ. श्री प्रकाश तिवारी।
20. *भारतीय आंकड़ा समेकन में सौर उर्जा संयंत्रों का निष्पादन, विश्लेषण तथा व्याख्या* । शक्ति सतत उर्जा फांउडेशन, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित। प्रमुख अन्वेषकः डॉ. एस. हरिणिप्रिया
21. *लिंक बजट अनुमान परियोजना* । हथियार एवं इलैक्ट्रानिक्स प्रणाली इंजीनियरिंग स्थापना, रक्ष ा मंत्रालय द्वारा प्रायोजित। प्रमुख अन्वेषकः डॉ. संदीप कुमार यादव।
22. *जटिल कम्पयूटेशनल पहलुओं को समझने के लिए विभिन्न जैविक तथा काल्पनिक प्रणालियों का वर्णनात्मक आधारित मूल्यांकन* । विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित, प्रमुख अन्वेषकः डॉ. सत्यजीत साहू।
23. *उच्च बारंबारता सॉ उपकरण अनुप्रयोग के लिए आईआईआई–नाइट्राईडस का विकास* । अंतरिक्ष विभाग द्वारा प्रायोजित। प्रमुख अन्वेषकः डॉ. अम्बेश दीक्षित।

24. *विरासत इरासमस मुंडस कार्यक्रम* । ए.सी. डीईएल, ईसीओएलई, जर्मनी द्वारा प्रायोजित। प्रमुख अन्वेषकः डॉ. किरन कुमार राजशेखर हीरेमाठ।

परामर्शी परियोजनाएं

1. *वन स्टॉप एजुकेशन पोर्टल*। छत्तीसगढ़ इन्फोटेक एंड बायोटेक प्रामोशन सोसायटी द्वारा प्रायोजित। प्रमुख अन्वेषकः प्रो. पी.के. कालरा, डा. संदीप कुमार यादव।
2. *सर्तक इंस्ट्रूमेंटेशन तथा सेसूलर संचार पाठ्यक्रमों का विकास*। एनआई सिस्टम (आई) प्राइवेट लिमिटेड, बंगलौर द्वारा प्रायोजित। प्रमुख अन्वेषकः डॉ. संदीप कुमार यादव।
3. *डीआरएम/डीआरएम+ मानकों का विकास*। एनआई सिस्टम (आई) प्राईवेट लिमिटेड, बंगलौर द्वारा प्रायोजित। प्रमुख अन्वेषकः डॉ. संदीप कुमार यादव।
4. *माइक्रोबियल फयूल सेल के प्रोटोटाइप का विकास* । एनआई सिस्टम प्राईवेट लिमिटेड, बंगलौर द्वारा प्रायोजित। प्रमुख अन्वेषकः डॉ. एस. हरिणिप्रिया।
5. *बारमर* । विश्व बीपीओ फोरम, यूएस द्वारा प्रायोजित। प्रमुख अन्वेषकः डॉ. संदीप कुमार यादव।
6. *ई–फील्ड माप के लिए कोएक्सिअल ट्रांजिसन तथा डाइपोल प्रोब हेतु सर्कुलर वेवगाईड का डिजाईन* । रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन द्वारा प्रायोजित। प्रमुख अन्वेषकः डॉ. अखिलेष मोहन।
7. *श्री सीमेंट संयंत्र में उर्जा सक्षमता परीक्षण* । श्री सीमेंट संयंत्र, कोलकाता। प्रमुख अन्वेषकः प्रो. राजीव शेखर।

अवर स्नातक शोध एवं नवाचार कार्यक्रम (यू.जी.आर.आई. 2012)

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जोधपुर ने अवर स्नातक छात्रों के विभिन्न समूह के बीच अनुसंधान और नवाचार का संवर्धन करने के लक्ष्य के साथ 2011 में अवर स्नातक शोध एवं नवाचार (यू.जी.आर.आई.) कार्यक्रम आरंभ किया। यह कार्यक्रम छात्रों को उनके व्यावसायिक ज्ञान और कौशल में सुधार करने के लिए सहायता प्रदान करने हेतु 2012 की गर्मियों में जारी रहा। देश भर से छात्रों को उनकी शैक्षिक और व्यवसायिक विकास के लिए यू.जी.आर.आई. कार्यक्रम का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। इस वर्ष संस्थान को लगभग 730 आवेदन प्राप्त हुए जो कि पिछले वर्ष में प्राप्त आवेदनों से चार गुणा से अधिक थे। यू.जी.आर.आई. 2012 के लिए इतनी बड़ी संख्या में आवेदनों से 29 छात्रों को चुना गया। छात्रों का चयन पूर्णतः शैक्षिक उपलब्धियों के आधार पर और प्रस्तुत प्रस्ताव के आधार पर, चाहे वे सैद्धांतिक (प्रणाली डिजाइन, एल्गोरिथम विकास इत्यादि) हो अथवा प्रयोगात्मक हो, किया गया।

इस वर्ष यू.जी.आर.आई. कार्यक्रम 8 मई, 2012 को आरंभ हुआ और 20 जुलाई, 2012 को समाप्त हुआ (10 सप्ताह की अवधि)। चुने गए छात्रों को आई.आई.टी. जोधपुर के छात्रावास में आवास प्रदान किया गया। इस अवधि के दौरान वित्तीय सहायता के रूप में 8000 रू. प्रति माह का पारिश्रमिक प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त छात्रों ने पोस्टर और अंतरिम रिपोर्ट तैयार करने के लिए 2000 रू. अतिरिक्त प्राप्त किए। छात्रों ने ऊर्जा, स्वास्थ्य, पर्यावरण और आई.सी.टी. (सूचना, संचार और प्रौद्योगिकी) से संबंधित परियोजनाओं पर कार्य किया।

हाई स्कूल ग्रीष्म कैम्प

गर्मियों के दौरान आई.आई.टी. जोधपुर छात्रों की अज्ञात को जानने की अभिलाशा पूरी करने के उद्‌देश्य से जोधपुर में स्कूलों से वरिष्ठ माध्यमिक छात्रों (कक्षा 11 अथवा 12) से आवेदन आमंत्रित करता है। ऐसा करते हुए संस्थान के संकाय सदस्य उनके प्रश्नों का उत्तर देते हैं और उन्हें अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी से अवगत कराते हैं। कक्षा 10 की मार्कशीट वाले छात्र आवेदन करने के पात्र होते हैं और कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा करने पर प्रत्येक छात्र को एक प्रमाण–पत्र दिया जाता है।

2012 की गर्मियों में कक्षा 10 के शैक्षिक रिकॉर्ड के आधार पर एक स्क्रीनिंग प्रक्रिया के माध्यम से 21 छात्रों का चयन किया गया था। चुने हुए छात्रों ने लैक्चर, कार्यशालाओं, प्रयोगशाला सत्र, सामूहिक कार्य और फ़ील्ड दौरों में भाग लेते हुए 2 से 30 जून तक आई.आई.टी. जोधपुर में लगभग एक माह का समय

बिताया। कार्यक्रम के अंत में इन सभी छात्रों ने एक पोस्टर प्रस्तुति में भाग लिया जिसने आई.आई.टी. जोधपुर में उनके आवास के दौरान अर्जित अधिगम का प्रदर्शन किया।

सम्मेलन और कार्यशालाएं

प्रणाली विज्ञान संबंधी कार्यशाला : जटिल नेटवर्क और प्रयोग

7–9 मई, 2012

आई.आई.टी. जोधपुर ने जटिल नेटवर्क में हाल की प्रवृर्तियों का पता लगाने और शिक्षा क्षेत्र तथा उद्योग जगत के बीच एक सेतु तैयार करने के लिए इस कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला ने विभिन्न क्षेत्रों से उदाहरणात्मक प्रयोगों के साथ क्षेत्र का विस्तृत परिचय प्रदान किया।

विचार–विमर्श के मुख्य विषय निम्नानुसार थे :

- जटिल नेटवर्क : थ्योरी और प्रयोग
- रेंडम ग्राफ और जटिल नेटवर्क
- जटिल नेटवर्क की टोपोलॉजी और डायनेमिक्स
- जटिल नेटवर्क से संबंधित विकास डायनेमिक्स
- सूचना एवं संचार नेटवर्क
- सामाजिक नेटवर्क, जैविक नेटवर्क इत्यादि

इस कार्यशाला में भारत भर से उद्योग जगत और आर एंड डी संगठनों तथा शोधकर्ताओं/शिक्षाविदों से प्रतिनिधिमंडलों ने भाग लिया। लेक्चरों, मामला अध्ययनों की प्रस्तुति तथा परस्पर सत्रों के माध्यम से भागीदारों को जटिल नेटवर्कों के उभरते हुए क्षेत्रों से अवगत कराया गया।

सौर रेडिएशन संससाधन मूल्यांकन एवं मॉडलिंग कार्यशाला

अगस्त 07 – 09, 2012

सौर उर्जा संयंत्र की वाणिज्यिक व्यवहायर्ता कई वर्षों तक दैनिक/घंटों में सौर इन्सुलेशन की सटीकता पर निर्भर करती है। इसमें सौर रेडिएशन माप तकनीकों की अच्छी जानकारी, डाटा खनन, और आंकडों एवं काल्पनिक सतर्क तकनीकों के आधार पर गणितीय मॉडल तैरयार करने की आवश्यकता होती है। यह कार्यशाला (1) सौर माप को समझने (2) डाटा सेट की गुणवतता का मूल्यांकन करने और (3) मॉडल रेडिएशन डाटा हेतु किया गया था। कार्यशाला का ध्यान माप अभियान कैसे तैयार और लागू करें, सौर माप की कई कमियों से कैसे बचें, माप समस्याओं की पहचान के लिए तकनीक, और माप स्टेशन को सर्वोत्तम संभव डाटा देने एवं सौर परियोजनाओं को तैयार करने में उपयोग के लिए रेडिएशन हेतु आकलित गणितीय मॉडल विकसित करने पर दिया गया था। इस कार्यशाला मे विचार–विमर्श किए गए विषय निम्नलिखित हैं:

- सौर रेडिएशन पहलू और पद्धति
- सौर रेडिएशन डाटा गुणवत्ता तथा परियोजनाओं में डाटा का प्रयोग
- गहन स्टेशन स्थापना और ऑपरेशन

भाग लेने वालों में श्री स्टीफन विलकोक्स, प्रो. प्रेम के. कालरा, प्रो.नीरज मिश्रा, प्रो. अमित मित्रा, प्रो. लक्ष्मीधर बेहेरा, डॉ. विवेक विजयवर्गिया शामिल थे।

जीवविज्ञान–प्रेरित प्रणाली विज्ञान संबंधी राष्ट्रीय कार्यशाला

सितम्बर 29–30, 2012

इस कार्यशाला ''जीवविज्ञान–पेरित प्रणाली विज्ञान'' का उद्‌देश्य जीवविज्ञान प्रेरित प्रणाली विज्ञान कार्यक्रम के लिए अवरस्नातक तथा स्नातकोत्तर पाठ्‌यक्रम पाठ्‌यचर्या को तैयार करने में शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं से विचार प्राप्त करना है। कार्यशालाओं में विचार–विमर्श किए गए विषय निम्नानुसार हैं –

- न्यूरोसाईंस तथा कोगनिशन
- साईकोलोजी तथा न्यूरोसाईकोलोजी
- मात्रात्मक सूचना तथा अवचेतना भौतिकी
- विज्ञान का इतिहास और दर्शन
- बायोसिग्नल प्रसंस्करण
- मशीन अधिगम तथा सतर्क प्रणाली
- डायनेमिकल प्रणाली
- श्रेणीबद्ध प्रणाली

आयोजन समिति में शामिल थे डॉ. अम्बेश दीक्षित, डॉ. अमित मिश्रा, डॉ. अंशु लूईश, डॉ. हरि नारायण, डॉ. के. जे. जार्ज, डॉ. मनीष श्रीमाली (संचालक), डॉ. मीनू छाबड़ा (संचालक), डॉ. राहुल सिंघल, डॉ. सोनम मेहरोत्रा, डॉ. सुष्मिता झा। भागीदार हैं डॉ. ए. एस. मज़ुमदार, डॉ. अरूण मूर्ति, डॉ. अरविंद माथुर, डॉ. नंदिनी पांडा, डॉ. हरीष कार्निक, डॉ. जमुना राजेश्वरन, डॉ. कर्मेशु, डॉ. नंदिनी सिंह, डॉ. निर्मलंग्शु मुर्खजी, डॉ. राजू बापी, डॉ. आर. श्रीकांत, डॉ. संगीता मेनन, डॉ. संजीव मिश्रा, डॉ. शोबिनी राव, डॉ. स्नेहा आनंद और डॉ. तनुश्री दत्ता।

कला, संस्कृति तथा विरासत संबंधी अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला

दिसम्बर 08–10, 2012

आई.आई.टी. जोधपुर आधुनिक, शोध आधारित बहुविषयक केन्द्र के विकास के प्रति वचनबद्ध है। विविध विषयों में विद्वानों को वैज्ञानिक से लेकर सुरूचिपूर्ण तक की शोध गतिविधियों के क्षेत्र में शामिल होते हैं। यह कार्यशाला फाइन आर्टस तथा प्रौद्योगिकी के बीच होने संश्लेषण का अध्ययन करने और समझने का एक प्रयास है। इस कार्यशाला का उद्‌देश्य प्रौद्योगिकीय पहलू के साथ कला, संस्कृति और विरासत के वृहत क्षेत्रों में पाठ्‌यचर्या तैयार करना है। कार्यशाला के दौरान निम्नलिखित विषयों पर विचार–विमर्श किया गया –

- वास्तुकला
- साहित्य
- संगीत

- विज़ुअल आर्टस
- परफ़ोर्मिंग आर्टस

भागीदारों में शामिल थे प्रो. डेविड रोजनबूम, डा. मातो डेलेपीन, प्रो. पल्लबी चक्रवर्ती, प्रो. जॉन इरडमन, प्रो. एस. एन. बालगंगाधर, प्रो. नीना सबनानी, प्रो. एस. स्वामीनाथन, मृदंगम मेस्ट्रो श्री टी. आर. राजामणि, प्रो. रोबेरटो स्कोपिगनो, प्रो. मारसेलो बालजानी, डॉ. एम. नंदिनी, डॉ. एम. ललिता, प्रो. वी. सनील, डॉ. शांतला हेगडे, प्रो. शुभेन्दु घोष, प्रो. किरन सेठ, डॉ. श्रीनिवासन कृष्णस्वामी, डॉ. कौमुदी पी. पाटिल, प्रो. सुनिता सिंह सेनगुप्ता। संचालन समिति में शामिल थे प्रो. प्रेम के. कालरा, डॉ. अंशु लुईस, डॉ. आनंद प्लापले, डॉ. हरि नारायणन्, डॉ. मैनाक मज़ुमदार, डॉ. राहुल सिंघल, डॉ. विभास अधिकारी, डॉ. विद्या सरवेश्वरन, डॉ. पुनीत शर्मा, डॉ. अतुल कुमार, डॉ. शनमुगनाथन रामन, डॉ. आशुतोष कुमार अलोक, डॉ. विवेक विजयवर्गिया, प्रो. के.के. दुआ, डॉ. एस. पी. तिवारी, डॉ. मनीष श्रीमाली, डॉ. सोनम मेहरोत्रा, डॉ. सुष्मिता झा, डॉ. सत्यव्रत अधिकारी, डॉ. वी.वी.एम.एस. चंद्रमौली, डॉ. गौरव हरित, डॉ. के. जे. जार्ज, डॉ. गौरीशंकर हीरेमाठ और डॉ. एस. हरिणिप्रिया।

मात्रात्मक जीवविज्ञान कार्यशाला

जनवरी 25 – 27, 2013

मात्रात्मक यांत्रिकी और जीवविज्ञान के बीच होने वाले मेलमिलाप, परिवर्तन और समेकन का साक्षी बनने और मूल्यांकन करने के लिए इस अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था। मात्रात्मक यांत्रिकी के दृष्टिकोण से जीवविज्ञान प्रणाली का विश्लेषण और विशिष्टता शोध का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। इस कार्यशाला में बेहतर निष्पादन करने वाली काल्पनिक प्रणालियों के विकास के लिए घ्राण कार्यों से संबद्ध फोटो–सिंथेसिस, मात्रात्मक टनलिंग, मात्रात्मक प्रसंस्करण तंत्र को समझने के विषयों को शामिल करने का प्रयास करता है। आई. आई.टी. जोधपुर में यह कार्यशाला शोध के इन नए क्षेत्रों में न केवल सूचना प्रदान करती है बल्कि राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर इस अंतर विषयक शोध को आरंभ करने के लिए एक मंच भी प्रदान करती है। कार्यशाला में विचार–विमर्श के मुख्य क्षेत्र निम्न थे –

- फोटो–सिंथेसिस की सक्षमता के पीछे संभावित कारण
- काल्पनिक फोटो सिंथेसिस प्रणाली और बॉयो–फयूल का उत्पादन
- जीवविज्ञान प्रणाली में मात्रात्मक यांत्रिकी तथा सामंजस्य और मात्रात्मक कम्पयूटिंग के लिए प्रयोग
- मात्रात्मक जागरूकता
- सूचना भंडारण में डीएनए की भूमिका

भागीदारों में शामिल थे प्रो. जेस्पर नोएस्टर, प्रो. एंड्रीस बुचलिटनर, प्रो. प्रमोद एस. जाओग, प्रो. प्रेम कालरा, डॉ. सत्यजीत साहू, डॉ. आशुतोष कुमार अलोक, डॉ. अतुल कुमार, डॉ. सत्यव्रत अधिकारी, डॉ. सोनम मेहरोत्रा, प्रो. जयेन्द्र एन बंधोपाध्याय, प्रो. मकिस कोलाकिस, प्रो. अकिहितो इशीजाकी, प्रो. जैक सिंसकी, प्रो. आर. श्रीकांत, प्रो. यासीर ओमार, प्रो. सुसाना हुएलगा, प्रो. रेंक वेन ग्रोडली, प्रो. कारोलीन वीसनर, प्रो. सिसिर रॉय, प्रो. अपूर्वा डी. पटेल, प्रो. के. एल. सेबास्टियन।

सभी भागीदारों ने इंजीनियरिंग, विज्ञान तथा मानविकी के विभिन्न विषयों को समेकित करने मे केन्द्र की अनन्य पहल की प्रशंसा की। विशेषज्ञों के पृष्ठपोषण के आधार पर प्रस्तावित पाठ्यचर्या में संशोधन किया गया।

कम्पयूटेशनल सामग्री डिजाइन तथा इंजीनियरिंग संबंधी अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला

फरवरी 08-10, 2013

नवीन सामग्रियों के विकास में हाल की प्रगति और उस प्रणाली में बहु–संचालनात्मकता का मौजूद होना पारंपरिक सामग्री की तुलना में नए पहलु और इंजीनियरिंग के आधार पर नवीन उपकरणों की संभावना प्रदर्शित कर सकता है। ऐसी घटनाओं के लिए पारंपरिक दृष्टिकोण सही हल के लिए समय साध्य प्रक्रिया पर निर्भर करता है। इसमें आणविक, मॉलीक्यूलर तथा क्रिस्टल स्तर पर सामग्री विशेषताओं को समझने तथा इंजीनियर करने के लिए नई मॉडलिंग पद्धति की आवश्यकता है। इस कार्यशाला का उद्देश्य बहु–आयामी मॉडलिंग के साथ नई पहल पर ध्यान केन्द्रित करना है। आमंत्रित विशेषज्ञों से मूल्यवान सुझावों का प्रयोग आई.आई.टी. जोधपुर में बहु–विषयक दृष्टिकोण के अनुसरण में संगत शैक्षिक कार्यक्रम पर विचार करने तथा उसे डिज़ाईन करने के लिए किया गया था। विचार–विमर्श के मुख्य विषय निम्नानुसार थे –

- प्रायोगों तथा सिम्युलेशन के ज़रिए सामग्री डिज़ाईन
- इलैक्ट्रानिक स्ट्रक्चर थ्योरी
- जटिल सामग्रियों की स्पेक्ट्रोस्कोपी
- थर्मोइलैक्ट्रीक
- हाईड्रोजन भंडारण
- संचालानात्मक नेनोमेटिरियल

भागीदारों में शामिल थे प्रो. इंदरनिल मन्ना, प्रो. जी. पी. दास, प्रो. शोभना नरसिंहन, प्रो. सुशील अतुलक, प्रो दिलीप जी. कन्हेरे, प्रो. अभिषेक सिंह, डॉ. विजय कुमार, प्रो. मनोज हरबोला, प्रो. प्रिया महादेवन, प्रो. इन्द्र दासगुप्ता, प्रो. चार्लस पेटरसन, डॉ. एस. पन्नला, डॉ. डेविड जे. सिंह, प्रो. जी. पी. श्रीवास्तव, प्रो. अरूण बन्सिल, प्रो. मेटिस क्लिनटेनबर्ग, प्रो. सेजी युनोकी, प्रो. हिरोशी मिजुसेकी, डॉ. सेन्ड्रो स्केनडोलो, डॉ. लूका घिरिनघेली।

नवाचार और उद्‍बोधन केन्द्र

अगस्त, 2011 में स्थापित आई.आई.टी. जोधपुर का नवाचार और उद्‍बोधन केन्द्र, आई.डी.ई.ए.एस. (उद्यमिता और उन्नति सोसायटी के लिए नवाचार गंतव्य) के नाम से उद्यमशीलता में नवाचार का संवर्धन करने के लिए सतत रूप से गति प्रदान करता है। अगले 10 वर्षों के लिए आई.डी.ई.ए.एस. ने राजस्थान की राज्य सरकार के साथ सहयोग पर हस्ताक्षर किए हैं जो इसके लिए आंशिक रूप से निधियां देने पर सहमत हो गया है।

आई.आई.टी. जोधपुर के नवाचार और उद्‍बोधन केन्द्र में उद्यमिता में नवाचार के संवर्धन के लिए सतत रूप से गति प्रदान करने का लक्ष्य है। आई.आई.टी. जोधपुर एक शैक्षिक उद्‍बोधक के रूप में बनने की परिकल्पना है और यह छात्रों को ऐसे बिजनेस विचार तैयार करने में सहायता प्रदान करता है जो हमारे समाज में प्रचलित अब तक ना उठाए गए मुद्‍दों को हल करता है। इसका उद्‍देश्य युवा प्रतिभाशाली छात्रों को एक ऐसा मंच प्रदान करना है जहाँ वे विज्ञान और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में अपने विचार रख सकते हैं और इन्हें एक मॉडल का विकास करने में सहायता हेतु उद्योग जगत के विशेषज्ञों के समक्ष रख सकते हैं। यह केन्द्र युवा मस्तिष्कों का पोषण करता है और इन्हें केन्द्रीकृत दिशा–निर्देशों और औद्योगिक विशेषज्ञों के परामर्श के जरिए विचार अर्जित करने में उनकी सहायता करता है। हम इंजीनियरिंग छात्रों और उद्योग जगत के व्यावसायिकों को मेलजोल का अवसर प्रदान करने और एक नवाचारी क्षमता समुदाय का निर्माण करने के इच्छुक हैं।

लघु अवधि पाठ्यक्रम

आई.आई.टी. जोधपुर ग्रीष्म तथा शरत अवकाश के दौरान छात्रों के लिए कई लघु अवधि पाठ्यक्रम संचालित करता है। चूंकि संस्थान में कई पृष्ठभूमियों से विजिटिंग विशेषज्ञ आते हैं इसलिए छात्र स्वयं को इन लघु अवधि पाठ्यक्रमों के माध्यम से शैक्षिक तथा शोध के विभिन्न क्षेत्रों में प्रदर्शन द्वारा ऐसे विजिटिंग और सेवारत संकाय से लाभ उठाते हैं। 2012–13 के दौरान निम्नलिखित ग्रीष्म तथा शरत लघु अवधि पाठ्यक्रम प्रदान किए गए –

ग्रीष्म पाठ्यक्रम

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	संचालक संकाय
1.	गणित-I	डॉ. किरण हीरेमाठ
2.	भौतिकी-I	डॉ. वी. नारायणन्
3.	भौतिकी –II	डॉ. वी. नारायणन्
4.	गणित –II	डॉ. किरण हीरेमाठ, डॉ. पुनीत शर्मा
5.	रसायन	डॉ. राकेश शर्मा
6.	इंजी. इकनॉमिक्स	डॉ. प्रतिभा भार्गव
7.	जीवविज्ञान से पहचान	डॉ. सुष्मिता झा, डॉ. अमित मिश्रा
8.	इंजीनियरिंग ग्राफिक्स	डॉ. पी. आर. चक्रवर्ती डॉ. बरुण प्रतिहर
9.	संभाव्यता तथा सांख्यिकी	डॉ. विवेक विजयवर्गिया डॉ. वेंकट अप्पल राजू
10.	ठोस पदार्थों की प्रोनन्त यांत्रिकी	प्रो. राकेश सक्सेना डॉ. बिमल रॉय
11.	कम्पयूटर नेटवर्क	डॉ. वेंकट रमन
12.	भौतिकी-III	डॉ. एस. बनर्जी, डॉ. आशुतोष कुमार अलोक
13.	इलैक्ट्रीकल इंजीनियरिंग से पहचान	डॉ. विवेक दीक्षित, डॉ. नीरज गुप्ता
14.	सूचना थ्योरी	डॉ. अनुपम गुप्ता
15.	डाईइलैक्ट्रीक का इलैक्ट्रीक तनाव निर्भरता व्यवहार	प्रो. रवीन्द्र अरोड़ा

16.	ऑप्टोइलैक्ट्रॉनिक्स	डॉ. महेश कुमार
17.	मात्रात्मक यांत्रिकी सिद्धांत	डॉ. पी. मणिकंदन
18.	सांख्यिकी ताप तथा फ़्लूईड फ़्लो पहचाान	डॉ. पी. आर. चक्रवर्ती
19.	जीवविज्ञान जटिल प्रणालियों की मॉडलिंग और विश्लेषण	डॉ. गणेश बागलर
20.	विज्ञान का इतिहास और दर्शन	डॉ. के. जे. जॉर्ज
21.	सौर संसाधन मूल्यांकन तथा पूर्वानुमान	डॉ. बी. रवीन्द्र
22.	नेगोसिएशन की कला और विज्ञान की पहचान	डॉ. हरिणिप्रिया
23.	तकनीकी संचार	डॉ. अंशु लूईस डॉ. विद्या सर्वेश्वरन्
24.	शोध पद्धति	डॉ. एस. बनर्जी डॉ. गणेश बागलर
25.	प्रणाली डिजाईन और समेकन प्रयोगशाला	डॉ. राहुल छिब्बर डॉ. गणेश बागलर
26.	उर्जा–जल संबंध	डॉ. आनंद कृष्णन प्लापले

शरत पाठ्यक्रम

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	संचालक संकाय
1.	तकनीकी संचार	डॉ. अंशु लुईस
2.	शोध पद्धति	डॉ. सुष्मिता झा
3.	क्लाउड कम्पयूटिंग	डॉ. अमय पी. गोखले
4.	सतत् विकास के मूल	डॉ. विटारिनो बेलपोलिटी
5.	शोर तथा कम्पन – एक व्यवहार्य दृष्टिकोण	डॉ. नील पोपेलवेल
6.	मल्टीवेरिएट डाटा विश्लेषण	डॉ. हर्ब देबान

साप्ताहित शैक्षिक संगोष्ठियां

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर विविध शैक्षिक स्थानों के बीच समूहिकरण प्राप्त करने की एक विविध परिकल्पना का पोषण करता है जिससे प्रौद्योगिकी, समाज और मानवता के बीच संबंध स्थापित हो सके। स्नातक पाठ्यक्रम की सीमित अवसंरचना से परे जाकर संस्थान में छात्रों द्वारा कई गुणा शैक्षिक विषयों की गहन समझ प्राप्त करने के साथ–साथ समग्र विकास पर सुविचार किया गया है। संस्थान 3 प्रकार की साप्ताहिक शैक्षिक

संगोष्ठी का संचालन करता रहा है। छात्रों को नवीनतम अनुसंधान, औद्योगिक तथा बिजनेस क्षेत्र में हाल ही के विकास, सामाजिक कार्य, कला और साहित्य से अवगत कराने के लिए संस्थान विभिन्न क्षेत्रों में प्रबुद्ध व्यावसायिकों और विशेषज्ञों द्वारा संगोष्ठियों का आयोजन करता है। संकाय सदस्यों और छात्रों के बीच अंतर–विषयक शोध तथा मेलजोल को बढ़ावा देने के लिए संकाय सदस्य साप्ताहिक संकाय संगोष्ठियों में उनकी अभिरूचि के अनुसंधान प्रस्तुत करते हैं और उनपर विचार–विमर्श करते हैं। साथ ही छात्रों और संकाय को अपनी सोंच और हाल की शैक्षिक गतिविधियों को प्रस्तुत करने हेतु एक मंच प्रदान करने के लिए प्रत्येक उत्कृष्टता केन्द्र में अपनी स्वयं की संगोष्ठियाँ होती हैं।

छात्रों के लिए छात्रवृत्तियॉ

आई.आई.टी. जोधपुर सामान्य तथा अन्य पिछड़ा वर्ग की श्रेणियों से संबद्ध अवर स्नातक छात्रों को योग्यता–सह–साधन (एम.सी.एम.) छात्रवृत्ति प्रदान करता है। इसमें चयन योग्यता तथा अभिभावकों की आय दोनों के आधार पर किया जाता है। 4.5 लाख रू. प्रति वर्ष से कम की आय वाले अभिभावकों के छात्र इस छात्रवृत्ति के पास होते हैं। एम.सी.एम. छात्रवृत्ति में संपूर्ण ट्यूशन फीस की छूट और 1000 रू. प्रति माह की अतिरिक्त राशि शामिल होती है।

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति श्रेणी से संबद्ध छात्रों को ट्यूशन फीस छूट के अतिरिक्त छात्रावास शुल्क से छूट (भोजनशाला और कक्ष प्रभार दोनों) तथा प्रति माह 250/–रू. का पॉकेट भत्ता दिया जाता है। शैक्षिक वर्ष 2011–12 में सामान्य/ओबीसी श्रेणी में 30 और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति श्रेणी में 8 छात्रवृत्तियां प्रदान की गई थी। साथ ही 24 निःशुल्क ट्यूशन फीश भी प्रदान की गई थी।

विदेशी भाषा प्रशिक्षण

फ्रेंच दूतावास के सहयोग से आई.आई.टी. जोधपुर प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए फ्रेंच भाषा में जीरो क्रेडिट अनिवार्य पाठ्यक्रम प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त संस्थान की अत्याधुनिक भाषा प्रयोगशाला अब छात्रों को प्रमुख विदेशी भाषाएं सीखने में सहायता प्रदान कर सकती हैं।

छात्रों के लिए इंटर्नशिप

ग्रीष्म इंटर्नशिप छात्रों को उनके विषय में अनुभव लेने का अवसर प्रदान करता है, यह निर्धारित करता है कि उनकी किस विशिष्ट कैरियर में रूची है और संबंधों का नेटवर्क स्थापित करती है। इंटर्नशिप अंतिम वर्ष से पहले

वर्ष के छात्रों के लिए पाठ्यचर्या का समेकित भाग है, जबकि सभी बी.टेक. और एम.टेक. छात्रों को उनके शैक्षिक अनुभव में वृद्धि करने हेतु इंटर्नशिप करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। जब छात्र भारत अथवा विदेश में सम्मानित संगठनों में आठ सप्ताह का ग्रीष्म प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं तो वे नए कौशल तथा प्रौद्योगिकी सीखते हैं, उन्हें थ्योरी अवरस्नातक परियोजनाओं में अपनाते हैं तथा परिवर्तन लाने और समाज की सेवा में इसका प्रयोग करते हैं। इस प्रकार, उन्हें इंटर्नशिप प्रदान करने वाली कंपनियां भी नवीन पहलुओं की उपलब्धता, नए विचारों और विशिष्ट दृढ़ता तथा आने वाले उन छात्रों की उपलब्धता से अनन्य रूप से लाभ प्राप्त करते हैं जो कंपनी के कार्यबल की क्षमता में प्रसार की प्रति आश्वस्त होते हैं।

2012–13 में हमारे कई छात्रों को विभिन्न सम्मानित कंपनियों में ग्रीष्म इंटर्नशिप तथा विदेशों में विश्वविद्यालयों में शोध परियोजनाओं में स्थान दिया गया। हमारे कुछ छात्रों को अन्य आईआईटी में भी शोध परियोजनाओं में शामिल किया गया । 2012–13 की ग्रीष्म इंटर्नशिप के ब्यौरे निम्नानुसार हैं –

रोल नं.	छात्र का नाम	संस्थान / संगठन	परियोजना शीर्षक
J09001	अभिनव दाधीच	पेनासोनिक आर एंड डी लैब्स	स्वास्थ्य देखभाल हेतु एनएफसी आधारित एनड्रायड एप्प
J09002	अभिनव पिपरोतर	एस्कोर्टस एग्री मशीनरी, फरीदाबाद	घटकों का फेटिक परीक्षण तथा इंजिन और ट्रेक्टर की लोडिंग, शोर और कम्पन के दौरान दबाव माप
UG201012001	अभिनव पंवर	हिंदुस्तान एयरोनाटिक्स लिमिटेड, बंगलौर	इंजिन घटक निर्माण प्रणाली
J09004	अभिषेक वर्मा	पेनासोनिक आर एंड डी लैब्स	स्वास्थ्य देखभाल के लिए "एन.एफ.सी. आधारित एन्ड्रायड एप्पलीकेशन" का प्रोटोटाइप विकास
J09006	अकांक्षा सरन	इकोल पोलीटेकनीक फेडरल डी लासेन, स्वीट्ज़रलैंड	फ्रुगल एफपीजीए: एक संसाधन सक्षम एफपीजीए वास्तुकला का डिजाइन और विश्लेषण
J09007	आकाश दीप	मेनीटोबा यूनिवर्सिटी	बहु टर्मिनल एचवीडीसी नियंत्रण
J09009	अक्षय हरि कुमार	टाटा जानसन कंट्रोल लि., चैन्नई	फेगमेंट कटिंग प्रक्रिया का समय विश्लेषण
J09011	अमित लोनकर	मोतीलाल ओस्वाल एसेट मेनेजमेंट, मुम्बई	बहु–एसेट क्लास पोर्टफोलियो में इष्टीकरण
J09026	अमूल्य साई, बी.	नेशनल इंस्ट्रूमेंटस, बंगलौर	स्वचालित क्लस्टर का स्वतः निरीक्षण
J09016	अंकित गुप्ता	यूनिवर्सिटी ऑफ मेनिटोबा, विनिपेग	इलैक्ट्रोस्टेटिक फोर्स माइक्रोस्कोपी का प्रयोग करते हुए नेफीऑन का बारंबारता रेसपोंस वृगीकरण
J09019	अनुरूप गांगुली	यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टर्न ओन्टारिओ, कनाड़ा	ऑफशोर 1विंड टरबाइन का डिजाइन और फैब्रिकेशन तथा इसका विंड टनल परीक्षण

J09020	आशीष असेरी	डी.आर.डी.ओ. रक्षा प्रयोगशाला, जोधपुर	वीटीके का प्रयोग करते हुए 3 डी विजुअलाइजेशन
J09022	अशोक बंजारा	गैर फेरस सामग्री प्रौद्योगिकी विकास केन्द्र, एन.एफ.टी.डी.सी. , हैदराबाद	कॉपर रोटर इंडक्शन मोटर का परीक्षण और विश्लेषण
J09027	भास्कर पुरी	पेनासोनिक आर एंड डी लैब्स	मापने योग्य वितरित जल प्रबंधन प्रणाली
J09029	बूबलान जी.	गैर फेरस सामग्री प्रौद्योगिकी विकास केन्द्र, एन.एफ.टी.डी.सी. , हैदराबाद	कापर रोटर इंडक्शन मोटर का परीक्षण और विश्लेषण
J09034	गौरव कुमार	एस्कोर्टस एग्री मशीनरी, ज्ञान प्रबंधन केन्द्र, फरीदाबाद	घटकों का फेटिक परीक्षण तथा इंजिन और ट्रेक्टर की लोडिंग, शोर और कम्पन के दौरान दबाव माप
J09035	गौरव सिवाच	नारा प्रौद्योगिकी संस्थान, जापान	अनुकूल रोबोटिक कलोथिंग सहायता
J09036	गौतम बजाज	हाई–टेक रोबोटिक्स सिस्टम लि.	आरओ का प्रयोग करते हुए स्वायत नेविगेशन
J09038	गोविंद अग्रवाल	नारा प्रौद्योगिकी संस्थान, जापान	मानव स्थिति का पता लगाना
J09040	गुंडरे वैभव प्रह्लाद	प्रौन्नत प्रणाली प्रयोगशाला, डी. आर.डी.ओ., हैदराबाद	डिफयूजर खंड का थर्मल विश्लेषण
UG201012017	हेमंत वर्मा	आईआईटी रूढ़की	सिंगल फेज एसपीडब्लयूएम इंवर्टर का डिजाइन और विकास
J09043	जतिन गोयल	फिएट इंडिया लि.	लीन निर्माण प्रणाली और उत्पादन लाइन का विश्लेषण
J09044	जतिन रस्तोगी	पेनासोनिक आर एंड डी लैब्स	जल वृगीकरण का प्रदर्शन प्रोटोटाइप
J09053	कुणाल चेलानी	यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलम्बिया, वेनकूवर	डीसी स्मार्ट ग्रिड में हार्मोनिक्स का विश्लेषण
J09054	लखन सिंह जाटव	थर्मेक्स, पूना	सौर पैराबोलिक थ्रो की सामान्यीकृत सौर खोज प्रणाली
J09057	मनीष कुमार जैन	नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ आयरलैंड, मेनूथ	802.11 प्रोटोकोल के लिए ऑप्टीमल कंटेंशन विंडो
UG201011012	मनु अग्रवाल	आई.आई.टी. दिल्ली	(सी,ई) अनुमान स्थिरता को संतुष्ट करने वाले आंकडों की कलस्टरिंग
J09061	मोहम्मद अक़ीबुद्दीन अहमद	गैर फेरस सामग्री प्रौद्योगिकी विकास केन्द्र, एन.एफ.टी.डी.सी. , हैदराबाद	तीन चरण इंडक्शन मोटर की परीक्षण, मॉडलिंग और विश्लेषण
J09065	निकिता चोपड़ा	यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टर्न आन्आरिओ, लंदन	लंग ब्राचीथेरेपी के लिए एलगोरिथिम विकास
J09069	प्रफुल गुप्ता	आई.आई.टी. बॉम्बे	अल्ट्रा–लो आपूर्ति वोल्टेज के लिए बैंडगैप वोल्टेज संदर्भ का डिजाइन
J09070	प्रणय बालार	पोंटीफलेक्स इंडिया प्रा. लि. बंगलौर	साइन–अप एड परियोजना का कान्फीगुरेशन सर्विस
J09073	प्रशांत शुक्ला	गैर फेरस सामग्री प्रौद्योगिकी विकास केन्द्र, एन.एफ.टी.डी.सी.	टंगस्टन मोनो–ब्लॉकस के संबंध में उच्च ताप फलक्स हस्तांतरण का

		, हैदराबाद	विश्लेषण
J09074	प्रतेश झारी	पेनासोनिक आर एंड डी लैब्स	भू वायु ताप एक्सचेंजर के लिए विंड केचर का सक्षमता विश्लेषण
J09097	प्रेम राज	यूनिवर्सिटी ऑफ केलिफोरनिया, मरसीड	एचएवीएसी के स्वचालन के लिए एम्बेडिड प्रणाली का विकास
UG20101 1019	प्रिंस गुप्ता	इलैक्ट्रानिक्स फार यू, नई दिल्ली	एमसीयू का प्रयोग करते हुए एंगल डिस्पले के साथ अल्प–लागत एवीआर विकास बोर्ड सन–ट्रैकर का डिजाइन तैयार करना
UG20101 1023	रजत जैन	उत्तरी केन्द्रीय रेलवे, आगरा	
J09062	रजनी यादव	यूनिवर्सिटी ऑफ अल्सटर	टिनिटस निरस्तीकरण एल्गोरिथम
J09089	रामेश्वर प्रसाद मेघवाल	गैर फेरस सामग्री प्रौद्योगिकी विकास केन्द्र, एन.एफ.टी.डी.सी. , हैदराबाद	विशेषज्ञ प्रणाली दृष्टिकोण का प्रयोग करते हुए एनएफटीडीसी के कर्मचारियों की दैनिक गतिविधि खोज प्रणाली
UG20101 0007	रवि किरन गोडुगु	काल्पनिक सतर्कता एवं रोबोटिक्स केन्द्र, डी.आर.डी.ओ. , बंगलौर	स्पाशिओ टेम्पोरल डाटामाइनिंग
J09025	रिषी कल्याण अय्यर	मोतीलाल ओसवाल एसेट मेनेजमेंट, मुम्बई	ऑप्टीमाइज़्ड पोर्टफोलिओ सृजन
UG20101 1027	रिषी कुमार	पत्रातु थर्मल पावन प्लांट, रामगढ़, झारखंड	पावर जरनेशन तकनीक
J09084	रूची तोशनीवाल	न्यूक्लियस साफ्टवेयर, नोएडा	डाटा डी–डुपलीकेशन साफ्टवेयर
UG20101 2032	सचिन गुप्ता	आईसर इंजिनस, अलवर	टूल इंवेंटरी में कमी
J09088	सत्येश झा	पेनासोनिक आर एंड लैबस	भू–वायु ताप एक्सचेंजर के लिए विंडकेचर्स का सक्षमता विश्लेषण
UG20101 1031	सौरभ संतोष	बोकारो थर्मल पावर प्लांट, बोकारो	पावर जनरेशन प्रशिक्षण
J09092	शशांक कुमार	आई.आई.टी. बॉम्बे	खुले स्रोत साफ्टवेयर जेएसबीसिम का प्रयोग करते हुए माइक्रो एरियल वाहन, एमएवी के लिए लूप एचआईएलएस साइमुलेटर में हार्डवेयर का डिजाइन और क्रियान्वयन
UG20101 2038	स्नेहलता जोशी	आई.आई.टी. बॉम्बे	बब्बल आकार माप
J09097	सुरेन्द्र चौधरी	गैर फेरस सामग्री प्रौद्योगिकी विकास केन्द्र, एनएफटीडीसी, हैदराबाद	अपशिष्ट ताप का प्रयोग करते हुए हाइड्रोजन स्टोरेज और सोर्पशन प्रशीतन
J09099	सुशांत गौरव	नारा प्रौद्योगिकी संस्थान, जापान	लोगों का सामूहीकरण और उनके लक्षणों को जानना
J09100	सैयद फ़ैजुल हई	नेशनल इंस्ट्रूमेंटस, बंगलौर	क्रोमाटीसिटी डायाग्राम तैयार करने और एक्सवाईवाई कलर स्पेस के लिए लैबव्यू 6 तैयार किया–ग्रीष्म इंटर्न
UG20101 2039	तन्मय सेठी	उर्जा एवं संसाधन संस्थान, नई दिल्ली	सौर बायोमास हाइब्रिड कूलिंग सह पावर जनरेशन

J09102	तोकला साई तेजा	न्यूक्लियस साफ्टवेयर, नोएडा	डाटा डिडुप्लीकेशन
UG2010 10005	त्रिवक्रम चौधरी	काल्पनिक सतर्कता एवं रोबोटिक्स केन्द्र डी.आर.डी.ओ., बंगलौर	स्वाशिओ–टेम्पोरल डाटा माइनिंग
J09104	वैभव जैन	नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ आयरलैंड, मेनूथ	वायरलैस नेटवर्क में केपचर इफेक्ट को मापना
UG2010 12041	वासु गोएंका	टाटा मोटर्स लिमिटेड	व्हील एलाइनमेंट
J09016	विनय कुमार	यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफ़ोर्निया, मरसीड	
UG2010 10038	विनीत वेमना	काल्पनिक सतर्कता एवं रोबोटिक्स केन्द्र डी.आर.डी.ओ., बंगलौर	स्वाशिओ–टेम्पोरल डाटा माइनिंग
UG2010 11044	विवेक दुबे	न्यूक्लियर पावर कोरपोरेशन ऑफ इंडिया, रावतभाटा, राजस्थान	इन–प्लांट प्रशिक्षण
J09107	विवेक शर्मा	इंनोवेशन लैबस टी.सी.एस., गुड़गांव	इमेज प्रोसेसिंग का प्रयोग करते हुए भीड़ आकार अनुमान
J09109	जुबीन सोरती	पोंटीफलेक्स इंडिया लि. बंगलौर	सहायता मॉडयूल का विकास

सुविधाएं

- वर्तमान परिसर
    - शैक्षिक परिसर
    - आवासीय परिसर
- स्थायी परिसर
- कम्पयूटर केन्द्र
- पुस्तकालय
- प्रयोगशाला
- स्वास्थ्य केन्द्र
- खेल सुविधाएं
- अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति तथा ओबीसी सेल
- हिन्दी प्रकोष्ठ
- ऑफिस ऑटोमेशन

वर्तमान परिसर

वर्तमान में संस्थान जोधपुर, राजस्थान के रातानाड़ा में अस्थायी परिसर में कार्य कर रहा है। इस परिसर में तीन ब्लॉक हैं, नामत – प्रशासनिक ब्लॉक, शैक्षिक ब्लॉक–I, शैक्षिक ब्लॉक–II. शैक्षिक ब्लॉक–I में सभी बड़ी प्रयोगशालाएं, कंप्यूटर केन्द्र और केन्द्रीय पुस्तकालय स्थित हैं, शैक्षिक ब्लॉक –II में व्याख्यान कक्ष, प्रशिक्षण कक्ष, भाषा प्रयोगशाला और पी.एच.डी. केबिन हैं। परिसर में मेस सुविधा भी है। संस्थान ने प्रभावी कार्यकरण के लिए आवश्यक सभी सुविधाएं जुटा ली हैं और वह आगे और विकास की प्रक्रिया में है।

आवासीय क्षेत्र

आई.आई.टी. जोधपुर का आवासीय क्षेत्र जोधपुर शहर के बाहरी ओर नए पाली रोड़ पर स्थित है। यह क्षेत्र कई छात्रावासों, निदेशेक, संकाय और स्टाफ के आवासीय अपार्टमेंटों, वी.वी.आई.पी. मेहमान गृह, विजीटर छात्रावास इत्यादि में बंटा हुआ है। हर समय सुरक्षा सेवाएं इस आवासीय क्षेत्र को सुरक्षित रखती हैं। यहां एक पूर्णतया सुसज्जित स्वास्थ्य केन्द्र भी है। इसके अतिरिक्त, छात्र इस क्षेत्र में इंडोर तथा आउटडोर दोनों के लिए सुविधाओं का लाभ उठाते हैं।

आवासीय क्षेत्र में एक कम्प्यूटर केन्द्र है और सभी छात्रावासों में वाई–फाई इन्टरनेट सुविधा है और यहाँ एक पुस्तकालय, टेलीविज़न कक्ष और कई कार्यक्रमों के आयोजन के लिए छात्र गतिविधि केन्द्र है। इसके अतिरिक्त आवासीय परिसर में छात्रों द्वारा चलाए जा रहे कई क्लब भी मौजूद हैं जो छात्रों की रचनात्मकता का पोषण करते हैं और कई उत्सवों का आयोजन करते हैं। साथ ही, आई.आई.टी. जोधपुर की दो छात्र मेस में से एक यहां है (दूसरी शैक्षिक क्षेत्र में है)। यह मेस काफ़ी वहनीय कीमतों पर अच्छी गुणवत्ता वाला भोजन प्रदान करती है। स्वच्छता और पोषण मूल्य सुनिश्चित करने के लिए मेस के वार्डनों द्वारा नियमित मॉनिटरिंग की जाती है।

आवासीय परिसर में एक पूर्णतया सुसज्जित विजिटर छात्रावास है जो संस्थान के सभी मेहमानों, अभिभावकों और छात्रों के अभिभावकों तथा नए नियुक्त संकाय सदस्यों के लिए खानपान और आवास सुविधाएं प्रदान करता है। सभी कक्ष वातानुकूलित हैं। आवासीय क्षेत्र में ए.टी.एम. काउंटर के साथ भारतीय स्टेट बैंक की एक शाखा है। संस्थान में छात्रों, संकाय और स्टाफ के लिए अनन्य रूप से नियमित अंतराल पर आवासीय और शैक्षिक क्षेत्रों के बीच चलने वाली एक बस सेवा है। साथी छात्रों की विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए दुकानें, दो जनरल स्टोर, एक चिकित्सा स्टोर, स्टेशनरी और एक मोबाइल फोन सामान स्टोर आवासीय क्षेत्र के सामने मौजूद है।

स्थायी परिसर

कुछ ही वर्षों में, संस्थान जोधपुर में नागौर के निकट अपने स्वयं के आवासीय परिसर में कार्य करना शुरू कर देगा। सरकार ने संस्थान को 872 एकड़ भूमि हस्तांतरित कर दी है और चारदीवारी का निर्माण कार्य तथा 32 के.वी. इलैक्ट्रीक सब–स्टेशन का कार्य पूरा हो गया है। संस्थान के लिए एक शहरी वन्य मॉडल के डिजाइन और विकास के लिए एरिड वन अनुसंधान संस्थान के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। संस्थान ने कैम्पस मास्टर प्लानर का चयन सफलतापूर्वक पूरा कर लिय है। यह परिकल्पना की गयी है कि आई.आई.टी. जोधपुर का नया परिसर एक इको विलेज, एक कला और सांस्कृतिक केन्द्र और एक अंतर्राष्ट्रीय अंतर–सांस्कृतिक गतिविधि केन्द्र जैसे केन्द्र जिनमें से सभी इसके समुदाय के समग्र विकास में सहयोग करेंगे, के साथ एक बहु–सांस्कृतिक वातवरण तैयार करते हुए शैक्षिक उत्कृष्टता के प्रतीक के रूप में कार्य करेगा।

कम्प्यूटर केन्द्र

संस्थान के पास एक सुसज्जित कम्प्यूटर केन्द्र है जो वर्तमान में 1 जी.बी.पी.एस. इंटरनेट बैंडविड्थ के साथ एक गीगाबाइट लोकल एरिया नेटवर्क पर चल रहा है। यह छात्रों और स्टाफ की सभी कम्प्यूटर सुविधाओं का केन्द्र है। इसमें विंदोज तथा जीएनयू/लायनक्स ऑपरेटिंग सिस्टमों पर संचालित अनेक टर्मिनल हैं। कम्प्यूटर केन्द्र मैटलैब, मैथेमैटिका, केडेन्स, मेंटर ग्राफिक, एनासिस, पीएस सीएडी, सोल्डिवर्क इत्यादि जैसे विभिन्न अनुज्ञप्त सॉफ्टवेयर उपलब्ध कराता है। शैक्षिक तथा आवासीय क्षेत्र 802.11/बीजी/एन वाई–फाई इनेबल्ड है और कम्प्यूटर केन्द्र में वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए एक उच्च निष्पादन कम्प्यूटिंग संकुल उपलब्ध है।

कम्पयूटिंग सुविधाएं

- सर्वर ई7-8837 प्रोसेसर 128 जीबी रेम के साथ 4*10 कोर(फुजीटसु आरX600 S6) – 4
- वर्कस्टेशन ई5-2640 64 जीबी रेम के साथ प्रोसेसर 2*6 कोर (फुजीटसु सेल्सियस आर 920) – 2
- एमएसी प्रो 21'' डेस्कटूप–1
- प्रिंटर (एचपी लेजरजेट 9040 डीएन) – 1

आनलाईन सेवाएं (ऑटोमेशन)

- पी.एच.डी तथा एम.टेक. प्रवेश
- पारगमन छात्रावास बुंकिंग
- संकाय अवकाश
- छात्र अवकाश
- छात्र बोनाफॉईड
- वाहन बुकिंग
- केन्द्रीकृत प्रमाणन सर्वर (एलडीएपी)

नेटवर्क सुविधाएं

- गीगाबाईट नेटवर्क स्विच (सिसको 2960-एस) – 6
- इंटरनेट पहुंच प्रमाणन

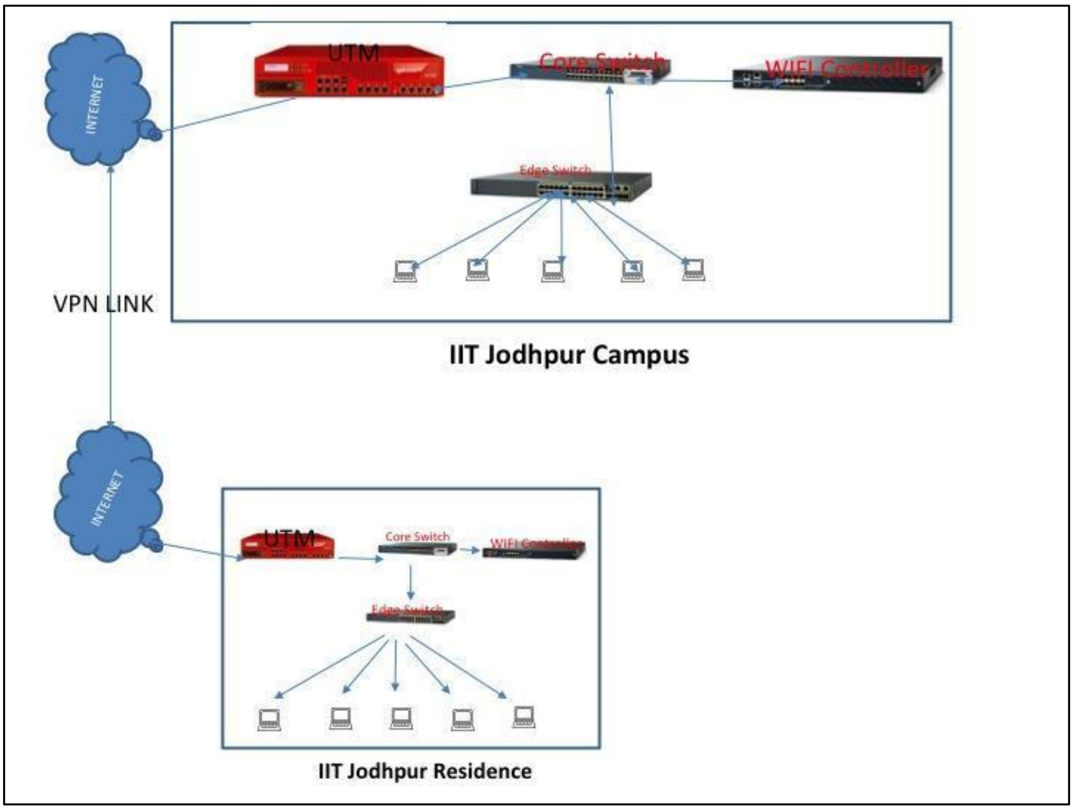

पुस्तकालय

पुस्तकालय ज्ञान संसाधनों के अर्जन, संगठन और प्रसार को सुकर बनाकर संस्थान की सभी शिक्षण और शोध गतिविधियों की सहायता करता है और आई.आई.टी. जोधपुर के समुदाय को पुस्तकालय तथा सूचना सेवाएं प्रदान करता है। यह कमरा सं0–1001 और 1011 में भूतल, आईआईटी. जोधपुर के शैक्षिक ब्लॉक–। में स्थित है। यह पुस्तकालय संस्थान की पुस्तकालय समिति के निर्देशों के अंतर्गत काम करता है। पुस्तकालय पूर्णतया कम्प्यूटरीकृत है। शैक्षिक तथा आवासीय दोनों परिसरों में ऑनलाईन केटलॉग और संसाधनों तक पहुंच उपलब्ध है।

पुस्तकालय संग्रह

पंस्तकें : पुस्तकालय में तेजी से बढ़ने वाला 10000(लगभग) से अधिक पुस्तक वॉल्युम है। इसमें पाठ्यपुस्तकें, संदर्भ तथा शोध सामग्री शामिल हैं।

पुस्तकों की संख्या		
संग्रह	***2012-13*** में जोड़ी गई	कुल संग्रह (***31*** मार्च, ***2013*** के अनुसार)
केन्द्रीय पुस्तकालय	1561	7975
पुस्तक बैंक	205	1986
जीपीआरए पुस्तकालय	360	520
2012–13 के दौरान जोड़ी गई पुस्तकों की कुल संख्या	2126	

जरनल डाटाबेसः पुस्तकालय बड़ी संख्या में विभिन्न स्रोतों से विद्वत जरनल/डाटाबेस मंगवाता है जैसा कि इस दस्तावेज में डिजिटल पुस्तकालय खंड में दिया गया है। इन संसाधनों के अधिक ब्यौरे पुस्तकालय की वेबसाईट पर उपलब्ध हैं। पुस्तकालय कुछ लोकप्रिय मैगज़ीन तथा दैनिक भी मंगवाता है।

सेवाएं तथा सुविधाएं

सदस्य सेवाएं : पुस्तकालय आई.आई.टी. जोधपुर के सभी पंजीकृत छात्रों, संकाय, स्टाफ सदस्यों को सुविधाएं तथा सेवाएं प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, पुस्तकालय आई.आई.टी. जोधपुर के विज़िटिंग संकाय को भी सेवाएं तथा सुविधाएं प्रदान करता है। पठन सामग्री खोजने में सहायता, नए उपभोकताओं का उन्मुखीकरण भी पुस्तकालय के स्टाफ द्वारा किया जाता है।

परिचालन सेवाएं : पुस्तकालय द्वारा प्रदान की जाने वाली एक प्रमुख सेवा उपभोक्ताओं में पुस्तकों तथा अन्य पठन सामग्री का परिचालन करना है। आई.आई.टी. जोधपुर के सभी संकाय, छात्र तथा स्टाफ पुस्तकालय से पठन सामग्री उधार लेने के पात्र हैं।

संदर्भ तथा सूचना सेवा : पुस्तकालय में कई संदर्भ पुस्तकें हैं तथा इलैक्ट्रानिक स्वरूप में सूचना संसाधनों तक पहुंच भी मौजूद है। पुस्तकालय के कर्मचारी संदर्भ सामग्री के साथ दिशानिर्देश और सहायता तथा संबंधित प्रश्नों के उत्तर के लिए उपलब्ध रहते हैं।

अंतर पुस्तकालय ऋण और दस्तावेज डिलीवरी सेवा : पुस्तकालय उन पुस्तकों तथा विद्वत लेखों को भारत में अन्य पुस्तकालयों से उधार लेने का प्रबंध करता है जो पुस्तकालय में उपलब्ध नहीं होते हैं।

आरक्षित पाठ्यक्रम : भिन्न पाठ्यक्रमों के लिए संकाय द्वारा सिफ़ारिश की जाने वाली पाठ्यपुस्तकें आरक्षित पाठ्यक्रम खंड में उपलब्ध हैं। ये पुस्तकें पहचान पत्र पर पुस्तकालय परिसर में परामर्श के लिए उपलब्ध होती है। तथापि, इन्हें आई.आई.टी. जोधपुर में परीक्षा की अवधि के दौरान रात्रि के लिए जारी किया जाता है।

चालू जागरूकता सेवा : नई पुस्तकों तथा जरनलों के आने से संबंधित सूचना पुस्तकालय की वेबसाईट पर उपलब्ध करवाई जाती है तथा आवधिक रूप से भेजे जाने वाले एक ईमेल समाचार पत्र द्वारा दी जाती हैं।

पुस्तक बैंक सुविधा : पुस्तकालय में भारत सरकार के नियमों के अनुसार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति से संबद्ध छात्रों के लिए पाठ्यपुस्तकों का विशेष संग्रह है। उन्हें छात्रों को जारी किया जाता है, जो पुस्तक बैंक छात्र स्वयंसेवकों द्वारा घोषित अनुसूची के अनुसार आवेदन कर सकते हैं।

ऑनलाईन केटालॉग : पुस्तकालय के कार्य पूर्णतया कम्पयूटरीकृत हैं। ऑनलाईन केटालॉग को शैक्षिक तथा आवासीय दोनों परिसरों से देखा जा सकता है। इसे http://172.16.100.55:8081/newgelibctxt पर देखा जा सकता है। यही सॉफट्वेयर संस्थान के भंडार के रूप में भी कार्य करता है।

पुस्तकालय वेबसाईट : पुस्तकालय की वेबसाईट (http://library.iitj.ac.in/) उन सेवाओं तथा सुविधाओं के बारे में सूचना प्रदान करती है जिसे प्राप्त किया जा सकता है तथा यह अंशदान और खुली पहुंच सहित इलैक्ट्रानिक संसाधनों की श्रेणी के द्वार के रूप में भी कार्य करती है। पुस्तकालय हेतु सिफारिश की गई पुस्तकों तथा जरनलों के लिए इंडेंट फॉर्म पुस्तकालय की वेबसाईट पर उपलब्ध हैं।

डिजिटल पुस्तकालय सुविधा : कमरा संख्या 1011 में पुस्तकालय विस्तार विभिन्न शैक्षिक संसाधनों अर्थात जरनल, डाटाबेस इत्यादि के लिए कम्पयूटर टर्मिनल सुविधा पहुंच के साथ डिजिटल पुस्तकालय के रूप में कार्य करता है। आई.आई.टी. जोधपुर द्वारा लाइसेंस किए गए कुछ प्रमुख इलैक्ट्रानिक संसाधन हैं:–

जरनल संसाधन :

- ए.सी.एम. डिजिटल पुस्तकालय
- अमरीकी रसायनिक सोसायटी
- अमरीकी भौतिकी संस्थान
- अमरीकी भौतिकी सोसायटी
- वार्षिक समीक्षा
- ए.एस.एम.ई. डिजिटल पुस्तकालय
- एल्सीवियर साइन्स डायरेक्ट
- आई.ई.एल. ऑनलाईन
- आई.मेक.ई.
- भौतिकी संस्थान
- नेचर प्रकाशन समूह
- ऑप्टीकल सोसायटी ऑफ अमेरिका
- रॉयल सोसायटी ऑफ केमेस्ट्री
- राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी की कार्रवाई (अमेरीकी संयुक्त राष्ट्र)
- प्राजेक्ट म्यूज़
- साइन्स ऑनलाईन

- उद्योग तथा अनुप्रयुक्त गणित सोसायटी (एस.आई.ए.एम्.)
- स्प्रिंगर लिंक
- टेलर एंड फ्रांसिस
- वाइले ऑनलाईन पुस्तकालय
- कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय प्रेस, बेगेल हाउस, रिंटन प्रेस, एस.ए.ई., मेनचेस्टर विश्वविद्यालय प्रेस इत्यादि।

पूर्ण उद्दरण डाटाबेसः
- जे.स्टोर.
- एब्स्को अकादमिक खोज
- एब्स्को इकोनलिट

साइनटोमेट्रीक डाटाबेस**:**
- मेथसाईनेट
- स्कोपस
- साईफ़ाईन्डर स्कोलर

पुस्तकालय नेटवर्कः आई.आई.टी. जोधपुर पुस्तकालय व्यावसायिक पुस्तकालय नेटवर्कों का सदस्य है जैसे कि भाारतीय राष्ट्रीय डिजिटल इंजीनियरिंग, विज्ञाान तथा प्रौद्योगिकी पुस्तकालय (इंडेस्ट), सूचना तथा पुस्तकालय नेटवर्क (इन्फलिबनेट), तथा पुस्तकालय नेटवर्क विकास (डेलनेट)। सदस्य के रूप में पुस्तकालय जरनल संसाधनों के अंशदान तथा अंतर पुस्तकालय ऋण और संसाधन साझा करने के रूप में लाभ उठाता है।

प्रयोगशालाएँ

आरंभ से ही आई.आई.टी. जोधपुर शिक्षण और अनुसंधान का गहन संश्लेषण करने के लिए प्रयासरत है। यह भावना संस्थान द्वारा अब तक स्थापित प्रयोगशालाओं की विविधता और क्षेत्र स्पष्ट करती है। संस्थान ने अब अनेक आधुनिकतम प्रयोगशालाएं और अनुसंधान केन्द्र स्थापित कर लिए हैं जो छात्रों को सीमित शैक्षिक सरोकारों से ऊपर उठा कर वैज्ञानिक परिदृश्य की कौतूहलपूर्ण दुनिया में ले जाएंगे। ये प्रयोगशालाएं और अनुसंधान केन्द्र सुप्रशिक्षित संकाय और छात्रों को मौजूदा प्रौद्योगिकियों को उनकी दक्षता, सृजनशीलता तथा कल्पना से संपूरित करके बेहतर भविष्य के लिए प्रयोग में लाते हैं। इस बहुप्रतीक्षित लक्ष्य की प्राप्ति के लिए आई.आई.टी. जोधपुर ने दुनिया भर में अनेक अग्रणी शैक्षिक एवं शोध संस्थान के साथ सहयोग हेतु पहले ही करार कर लिए हैं।

प्रौन्नत विनिर्माण प्रयोगशाला

सीएडी प्रयोगशाला

संस्थान की सीएडी प्रयोगशाला 2डी और 3डी डिजाइन और अनालिसिस साफ्टवेयर पर कार्य करने के लिए अवर स्नातक और शोध छात्रों के लिए सुविधाएं मुहैय्या कराती है। सीएडी प्रयोगशाला में उपलब्ध निम्नलिखित 3डी मॉडलिंग साफ्टवेयर और एफई अनालिलिस साफ्टवेयर हैं :

- सीएटीआईए
- सॉलिड वर्क्स
- एएनएसवाईएस

सीएएम प्रयोगशाला

सीएएम प्रयोगशाला में अवर स्नातक छात्र नियंत्रण मशीन उपकरणों में और संबंधित मशीनरी में कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग और साफ्टवेयर की सहायता से विनिर्माण कार्य सीखते है।। वस्तु का सीएडी मॉडल 3डी मॉडलिंग साफ्टवेयर में तैयार किया जाता हैं। फिर इसका एफई विश्लेषण साफ्टवेयर की सहायता से किया जाता है और बाद में सीएनसी प्रोग्रामिंग मशीनों के उपयोग द्वारा निर्माण किया जाता है। सीएनसी मशीनें सामग्री का अधिकतम उपयोग करते हुए और ऊर्जा की खपत और लागत को कम करते हुए तेजी से उत्पादन करने में सहायता प्रदान करती है। संस्थान की सीएएम प्रयोगशाला में निम्नलिखित मशीनें मौजूद हैं :

- ईएमसीओ कॉनसेप्ट मिल 250
- ईएमसीओ कॉनसेप्ट मिल 105
- ईएमसीओ कॉनसेप्ट मिल 105

इसके अतिरिक्त, सीएडी/सीएएम लैब के लिए स्ट्राटसिस इंक, यूएसए से फ्यूजड डिपोजिशन मॉडलिंग के आधार पर एक रेपिड प्रोटोटाइप मशीन प्राप्त की गयी थी। यह कई सीएडी तैयार कार्यक्रमों से उत्पन्न एसटीएल फाइलों के साथ लगातार कार्य करती है। सभी इंजीनियरिंग शाखाओं के प्रथम वर्षीय छात्रों को तैयार उत्पाद की एसटीएल फाइलें बनाने के बारे में सिखाया गया है जैसे कि एबीएस सामग्री में विजुअलाइजेशन और डिजाइन संचार के उद्देश्य से 3डी मॉडल मुद्रित किया जा सकता है। अगले वित्तीय वर्ष से इस प्रौद्योगिकी उपयोग करते हुए बाह्य–औद्योगिकी भागीदारों के लिए कार्यशालाएं और प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करने का प्रस्ताव है।

केन्द्रीय कार्यशाला

केन्द्रीय कार्यशाला कच्चे माल को परिष्कृत उत्पाद में परिवर्तित करने के लिए छात्रों को प्रशिक्षित करने के लिए छात्रों को प्रशिक्षित करने की सुविधा है। केन्द्रीय प्रयोगशाला में विद्यार्थी धातु काटना, धातु तैयार करना, धातु

ढलाई और धातु जोड़ना जैसे निर्माण की विभिन्न प्रक्रियाओं के बारे में सीखते हैं। यह कार्यशाला भिन्न–भिन्न प्रकार की वैल्डिंग मशीनों से सुसज्जित है जो विद्यार्थियों को मूलभूत वैल्डिंग प्रक्रियाओं और इन सुविधाओं को शैक्षिक उद्देश्य से संयोजन कार्यों को सीखने में सहायता प्रदान करती है।

केन्द्रीय प्रयोगशाला में निम्नलिखित मशीनें और उपकरण उपलब्ध हैं:

1. वैल्डिंग धूम्रकर्षण ड्राफ्ट टेबल
2. बहु–प्रक्रिया वैल्डिंग उपकरण
3. चल–एकल फेज एमआईजी/एमएजी
4. एस/डीसी वैल्डिंग उपकरण
5. एमआईजी/एमएजी वैल्डिंग उपकरण
6. ट्रीडल संचालित शियरिंग मशीन
7. हस्तसंचालित फोल्डिंग मशीन
8. कैजन मफल फर्नेस
9. हस्तचालित जीनी अथवा बेरिंग मशीन
10. मोटरचालित सर्कल कटिंग मशीन
11. हस्तचालित सर्कल कटिंग मशीन
12. हाइड्रोलिक शियरिंग मशीन
13. चल हीटिंग प्लांट
14. चल हार्डनिंग प्लांट
15. फोर्जिंग हीटिंग प्लांट
16. एल्यूमीनियम मेल्टिंग प्लांट
17. फिटिंग टेबल
18. मोल्ड बनाने की सुविधा
19. चल उपकरण ग्राइंडर

बायोविज्ञान और न्यूरोविज्ञान प्रयोगशाला

प्रौन्नत बायोविज्ञान एवं न्यूरोविज्ञान प्रयोगशाला जीवविज्ञान प्रेरित प्रणाली विज्ञान (बी.आई.एस.एस.) उत्कृष्टता केन्द्र का एक भाग है। इस प्रयोगशाला का उद्देश्य न्यूरोविज्ञान में अवर स्नातक तथा स्नातकोत्तर शिक्षण एवं शोध के लिए सेलूलर और मॉलीक्यूलर निरीक्षण उपकरण प्रदान करना है। हम ज्वलन तथा मरम्मत के लिए मॉलीक्यूलर एवं सेलूलर संबंधों में मॉलीक्यूलर तंत्र को हटाने हेतु जीवविज्ञान, जीव रसायन तथा माइक्रोस्कोपी दृष्टिकोण के साथ प्रकोष्ठ के संस्कृति अध्ययन का प्रयोग करते हैं। ज्वलन अभिज्ञातज, मस्तिष्क चोट, कैंसर, बहु उत्तक–दृढ़न, स्ट्रोक, अस्थमा, पार्किन्सन रोग और अल्जेमर रोग सहित कई रोगों का प्रमुख घटक है। ज्वलन को इनेट इम्यून सेल के संचय और प्रचुरोद्भवन द्वारा वृगीकृत किया जाता है। इसके पश्चात मॉलीक्यूलर माध्यम के विस्तार जिसे साइटोकिन्स और कीमोकिन्स कहा जाता है, जिससे इम्यून सेल का स्थानांतरण एवं प्रचुरोद्भव हो जाता है तथा सेल मृत भी हो सकती है, के साथ मृत सेल और सेलूलर कचरा साफ होता है। संभावित रोगोपचार लक्ष्य की पहचान के लिए उस तंत्र को समझना आवश्यक है जिससे ज्वलन होता है तथा इस प्रक्रिया मे मॉलीक्यूलर माध्यम शामिल होते हैं।

बायोमॉलीक्यूलर सूचना प्रसंस्करण प्रयोगशाला

यह प्रयोगशाला विभिन्न प्रकार के बायोमॉलीक्यूलस तथा संबद्ध सिंथेटिक मॉलीक्यूल्स द्वारा सूचना प्रसंस्करण को समझने में रत है। प्रकिया में पहले एकल मॉलीक्यूल का प्रयोग करना और तत्पश्चात दी गई सतह पर मॉलीक्यूल के समूह का प्रयोग करना शामिल है। किसी बाह्य उत्तक में मॉलीक्यूलस के बीच परस्पर संबंध हमें उनके बीच संचार को समझने में सहायता करेगा।

रासायनिक जीव–विज्ञान प्रयोगशाला

यह प्रयोगशाला कैंसर एवं अन्य स्नायु–घातक बीमारियों के पैथोजीनेसिस का पता लगाने के लिए सेलुलर और मॉलीक्यूलर जैवरासायनिक उपागम का प्रयोग करता है। न्यूरोनल डैथ में रूचि के चलते, इस बात में कोई आश्चर्य नहीं कि यह प्रयोगशाला दल ई3 यूबीक्यूटिन लिगेसीस में दिलचस्पी रखता है जो न्यूरोनल सर्वाइवल में गुणवत्ता नियंत्रण घटनाओं के लिए विशेष रूप से आवश्यक है। प्रोटीन यूबीक्यूटिलेशन अत्यधिक वर्सेटाइल और क्रमबद्ध होता है और कोशिका शरीर विज्ञान के अगणित पहलुओं को विनियमित करने वाली मल्टी स्टैप पोस्ट ट्रांसलेशनल मोडिफिकेशन एंजाइमेटिक प्रक्रिया है। हमारी टीम यह स्पष्ट करने के लिए एक प्यूटेटिव ई3 यूबीक्यूटिन लिगेसी, ई6–एपी (ई6–एसोशिएटड प्रोटीन), की भूमिका का अध्ययन कर रही है कि ई6–एपी पॉलीग्लूटेमिन रोगों में मुख्य गुणवत्ता नियंत्रण ई3 यूबीक्यूटिन लिगेसी के रूप में कार्य करता है। मॉलीक्यूलर मैकेनिज्म, जिससे ये ई3 यूबीक्यूटिन लिगेसीज न्यूरोनल सर्वाइवल को विनियमित करते हैं, को समझने में मिसफोलडेड प्रोटीन से जुड़े रोगों के इलाज के लिए नवाचारी उपायों की पहचान हो सकेगी।

शोध का विषय :

सेलुलर स्तर प्रक्रिया में ऑरगेनिजम में एक सुस्थापित प्रोटीन गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली होती है जो लैब की टीम वर्तमान में समझने का प्रयास कर रही है। ई3 यूबीक्यूटिन लिगेसीज की भूमिका अब तक ऐसी प्रणाली में देखी गयी थी। हमारी प्रयोगशाला प्रोटीन गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली के क्षेत्र में गुणात्मक शोध के प्रति समर्पित है। हाल ही में हमने पाया है कि ई3 यूबीक्यूटिन लिगेसिज ई6–एपी वाला एचईसीटी डोमेन एसओडी आई म्यूटेंट द्वारा तैयार मिसफोल्डिड प्रोटीन एग्रीगेटस के साथ इसके जुड़ने के जरिए अमीट्रोफिक लेटरल सलेरोसिस रोगों में मदद करता है। ऐसे निष्कर्ष इस बात का समर्थन करते हैं कि ई3 लिगेज में मिसफोल्डिड प्रोटीन एग्रीगेशन को हटाने की क्षमता हो सकती है। तथापि, सेलुलर प्रणाली की अप्रत्याशित सक्षमता की प्रशंसा करते हुए हमें चेपरोन्स की महत्वपूर्ण भूमिका को याद रखना चाहिए जिसे मिसफोल्डिउ प्रोटीन को वापस लोने और इस प्रकार उन प्रोटीन के परिवर्तन के दौरान प्रयुक्त ऊर्जा के संरक्षण के उद्देश्य से ई3 यूबीक्यूटीन लिगेसिस के तुलना में वरीयता से कार्य करते हुए पाया गया है। कई उदाहरणों ने हमने यह सोचने पर मजबूर किया कि हम मिसफोल्डिड प्रोटीन को सही करने में चेपरोनस और ई3 यूबीक्यूटिन लिगेसिस दोनों की भूमिका का पता लगा सकते हैं। अतः, अब हम न केवल ई3 यूबीक्यूटिन का कार्य कर रहे हैं अपितु चेपरोनस पर भी काम कर रहे हैं और सेल के लिए एक सक्षम गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली देने से उनके संचालनात्मक जुड़ाव में भी काम कर रहे हैं।

रसायन शास्त्र प्रयोगशाला

आई.आई.टी., राजस्थान की रसायन शास्त्र प्रयोगशाला की मुख्य लक्ष्य मामले की अपनी समझरू के मोर्चे पर वास्तविक समस्याओं के समाधान में वैज्ञानिक रूप से समर्थित पद्धति का पता लगाने में छात्रों की सहायता करना है। यह एक बहु–आयामी प्रयोगशाला है जो अवर स्नातक, स्नातक और पी.एच–डी. छात्रों को उनके भविष्य के व्यवसाय की योजना बनाने में सहायता करने के लिए बड़ी संख्या में संसाधन उपलब्ध कराती है।

इस प्रयोगशाला में अधुनातन प्रलेखन का एक व्यापक स्पैक्ट्रम है जिसमें बुनियादी प्रयोगशाला स्थापना (ऑर्गेनिक, इनऑर्गेनिक, आर्गनोमैटालिक एवं सामग्री संश्लेषण), नाइट्रोजन, ऑक्सीजन एवं एलपीजी गैस लाइन, इनर्ट एटमसफीयर बॉक्सेज, वैक्यूम लाइन वर्क, फ्यूम हुड पीएच, कंडक्टिविटी, बीओडी एवं सीओडी मीटर, रोटरी इवेपोरेटर, वैक्यूम पंप, सैंट्रीफ्यूजेज, हाई प्रेशन रिएक्टर सिस्टम, चिलर, हीटर्स, माइक्रोबलेंसेज, ऑर्बिटल शेकर, जीसी, एचपीएलसी और रैडलीज रैडी रिएक्टर शामिल हैं। शैक्षिक वर्ष 2011–12 में प्रयोगशाला ने पोलारीमीटर, मेल्टिंग प्वाइंट इंस्ट्रूमेंट, सोलर साइमुलेटर, डिजिटल टाइट्रेटर, कुगनरोहर, इलैक्ट्रोकेमिकल वर्क स्टेशन, और बेट्री विश्लेषण जैसे उपकरणों का प्रापण किया।

नियंत्रण/डी.एस.पी./माइक्रो प्रोसेसर प्रयोगशाला

यह प्रयोगशाला नियंत्रण प्रणालियों, माइक्रो प्रोसेसर और डीएसपी में प्रयोग करने के लिए साफ्टवेयर और हार्डवेयर अवसंरचना उपलब्ध कराती है। मोटे तौर पर इसमें निम्नलिखित प्रायोगिक संस्थापनाएं शामिल हैं :

क. नियंत्रक प्रणालियॉ

1. क्वान्सर से बॉल तथा बीम प्रणाली
2. क्वान्सर मेगनेटिक समविटेशन प्रणाली
3. क्वानसर इनवर्टिड पेंडुलम प्रणाली
4. सीलेब/मेटलेब सहित सॉफ्टवेयर

ख. डी.एस.पी. प्रयोगशाला

ग. माइक्रो प्रोसेसर प्रयोगशाला

डिजिटल भाषा प्रयोगशाला

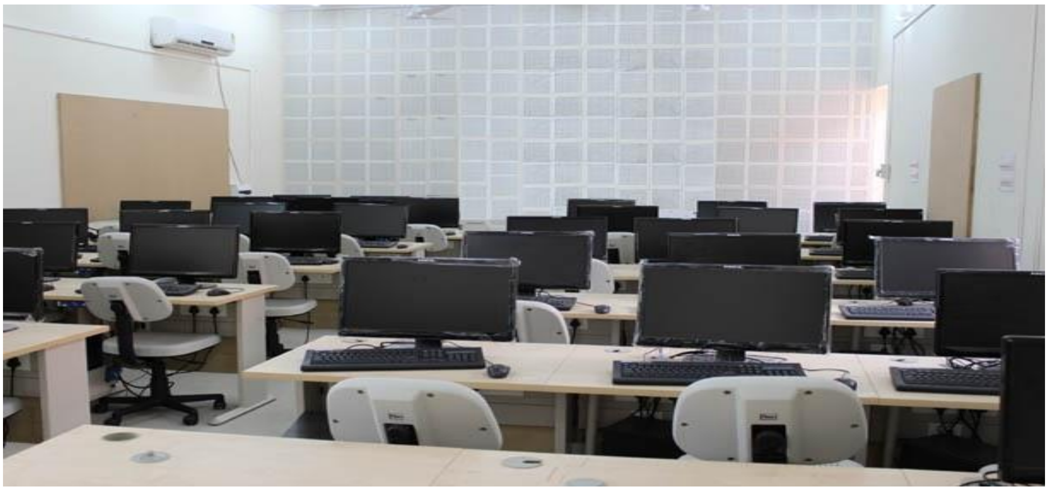

डिजिटल भाषा प्रयोगशाला आई.आई.टी. जोधपुर के संपूर्ण छात्र समुदाय हेतु विदेशी भाषाओं में पढ़ाने और पढ़ने के लिए संसाधन सुविधाएं और सहायता उपलब्ध कराती है। प्रयोगशाला दल द्वारा ऐसी नई पद्धतियाँ खोजी जा रही हैं और उन्नत मल्टीमीडिया प्रौद्योगिकी की सहायता से क्रियान्वित की जा रही हैं जो किसी विदेशी भाषा को सीखने में अपेक्षाकृत अधिक अनुभव प्रामाणिक अनुभव हो सकती है। यह इंटरनेट तथा इंटरएक्टिव वीडियो, श्रव्य–दृश्य तकनीक, मल्टी–मॉडल आईकॉनिक एप्रोच और स्पीच की पहचान करने जैसी उन्नत प्रौद्योगिकियों को लागू करने में सहायता करती है। पठन अभ्यास में श्रवण और निबंध, व्यापकरण पर आधारित अभ्यास, स्थानन समाधान और शिक्षण परीक्षण शामिल है। प्रयोगशाला रोबोटेल में स्मार्ट क्लस सिम्पोजियम और डाइनेट इंटरनेशनल से नए डायनेमिक इंगलिश लर्निंग कार्यक्रम आयोजित करती है। डिजिटल भाषा प्रयोगशाला में सभी

सुविधाएं सक्षमता उन्मुखी और मानक–आधारित हैं और विदेशी भाषा वैश्विक प्रदर्शन तथा सक्षमता हासिल करने के लिए छात्र के उत्साह का पोषण करती है।

इलैक्ट्रानिक सर्किट प्रयोगशाला

इस प्रयोगशाला में एनॉलॉग तथा डिजिटल सर्किट का डायोड, ट्रांजिस्टर, ओपाम्पस तथा क्लॉक जैसे सभी प्रकार के सर्किट उपकरणों का प्रयोग करते हुए निरीक्षण किया जा सकता है। प्रयोगशाला में निम्नलिखित उपकरण हैं :

1. एजिलेंट से आर्बिट्रेरी फंक्शन जेनरेटर
2. एजिलेंट से डिजिटल आक्सीलोस्कोप
3. प्रोग्रामेबल पावर आपूर्ति
4. एजिलेंट से 6 1/2 बीआईटी डीएमएम

इलैक्ट्रो मैकेनिकल ऊर्जा रूपांतरण प्रयोगशाला

संस्थान ने इलैक्ट्रो मैकेनिकल ऊर्जा रूपांतरण प्रयोगशाला (ई.एम.ई.सी.एल.) की स्थापना की जो इलैक्ट्रीकल मशीनों की अनेक विशेषताओं पर अध्ययन को सुसाध्य बनाती है और यह अपनी प्रयोगशाला सुविधा की क्षमता की लगातार विकास कर रही है। प्रयोगशाला में आधुनिक 'इलैक्ट्रीकल इंजीनियरिंग' सुविधाएं विद्यार्थियों को इलैक्ट्रो मैकेनिकल ऊर्जा रूपांतरण की प्रक्रिया के मौलिक स्वरूप से परिचित होने और वास्तविक पर्यावरणीय मशीनों के अनेक व्यावहारिक और औद्योगिक उपयोग की खोज करने में सहायता प्रदान करती है। यह प्रयोगशाला सतत विकास प्रयासों के साथ प्राचीन और आधुनिक दोनों प्रकार के उपकरणों से सुसज्जित है जो मूलभूत आवश्यकताओं और आधुनिक समय की आवश्यकताओं दोनों को पूरा करते हैं।

नवीकरणीय ऊर्जा प्रयोगशाला

आधुनिक विश्व की ऊर्जा आवश्यकताओं की बड़ी चुनौतियों का समाधान करने के लिए और हमारे राष्ट्र द्वारा पुराने इंधन पर अत्यधिक भरोसा करने से आई.आई.टी, जोधपुर को नवीकरणीय ऊर्जा प्रयोगशाला (आर.ई.एल.) का संवर्धन करने के महत्वपूर्ण उद्देश्य से ऊर्जा तथा पर्यावरण से संबंधित मसलों पर शोध करने को प्रोत्साहन मिला है। आरईएल नवीकरणीय ऊर्जा को डिजाइन करने, परीक्षण करने और उसका प्रसार करने तथा सक्षम ऊर्जा प्रणाली पर ध्यान देता है। आर.ई.एल. का उद्देश्य है उन प्रौद्योगिकियों की सहायता करना जिससे ये उद्योग और विकासशील देशों में सतत पर्यावरणीय विकास में योगदान करें। नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में इस प्रयोगशाला के संकाय और छात्र एक ऐसी नवाचरी प्रणाली का सृजन करने का प्रयास कर रहे हैं जिससे सूर्य से और वायु से ऊर्जा का सक्षम रूप से उत्पादन हो सके। हाल ही में घरेलू विकास के लिए सौर और वायु ऊर्जा पर शुरू की गई परियोजना में ऊर्जा इंजीनियरी और पर्यावरणीय जोखिम विश्लेषण जैसे विभिन्न क्षेत्रों में शोध की योजना का प्रारूप तैयार किया गया है। आर.ई.एल. में कम्प्यूटर इंटरफेस सिस्टम है जिसमें लगभग 30 छात्र एक समय में काम कर सकते हैं। छात्र आर.ई.आर. के सर्वोच्च संसाधन हैं और आई.आई.टी. जोधपुर ने नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में काफी प्रगति हासिल की है और वह आर.ई.एल. में एक व्यवहार्य है और वह आरईएल में एक व्यवहार्य योजना बनाने तथा नवाचार शोध करने के लिए सभी अपेक्षित संसाधन प्रदान करता रहा है। आर.ई.एल. के विकास का एक पहलु अन्य शैक्षिक और औद्योगिक समूहों की भागीदारी का विकास करना है। भविष्य में यह प्रशिक्षण और सार्वजनिक निजी क्षेत्रीय सहयोग के लिए एक हब होगा। हाल ही में, प्रयोगशाला ने माइक्रोबिअल फ्यूल सेल के प्रोटोटाइपिंग पर पेनासोनिक आर एंड डी इंडिया प्रा. लि. के साथ एक परामर्शदात्री परियोजना आरंभ की है। इसके अतिरिक्त, लैब ने राजस्थान और गुजरात में 5 एमडब्ल्यू से कम पीवी पावर संयत्रों का आंकड़ा संग्रह, व्याख्या और विश्लेषण का आरंभ किया है।

उपकरण

1. 2 किलोवाट चार्ज के नियंत्रक ~12 वोल्ट विंड पावर के साथ, स्थायी मेगनेंट के साथ सिन्क्रोनाइजर जनरेटर ~12 वोल्ट, लैम्प बोर्ड ~12 वोल्ट, ऑफ ग्रिड इनवर्टर इत्यादि।

2. डीसी कनवर्टर, इलैक्ट्रानिक लोड, मेटल हाइडराइड स्टोरेज सेल, इलैक्ट्रोलाइजर, 200 वाट/20 वोल्ट/10 ए के साथ पीईएम फ्यूल सेल।
3. प्रौन्नत फोटोवोल्टिक्स सोलर मॉडयूल साइमुलेशन मॉडल 23 वोल्ट/2 ए, सोलर आल्टीटयूट इमुलेटर के साथ सोलर मॉडयूल, सोलर चार्ज नियंत्रक 12/24 वोल्ट, 6ए सोलर एकुमुलेटर 12 वोल्ट, 7 एएच, ऑफ ग्रिड इनवर्टन 230 वोल्ट, 275 वीए इत्यादि।
4. कोटिग प्रयोग के लिए समेकित आरएफ/डीसी स्पुटरिंग।

फ्लयूड मैकेनिक्स तथा ताप हस्तांतरण प्रयोगशाला

फ्लयूड मैकेनिक्स प्रयोगशाला में छात्र निम्नलिखित सीखते हैं :

- प्रयोगात्मक डाटा का विश्लेषण और मूल्यांकन
- सैद्धांतिक मॉडलों और प्रायोगिक डाटा के बीच तुलना
- फलयूड मेकेनिक्स तथा ताप हस्तांतरण प्रणाली कैसे तैयार करें अर्थात विभिन्न तकनीकी पहलुओं के परिप्रेक्ष्य में पाइपिंग प्रणाली, ताप हस्तांतरण, थर्मल ऊर्जा भंडारण, प्राप्तकर्ता, विंड कैचर, वाल्यूमिट्रिक एयर रिसीवर।

इसके अतिरिक्त, इस प्रयोगशाला का उद्देश्य छात्रों में प्रयोग के डिजाइन तथा लघु स्तरीय परियोजनाओं` संवर्धन द्वारा नवाचरी विचार पैदा करना है। वर्तमान में, फ्ल्यूड मैकेनिक्स प्रयोगशाला में पाइपों (चिकने/खुरदरे) और फीटिंग्स (अर्थात वॉल्व मोड) में क्षय, भिन्न–भिन्न प्रवाह मीटरों के बीच तुलना, गणु छाया सघनता तकनीक, हॉट वायर एनीमो मीटर, सिलेंडर/एयर–फायर के चारों ओर दाब वितरण के लिए लैब स्केल सबसोनिक विंड टनल, लिफ्ट एंड ड्रैग संतुलन, बाउंडरी लेयर विकास और मौसम की मॉनीटरिंग के संबंध में प्रयोग किए जाते हैं। इसके अलावा, अनुरूपण के लिए सीएफएएसटी जैसे मानक साफ्ब्वेयर पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

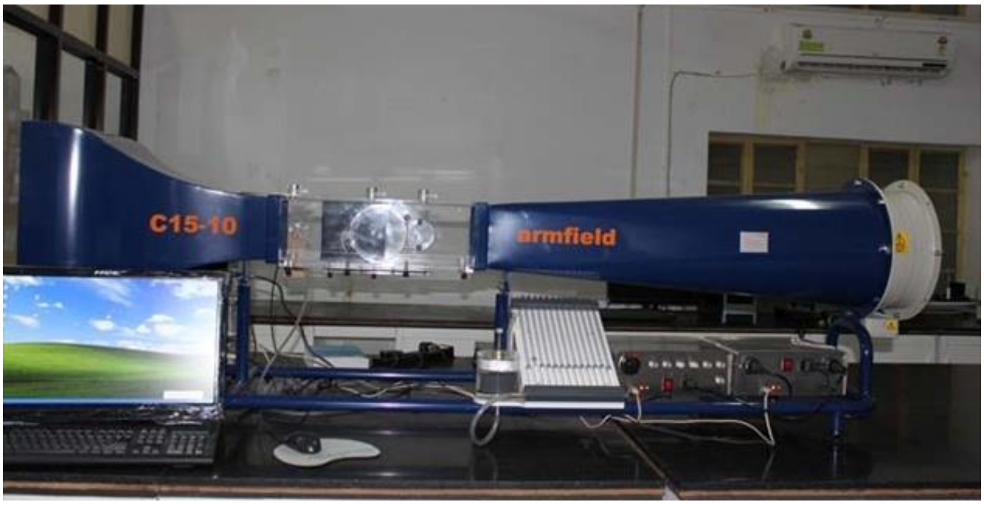

वर्तमान में उष्मा अंतरण प्रयोगशाला विभिन्न तापीय तकनीकों, ऊर्जा विनियम प्रणाली, वातायन प्रणाली, नैसर्गिक और फोसर्ड कनवेक्शन प्रणाली, भिन्न–भिन्न सामग्रियों के लिए उष्मा उत्पादन यूनिट, प्रयोगशाला और औद्योगिक सौर वाटर हीटर प्रणाली और तापीय रेडिएशन यूनिट के प्रदर्शन से सुसज्जित है। ये सभी उपकरण समर्थक साफ्टवेयर के साथ लगाए गए हैं।

इन प्रयोगशालाओं में परीक्षण, कलिब्रेशन तथा शोध उद्देश्य से लेजर डोपलर वेलोसीमीटर पार्टिकल एनालाइजर सहित, दाब तथा ताप केलिब्रेशन, परिवर्तनीय प्रवाह के साथ ब्लोअर, दबाव ट्रांसड़्यूसर, विभिन्न दबाव ट्रांसड्यूसर, टरबाइन टेस्ट रिंग, टर्बो–मशीन टेस्ट रिंग, आई.सी. इंजिन टेस्ट रिंग इत्यादि जैसे विभिन्न उपकरणों का प्रापण किया जा रहा है।

इसके अतिरिक्त बहु–उद्देशीय परीक्षण सेटअप को स्वदेशी रूप से तैयार किया जा रहा है और इसके पुर्जे/उप–प्रणालियां स्थानीय रूप से तैयार की जा रही है। इस प्रणाली का उद्देश्य वोल्यूमेट्रिक एयर रिसीवर, थर्मल ऊर्जा स्टोरेज, एयर–वाटर हीट एक्सचेंज सिस्टम और उनके आपरेशन का निरीक्षण और मूल्यांकन करना है। भू–हवाई ताप परिवर्तन प्रणाली, विंद कैचर और एयर–कूल्ड हीट एक्सचेंज प्रणाली जैसे उपकरणों का कुछ उपयोग के लिए तैयार और परीक्षण किया जा रहा है।

सामग्री परीक्षण और ठोस यांत्रिकी

संस्थान की सामग्री परीक्षण और ठोस यांत्रिकी प्रयोगशाला विभिन्न प्रकार के परीक्षण नमूनों की सुविधा प्रदान करती है जिससे उनकी यांत्रिकी विशेषताओं जैसे कि इलास्टिसिटी का मॉड्यूल, टेनसाइल और व्यापक क्षमता, तनाव मोड़, बेंडिंग लक्षण, हार्डनेस इत्यादि जैसे यांत्रिकी लक्षणों का पता लगाया जा सके। प्रयोगशाला निम्नलिखित परीक्षण उपकरणों से सुसज्जित है :

1. सार्वभौमिक परीक्षण मशीन 5–50 केएन
2. रॉकवेल टेस्टर
3. ब्रिनेस टेस्टर
4. विकर्स टेस्टर
5. पोलडी हार्डनेस टेस्टर
6. पोर्टेबल हार्डनेस टेस्टर
7. सामग्री परीक्षण और ठोस यांत्रिकी।

सामग्री विश्लेषण प्रयोगशाला

शोध में उर्जा सृजन तथा भंडारण हेतु सामग्रियों सहित विभिन्न प्रयोगों के लिए अभिनव सामग्रियों के विकास पर ध्यान केन्द्रित किया जाता है। वर्तमान कार्य में सौर सेल प्रयोग हेतु सॉल्यूशन योग्य सीआईजीएस कंपाउंड सेमीकंडक्टर का विकास तथा लिथियम आयल बैट्री और सुपरकेपेसीटर प्रयोग के लिए ट्रांजीशन मेटल ऑक्साईड आधारित सामग्री का विकास शामिल है। यह प्रयोगशाला स्पुटरिंग, सोल–जेल प्रक्रिया एसेम्बली इत्यादि जैसी बड़ी तथा पतली फिल्म तकनीकों के सिंथेसिस आसैर एकस–रे डिफरेकशन, स्केनिंग इलैक्ट्रान माइक्रोस्कोप, ऑप्टीकल स्पेक्ट्रोस्कोपिक तकनीक एलसीआर मीटर,, बड़े नमूने हेतु फेरोइक माप प्रणाली इत्यादि जैसी कई वृगीकरण तकनीक से सुसज्जित है।

इसके अतिरिक्त, समूह सौर चुनिंदा कोटिंग, उच्च बारंबारता अवशोषक प्रणाली के लिए फेरोइक सामग्री और विभिन्न प्रयोग के लिए मेनेटिक पार्टिकल जैसे विभिन्न प्रयोगों के लिए बहु संचालन सामग्रियों के विकास पर भी ध्यान केन्द्रित करता है।

यह प्रयोगशाला थर्मल विश्लेषण, इलैक्ट्रोकैमिकल विश्लेषण, सर्फेस मोर्फोलोजी अध्ययन, रसायनों के पृथक्करण तकनीक, विद्युत संचालन माप उपकरणों, ग्लाव बाक्स इत्यादि के लिए आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है।

माइक्रोस्कोपी प्रयोगशाला

आई.आई.टी. जोधपुर में माइक्रोस्कोपी प्रयोगशाला शैक्षिक ब्लाूक–1, कमरा सं–1107 में स्थित है। यह उत्कृष्ट प्रयोगशाला सभी विशिष्ट उपकरणों के प्रापण के लिए वचनबद्ध है और आई.आई.टी., जोधपुर की आधुनिक प्रयोगशालाओं का स्तर प्राप्त करने के नजदीक है। अनुभवी संकाय जीव–वैज्ञानिक नमूनों के मॉर्फोलोजीकल विश्लेषण के बारे में छात्रों के उत्साह का पोषण करते हैं और उन्हें वैज्ञानिक इंस्ट्रूमेंटों के संचालन में सहायता करते हैं। वर्तमान में, इस प्रयोगशाला में विभिन्न माइक्रोस्कोप और कई नमूना तैयारी उपकरणों की बड़ी संख्या मौजूद है।

मल्टीमीडिया प्रयोगशाला

मल्टीमीडिया प्रयोगशाला ई–लर्निंग, इमेज प्रोसेसिंग और कम्प्यूटर विजन में कार्यक्रमों को सुसाध्य बनाती है। इस प्रयोगशाला में वीडियो/इमेज विषय वस्तु के सीमेंटिक विश्लेषण, वीडियो सर्विलांस, मानव गतिशीलता विश्लेषण, दस्तावेज छाया विश्लेषण और विषय–वस्तु पर आधारिक छाया पुनप्रापण में शोध करने पर विशेष बल दिया जाता है। ई–लर्निंग से संबंधित क्रियाकलापों में वीडियो रिकॉर्डिंग, ऑडियो–वीडियो, बिजिटाइजेशन, वीडियो संपादन इत्यादि शामिल हैं। शैक्षिक वर्ष 2011–12 में काइनेक्ट का प्रयोग करते हुए भारतीय सांकेतिक भाषा की पहचान संबंधी एक शोध आरंभ किया गया है।

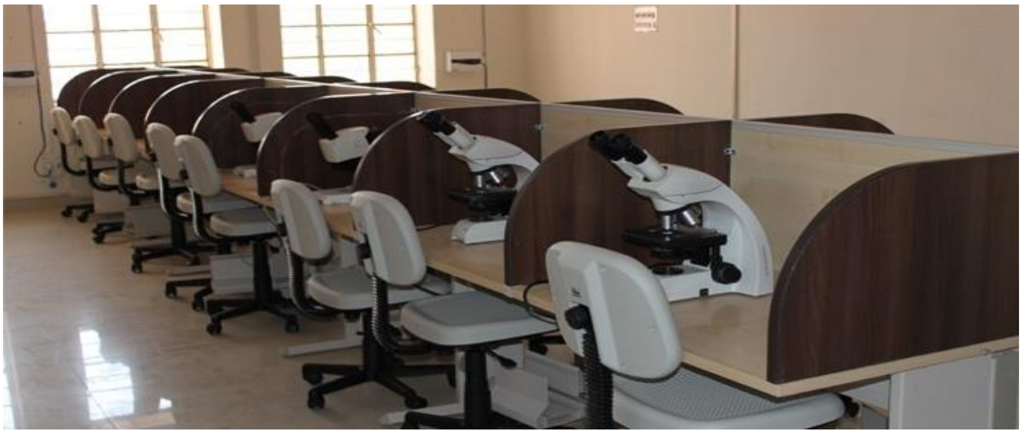

उपकरणः

स्केनर्स, बुक ड्राइव मिनि, यूएमएएक्स पावरलुक, कैमरे : सोनी 177 पीडी, सोनी केमकोर्डर, केनन 500डी वीसीआर; सोनी डीएसआर 45 एपी ट्राइपोडस : मेनफ्रोटो, आईमेक।

नेटवर्किंग प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला

नेटवर्किंग प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला ने शैक्षिक वर्ष 2011–12 से कार्य करना आरंभ किया है। इसका उद्देश्य अवर–स्नातक तथा स्नातक छात्रों, जो कम्प्यूटर नेटवर्क के क्षेत्र में अपनी रूची का अध्ययन करते हैं; को कम्प्यूटर नेटवर्क के पहलुओं को समझने तथा एक वास्तविक सेटिंग में नेटवर्किंग उपकरणों के साथ कार्य करने के योग्य बनाना है। इसके अतिरिक्त, इस प्रयोगशाला का उद्देश्य प्रौन्नत विषयों, जैसे कि वायरलैस मेस नेटवर्क, सेन्सर नेटवर्क, कम्प्यूटर नेटवर्क से पावर लाइनों पर संचार के लिए आवश्यक अवसंरचना प्रदान करना है।

प्रस्तावित गतिविधियॉ :

- नेट एफ.पी.जी.ए. का प्रयोग करते हुए नेटवर्किंग हार्डवेयर की प्रोटोटाइपिंग (उदाहरण, इथरनेट स्विच, आईपीवी 4 रूटर इत्यादि)।
- क्लिक रूटर मॉड्यूलर सॉफ्टवेयर फ्रेसवर्क का प्रयोग करते हुए पैकेट प्रोसेसर का विकास।
- मिनी–इंटरनेट, सिंगल–हूप वायरलैस नेटवर्क, बहु–हूप वायरलैस मेस तथा सेंसर नेटवर्क, पावर लाइन संचार नेटवर्क, गृह दूरभाषा लाइन नेटवर्क के लिए अवसंरचना की स्थापना।
- भिन्न नेटवर्कों के संबंध में विभिन्न प्रोटोकोल के निष्पादन विश्लेषण से संबंधित अध्ययन।
- नोवल रूटिंग एलोगरिथम, परिवहन लेयर तंत्र और अगली पीढ़ी के नेटवर्क के लिए सेवाओं का विकास।
- प्लनेट प्रयोगशाला अवसंरचना की स्थापना (जो 500 से अधिक साइटों को जोड़ते हुए अनिवार्य रूप से इंटरनेट पर सृजित वैश्विक आबंटित कम्प्यूटिंग मंच का भाग बनेगी)। यह छात्रों और शोधकर्ताओं को न केवल इंटरनेट की ट्रैफिक पद्धति को समझने की अनुमति देती है बल्कि आबंटित स्टोरेज, नेटवर्किंग मेपिंग, पीयर–टू–पीयर प्रणाली, घटक वितरण सेवा और कलाउड कम्प्यूटिंग के लिए इंटरनेट पर नई प्रौद्योगिकी प्रयोगों को भी विकसित करेगी।

भौतिकी प्रयोगशाला

भौतिकी प्रयोगशाला का मिशन विद्यार्थियों को मूलभूत भौतिकी का प्रायोगिक ज्ञान उपलब्ध कराना है। इस प्रयोगशाला में उपकरणों का अच्छा संग्रह मौजूद है और यहां मेकैनिक्स, वेब्स, इलेक्ट्रीसिटी, मैग्नेटिज़्म और ऑप्टिक्स जैसे भिन्न–भिन्न क्षेत्रों में प्रयोग किए जाते हैं। अब प्रयोगशाला में प्रकाश की गति, जीमेन प्रभाव और माइकल्सन इंटरफेरोमीटर के साथ प्रयोग के लिए सुविधा मौजूद है।

पावर इलैक्ट्रानिक्स प्रयोगशाला

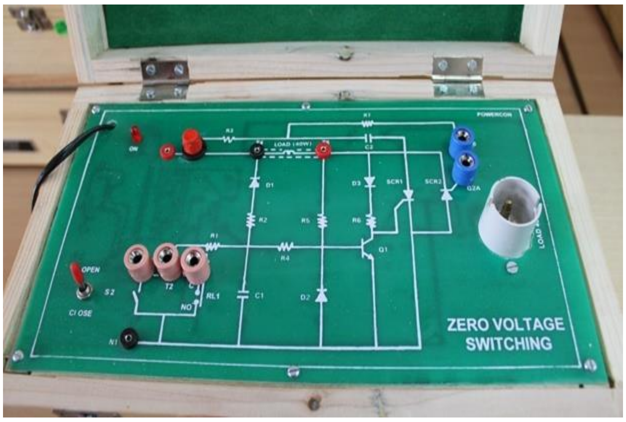

पावर इलैक्ट्रानिक्स प्रयोगशाला का प्रयोग पावर इलैक्ट्रानिक्स आधारित पावर परिवर्तन प्रणाली, नियंत्रण प्रणाली और अभियान के क्षेत्र में अवर–स्नातक और शोध के लिए किया जाता है। यह प्रयोगशाला पावर कन्वर्टर और एसी/डीसी माइक्रो ग्रिड के क्षेत्रों में शोध का संकाय और छात्रों के लिए संचालन करती है। यह प्रयोगशाला आधुनिक परीक्षण और माप इंस्ट्रूमेंटस, कन्वर्टस, पावर स्पालाई और प्रोग्रामिंग बोर्डों से सुसज्जित है।

प्रमुख उपकरण :

1. हाईप्रीसिसन पावर एनालाइजर–योकोगवा डब्ल्यूटी 3000
2. डीएसओ–टेकट्रोनिक्स 200 एमएचजेड (डीपीओ 2024) तथा आईजीएचजेड (डीपीओ 4104बी)
3. फनकशन जेनरेटर–टेकट्रोनिक्स एएफजी 3021बी
4. पावर स्पलाई : 0–30 वोल्ट, 1ए; 0–32 वोल्ट, 3ए; 0–32, 10ए
5. तीन फेज इनवर्टर ड्राइव
6. तीन फेज इनवर्टर स्टेकस
7. डीसी–डीसी कन्वर्टस
8. विभेदी करंट प्रोब्स
9. करंट क्लेम्प
10. आइसोलेशन ट्रांसफोर्मर्स
11. एफपीजीए प्रशिक्षण किट और प्रोग्रामिंग बोर्ड

रोबोटिक्स प्रयोगशाला

आई.आई.टी. जोधपुर की स्नातकोत्तर/अवर स्नातक शिक्षा और शोध हेतु एक अत्याधुनिक रोबोटिक प्रयोगशाला है।

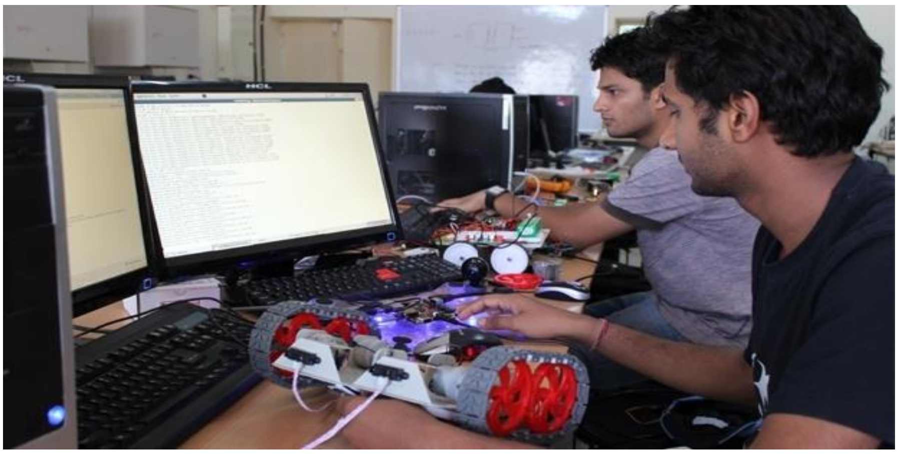

इस प्रयोगशाला में निम्नलिखित अवसंरचना हैं :

1. विकोन मोशन ट्रैकिंग प्रणाली
2. एक पावर बोट मोबाइल रोबट प्लेटफार्म पर बैरेट डब्ल्यूएएम आर्म का चल मेनिपुलेटर
3. पायोनियर पी2–डीएक्स चल रोबोट्स – 10 इकाईयां
4. टर्टलेबोट
5. व्हीन चेयर
6. फोर्स प्लेट
7. चल रोबोट के लिए अवसरंचना–नेविगेशन, पाय–प्लानिंग स्लाम
8. डायनेमिक और काइनेमेटिक नियंत्रण समस्या, रिडन्डेन्सी रिजोल्यूशन, मेनिपुलेटर्स और मोबाइल मेनिपुलेटर्स का उल्टा काइनेमेटिक्स, विजुअल सर्विंग
9. जीएआईटी विश्लेषण और रोबोट समर्थित पुनर्वास।

सोलर रेडिएशन प्रयोगशाला

नई एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने आई.आई.टी. जोधपुर परिसर का अपने एक सोलर रेडिएशन अनुसंधान केन्द्र के रूप में चयन किया है। इस केन्द्र पर सोलर रेडिएशन माप (वैश्विक और सीधे), आर्द्रता, तापमान, वर्षामापक तथा वायु गति मापन किए जाते हैं और यह आंकड़े चेन्नई में एमएमआरई नोडल केन्द्र सी–वेट को एक सेटेलाइट लिंक के माध्यम से प्रेषित किए जाते हैं। इस प्रयोगशाला में उपकरणों में दो सोलर पैनल लगे हैं। इस केन्द्र से एकत्रित आंकड़े सोलर थर्मल और सोलर फोटोबोलेटाइल पावर प्लांटों की स्थापना के लिए अपेक्षित सोलर संसाधन मूल्यांकन के पास बनाते हैं जैसा कि जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय सोलन मिशन में दर्शाया गया है।

यंत्रीकरण और संचार प्रयोगशाला

यंत्रीकरण और संचान प्रयोगशाला का मिशन अवर स्नातक तथा स्नातकोत्तर छात्रों के लिए अनुसंधान और मापन तथा स्वचालन प्रौद्योगिकी में पठन और शोध का संश्लेषण करना है। इस प्रयोगशाला में स्थित अत्याधुनिक सुविधाएं संचार के खगोलीय पर्यावरण और वास्तविक समय मापन तथा वास्तविक समय मापन प्रौद्योगिकी में

नवीन शोध के अवसर प्रदान करती हैं। अनुभवी प्रयोगशाला दल छात्रों की शोध में प्रतिभा का पोषण करती है और जटिल मापन विकसित करने, परीक्षण करने, नियंत्रण प्रणाली, डाटा विश्लेषण प्रणाली और अगली पीढ़ी की संचार प्रौद्योगिकी विकसित करने का अवसर प्रदान करती है।

छात्र (1) बेसबेंड संचार सर्किट बनाने (2) एनआई लैबव्यू ग्राफिक प्रोग्रामिंग साफ्टवेयर के प्रयोग (3) पीएक्सआई आधारित एनआई आरएफ/वायरलैस मापन स्टैंड (4) एनआई डब्ल्यूएसएन और लैबव्यू साफ्टवेयर का मूल्यांकन, साफ्टवेयर परिभाषित रेडिया प्रणाली समायोजित करने अध्ययन किए गए एंटिनाओं के प्राचलों की मात्रा निर्धारित करने (5) एनालॉग मॉड्यूलेशन योजनाओं का संचार करने से संबंधित सिद्धांतिक और प्रायोगिक दोनों ही ज्ञान विकसित करते हैं।

एनआई–लैब में ऐसी साफ्टवेयर और हार्डवेयर उप–प्रणाली हैं जो रेपिड प्रोटोटाइपिंग तथा विभिन्न उपयोगों के लिए एम्बेडिड प्रणाली के विकास को सक्षम बनाती है। वर्तमान में प्रयोगशाला में निम्नलिखित सेट अप हैं :

- एनआई एल्विस आधारित संचार प्रणाली और थ्योरी शिक्षण स्टैंड
- स्पेकट्रल, चेनल सक्षमता अध्ययन के लिए बड़ा एमआईएमओ स्टैंड तथा नए मानक विकास
- डब्ल्यू लेन, डब्ल्यू आई मैक्स, जीपीएस, आरएफआईडी, जिगबी, जीएसएम, सीडीएमए, डब्ल्यूसीडीएमए, ब्लूटूथ हेतु प्रोटोकोल स्टैंड
- कस्टम संचार योजना के विकास और शोध के लिए एफपीजीए–एनेबल्ड सॉफ्टवेयर डिफाइन्ड रेडियो स्टैंड
- बेसिक एनालॉग और डिजिटल संचार तकनीक शिक्षण स्टैंड
- वायरलैस सेंसर नेटवर्क स्टैंड
- सिग्नल सतर्कता और वायरलैस स्प्रैक्ट्रल मॉनिटरिंग स्टैंड
- वायरलैस प्रोटोटाइप वर्गीकरण तथा टेस्टिंग स्टैंड
- बेस–बैंड अध्ययन और सिग्नल प्रसंस्करण के लिए एफपीजीए आधारित प्रोटोकोल विकास
- वीएनए आधारित एंटीना वर्गीकरण स्टैंड
- फाइबर आप्टिक संचार स्टैंड
- नेटवर्क आधारित निर्माण
- वास्तविक सतह डिजाइन, रिकार्ड तथा प्लेबैक, सिग्नल सतर्कता, एलगारिथम वैद्यीकरण तथा अधिक के लिए यूएसआरपी (यूनिवर्सल साफ्टवेयर रेडियो उपस्कर) आधारित वायरलैस संचार प्रणाली

- नेटवर्क संचार और निर्माण नियंत्रण स्टैंड

अपनी स्थापना के दो वर्ष के पश्चात, इस प्रयोगशाला ने आई.आई.टी. जोधपुर के अधिगम और शोध गतिविधियों में अत्यधिक योगदान दिया है। इस प्रयोगशाला के माध्यम से अवर स्नातक तथा स्नातक दोनों के लिए सेलुलर संचार लैब, सतर्क इंस्ट्रूमेंटेशन, सिस्टम विश्लेषण, तकनीक और बायो–सेन्सर पाठ्यक्रम प्रदान किए जा रहे हैं। प्रोगशाला ने डिजिटल रेडियो मानकों के लिए डीआरएम/डीआरएम+ आईपी के विकास, लिंक बजट डिजाइन समुंद्री वातावरण, डीआरएफएम आधारित रेडार इको सिम्युलेटर सहित कई औद्योगिक परामर्श परियोजनाओं के लिए सही हार्डवेयर और साफ़्टवेयर उपकरण प्रदान किए हैं। प्रयोगशाला में की जा रही अन्य परियोजनाएं हैं वहनीय वायरलैस विडियो ट्रांसमिशन प्रणाली का विकास, कोइग्निटिव रेडिया और जिगबी प्रोटोकोल विकास।

उच्च ताप सौर थर्मल प्रयोगशाला

''आई.आई.टी. जोधपुर में सौर थर्मल शोध एसं शिक्षा में उत्कृष्अता केन्द्र की स्थापना'' नामक एम.एन.आर.ई. वित्तपोषित परियोजना के तहत छः प्रयोगशालाएं स्थापित की गयी हैं। उच्च ताप सौर थर्मल प्रयोगशाला इन विशिष्ट प्रयोगशालाओं में से एक है।

इस प्रयोगशाला के उद्देश्य हैंः

- फ़्लूईड फ़्लो और ताप हस्तांतरण संबंधी समस्याओं के मूल पहलु जैसे कि धूल संचयन
- सघन सौर थर्मल प्रणालियों के लिए उप–प्रणाली का डिजाइन और विश्लेषण

इस प्रयोगशाला में तैयार तथा विश्लेषित कुछ उप–प्रणालियां हैंः

- प्रक्रिया ताप प्रयोगशाला हेतु खुला वोल्यूमीट्रिक एयर रिसीवर
- कम्पेक्ट हीट एक्सचेंजर
- सोलर कन्वेक्टिव फर्नेस

इस प्रयोगशाला में सौर वायु टावर साइमुलेटर (एस.एटी.एस.) लेजर डोपलर वीलोसिमीट्री जैसे प्रौनन्त शोध ग्रेड उपकरण जैसी परीक्षण सुविधा शामिल है। एसएटीएस सुविधा में खुला वोल्युमीट्रिक एयर रिसीवर, थर्मल उर्जा स्टोरेज, वायु–जल ताप आदान–प्रदान शामिल है और इसका सौर कनवेक्टिव फर्नेस के साथ विस्तार किया जा रहा है।

स्वास्थ्य केन्द्र

आई.आई.टी. जोधपुर आवासीय परिसरों में छात्रों को चौबीस घंटे स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करता है। स्वास्थ्य केन्द्र में अब 3 डॉक्टर और 4 सहायक स्टाफ़ सदस्य हैं। छात्रों एवं कर्मचारियों की चिकित्सा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए शहर में कुछ अस्पतालों के साथ संस्थान का करार है। आवासीय क्षेत्र में स्वास्थ्य केन्द्र में आवश्यक अवसंरचना सुविधाएं तथा बुनियादी देखभाल के लिए जरूरी उपकरण हैं। उपचार पाने वाले रोगियों के लिए आवश्यक दवाएं स्टाक की गई हैं और उन्हें प्रदान की जाती हैं।

यह स्वास्थ्य केन्द्र छात्रों, कर्मचारियों और उनके आश्रितों को ऐसे अन्य अस्पतालों, जो आंतरिक रोगी देखभाल प्रदान करने के लिए संस्थान द्वारा प्रत्यायिक हैं, में भर्ती के दौरान उनके उपचार का समन्वय और पर्यवेक्षण करता है। स्वास्थ्य केन्द्र चिकित्सा आकस्मिकताओं के दौरान बुलाए जाने पर एम्बुलेंस का प्रबंध करता है।

स्वास्थ्य केन्द्र संस्थान के विज़िटरों को आवासीय क्षेत्र में ट्रांज़िट छात्रावासों में उनके आवास के दौरान अनुरोध प्राप्त होने पर अपनी स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं प्रदान करता है। आपात परिस्थितियों में चिकित्सा सेवाएं परिसर के उन नागरिकों को भी प्रदान की जाती हैं जो आई.आई.टी. समुदाय से संबद्ध नहीं हैं। रोगियों के रिकार्ड, खरीदी गई/वितरित दवाईयों के ब्यौरे, परिसम्पतियाँ, उपकरण आदि सभी के रिकार्ड कम्प्यूटर द्वारा रखे जाते हैं। यह संस्थान ई.सी.जी. मशीन, एम्बुलेंस इत्यादि जैसी कुछ सामान्य आकस्मिकता स्वास्थ्य परिस्थितियों के लिए सुविधाओं के प्रापण का काम कर रहा है।

खेल–कूद सुविधाएं

संस्थान खेलों के लिए सुविधाएं चार स्थानों नामतः छात्रावास परिसर, शैक्षिक परिसर, विद्याश्रम पाठशाला के खेल मैदान तथा जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय (जे.एन.वी.यू.) के नये परिसर में प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त संस्थान ने उन छात्रों के लिए परिवहन की व्यवस्था की है जो विद्याश्रम खेल मैदान और जे.एन.वी.यू. नये परिसर में जाने के इच्छुक होते हैं। इसके अतिरिक्त आवासीय परिसर में छात्रों के प्रयोग के लिए एक जिम्नेज़ियम भी उपलब्ध है।

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ

आई.आई.टी. जोधपुर ने भारत सरकार द्वारा जारी आरक्षण नीतियों और दिशा–निर्देशों का समुचित प्रयोग और अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ की स्थापना की है। इस प्रकोष्ठ को एससी/एसटी तथा ओबीसी कर्मचारियों और छात्रों से प्राप्त शिकायतों से संबंधित कार्य भी सौंपा गया है। यह प्रकोष्ठ मानव संसाधन विकास मंत्रालय को संगत सूचना भेजती है और एस.सी./एस.टी. तथा ओ.बी.सी. छात्रों और कर्मचारियों के प्रवेश, भर्ती, पदोन्नति तथा प्रशिक्षण से संबंधित भारत सरकार के निर्णयों को संस्थान को सूचित करती है। आई.आई.टी. जोधपुर एम.सी.एम. छात्रवृत्ति के लिए छात्रों का चयन करते हुए आरक्षण नीति का पालन करता है। इसके अतिरिक्त, बड़ी संख्या में अनुसूचित जाति के छात्र जिनकी पारिवारिक आय 4.50 लाख रूपए प्रति वर्ष तक है, संस्थान द्वारा की गई पहल से सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा तैयार सर्वोच्च श्रेणी शिक्षा के केन्द्रीय क्षेत्र की छात्रवृत्ति का लाभ उठा रहे हैं। परिणामतः आई.आई.टी. जोधपुर में छात्रों के लिए भारत सरकार द्वारा बनाई गई आरक्षण नीतियों का प्रयोग करते हुए तथा उन्हें प्रभावी रूप से अपनाते हुए उन्हें हर संभव स्तर पर सावधानीपूर्वक सुनिश्चित किया गया है।

हिन्दी प्रकोष्ठ

आई.आई.टी. जोधपुर के हिन्दी प्रकोष्ठ का उद्देश्य हिन्दी का अधिकारिक संचार और व्यक्तिगत संबंधों के माध्यम के रूप में प्रयोग करने को संवर्धित करना है। इस प्रकोष्ठ का लक्ष्य अधिक श्रोताओं तक पहुंचना और आई.आई.टी. जोधपुर समुदाय को हिन्दी में निर्धारित मूल भाषा कौशल को विकसित करने के लिए प्रेरित करना है। यह छात्रों को हिन्दी भाषा तथा साहित्य से संबंधित विभिन्न प्रतिस्पर्धा और गतिविधि संचालित करने के लिए भी प्रेरित और सहायता करता है।

ऑफिस आटोमेशन

संस्थान का आफिस आटोमाशन प्रकोष्ठ आई.आई.टी. वेबसाईट, सीओई वेबसाईट, संकाय सदस्यों के वेब पेज और अन्य का कार्य देखता है। ऑफिस आटोमेशन प्रभाग का मिशन सभी कार्यालय प्रक्रियाओं को स्वचालित रूप से प्रदान करता है ताकि उनका समय से पूरा होना सुनिश्चित हो सके और लेखा कार्य आसान और सरल बन से। संस्थान ने पहले ही ट्रांजिट छात्रावास की बुकिंग; संकाय, कर्मचारियों और छात्रों के अवकाश; अधिकारिक उद्देश्य के लिए वाहन की बुकिंग; और छात्रों का बोना–फाईड प्रमाण–पत्र का कार्य पहले ही स्वचालित कर दिया गया है।

विद्वत गतिविधियां

- आमंत्रित लेक्चर
- शैक्षिक जरनलों में प्रकाशन
- सम्मेलन प्रस्तुती और प्रकाशन
- संकाय सदस्य तथा शोध रूची के क्षेत्र
- संस्थान के कर्मचारी

आमंत्रित लेकचर

1. श्री प्रकाश तिवारी: प्रमुख भाषणः '' वी.एल.एस.आई. में प्रौन्नत प्रवृत्ति'' संबंधी लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम में माईक्रोइलैक्ट्रोनिक्स तथा वीएलएसआई की पहचान'', 11–16 जून, 2012, जे.आई.ई.टी. जोधपुर, भारत।

2. क्षेमा प्रकाशः पुस्तकालय तथा सूचना विज्ञान में यू.जी.सी. प्रायोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम पद 'ज्ञान समाज में पुस्तकालय तथा सूचना व्यावसायिकों की बदलती हुई भूमिका और ज़िम्मेदारियां', 6–8 दिसंबर, 2012, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर, भारत।

3. क्षेमा प्रकाशः पुस्तकालय तथा सूचना विज्ञान में यू.जी.सी. प्रायोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम पद 'पुस्तकालयों में लाइब्रेरी 2.0'' वेब 2.0 प्रयोग', 6–8 दिसंबर, 2012, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर, भारत।

शैक्षिक जरनलों में प्रकाशन

जीवविज्ञान प्रेरित प्रणाली विज्ञान में उत्कृष्टता केन्द्र

[1] एन. गर्ग, एन. बाईलर, टी. केनजोम, एम. छाबड़ा, एम. एनसोरेज–स्कुमेचर, और एस. मिश्रा, ''पिचिआ पेस्टरीज में साइथस बुलेरी लेकेस की कलोनिंग, श्रंख्ला विश्लेषण, अभिव्यक्ति और रिकम्बीएंट लेकेस का वृगीकरण'', *बीएमसी बायोटेकनोल,* खंड 12, संख्या1, पृ 75, जनवरी 2012.

[2] ए. लूईस**,** ''फिलिप रोथ सबथ थिएटर में ट्रांसग्रेसन तथा ओडीपल राजनीति'' *एक्सप्लीक,* खंड 70, संख्या 2, पृ0 87–91, अप्रैल 2012.

[3] डी. छंगानी, एन. जाना, और ए. मिश्रा, ''ई3 यूबिक्यूटिन लीगेज की प्रोटीन पहचान नीति तथा न्यूरोडिजनरेटिव रोग'', *मॉलू. न्यूरोबिआल,* खंड 47, संख्या 1, पृ 302–312, 2013.

[4] डी. छंगानी, ए. जोशी, और ए. मिश्रा, ''प्रोटीन गुणवत्ता नियंत्रण तंत्र में ई3 यूबिक्यूटिन लीगेज '', *मॉलू. न्यूरोबिआल,* खंड 45, संख्या 3, पृ 571–585, 2012.

[5] एम. सिन्हा, बी. मुखोपाध्याय, और ए. सेद्रकिअन, '' मजबूत मेगनेटिक फील्ड में हाईपरन्यूक्लिअर मेटर'', *न्यूक्लिअर फिजिक्स,* खंड 898, पृ. 43–58, जनवरी 2013.

[6] एस. साहू, एस. घोष, के. हीराटा, डी. फुजिता और ए. बंधोपाध्याय, ''एकल मष्तिषक माइक्रोटूबयूल का बहु–स्तरीय मेमोरी स्विचिंग लक्षण'' , *एप्ल. फिजि. लिट. ,* खंड 102, संख्या 12, पृ. 123701, 2013.

[7] जे.पी. हिल, एन. के. सुभेयन, एफ. डी'सूजा, वाई. जाई, एस. साहू, एन. एम. सांचेज–बालेस्टर, जी. जे. रिचर्ड, टी. मोरी और के. अरीगा, ''बेसिक एनायन्स के लिए फलूरोसेंट सेंसर के रूप में एंटीऑक्सीडेंट प्रतिस्थापित टेटरापाइराजीनोपोरपाइरेजीन'', *केम. कम्यू.,* खंड 48, संख्या33, पृ. 3951–3953, 2012.

[8] एस. साहू, एच. ओनो, एस. घोष, ए. बंधोपाध्याय, डी. फुजीता, एफ. पीपर, टी. इसोकावा ओर आर. पती, ''मॉलीक्यूलर एरेस के सेलूलर ऑटोमेटा के संबंध में '' , *नेच. कम्पयूटे.,* खंड 11, संख्या 2, पृ. 311–321, 2012.

उर्जा उत्कृष्टता केन्द्र

[9] एफ. रोइलोफस, वी. आर. गोपाला, एल. चन्द्रा, एम. विएलीबेर और ए. कलास, ''लो रिजोल्यूशन सीएफ अप्रोच के साथ साइमुलेटिंग फयूल एसेम्बलीज'', *न्यूक्लि. इंजी. डेस.,* खंड 250, पृ. 548–559, सितंबर 2012.

[10] क्मल शर्मा, हर्षित कुमार खंडेलवाल, विवेक भसीन, आर. छिब्बर, ''बाई–मेटेलिक वेल्ड के यांत्रिक लक्षण अनुमान के लिए बाल इंडेंटेशन तकनीक का प्रयोग'', *प्रौनन्त सामग्री शोध,* 585, 342–346, 2012.

[11] आर. छिब्बर, एच. सिंह, एन. अरोड़ा, और बी. के. दत्ता, ''रिएक्टर प्रेसर वेसल स्टील की माइक्रोमेकेनिकल मॉडलिंग'', *मेटर. डेस.* खंड 36, पृ. 258–274, 2012.

[12] आर. छिब्बर, योगेश कुमार सिंगला, बीजन कुमारा दत्ता, ''बाईमेटेलिक वेल्डस की फ्रिकशन वेल्डिंग के लिए प्रकिया मापदंडों का इष्टीकरण'', *प्रौनन्त सामग्री शोध,* 585, 440–444, 2012.

[13] एस. जिंदल, आर. छिब्बर, और एन. पी. मेहता, ''उच्च–मजबूत अल्प–एलॉय इस्पात के उपमिश्रित आर्क वेल्डिंग के लिए फलक्स डिजाइन की जांच'', *प्रोक. इंसट. मेके. इंजी. पार्ट बी जे. इंजी. मैन्यु.,* खंड 227, संख्या3, पृ. 383–395, मार्च 2013.

[14] संदीप जिंदल, आर. छिब्बर,एन. पी. मेहता, '' मेकेनिकल लक्षणों पर फलक्स घटक तथा बेसिसिटि इंडेक्स का प्रभाव तथा उपमिश्रित आर्क वेल्डिड उच्च मजबूती अल्प एलॉय इस्पात का माइक्रोस्ट्रक्चर्ड इवोल्यूशन'', *मेटिरियल साइंस फोरम,* 738-739, 242-246, 2013.

[15] बी. तिवारी, ए. दीक्षित, आर. नाइक, जी. लावेस और एम. एस. रामचंद्र राव, ''एलएसीआरओ3 में एंटीफेरोमेगनेटिक ऑर्डिग के नजदीक डाइलैक्ट्रीक और ऑप्टीकल फोनोन एनोमलीजः संभावित कक्ष ताप मेगनेटोडाइलैक्ट्रीक प्रणाली '', *एप्ला. फिज. लेट.,* खंड 103, संख 15, पृ. 152906, 2013.

[16] बी. तिवारी, एम. एस. आर. राव, ए. दीक्षित, ''एलएसीआरओ3 प्रणाली के ग्रांउड स्टेट इलैक्टानिक और मेगनेटिक लक्षण'', *प्रोनन्त सामग्री शोध,* 585, 274 - 278, 2012.

[17] जी. चटर्जी, पी. के. सिंह, एस. अहमद, ए. पी.एल. राबिंसन, ए.डी. लेड, एस. मोंडल, वी. नारायणन्, आई. श्रीवास्तव, एनन. कोरटकर, जे. पासले, ए. के. सूद और जी. आर. कुमार, ''एलाइन्ड कार्बन नेनोटयूब एरेज में मेगा एमपीयर इलैक्ट्रान करंट का मेक्रोस्कोपिक आवागमन'', *फिजि. रिव्यू. लेट.* , खंड 108, सं. 23, पृ. 235005, जून 2012.

[18] एस. मोंडल, वी. नारायणन्, डब्लयू. जे. डिंग, ए.डी. लेड, बी. हाव, एस. अहमद, डब्लयू. एम. वांग, जेड. एम. शेंग, एस. सेनगुप्ता, पी. काव, ए. दास. और जी. आरा. कुमार, ''गर्म, सघन लेजर उत्पादित प्लासमा में टरबुलेंट मेगनेटिक फील्उ का प्रत्यक्ष आकलन'', *प्रोक. नेश. अकाद. विज्ञा. यू. एस.ए.,* खंड 109, सं. 21, पृ. 8011–5, मई 2012.

[19] पी. के. पांडे, एस.एल. गुप्ता, वी. नारायणन्, और आर. के. थरेजा, ''पीको–सेक तथा नेनो–सेक लेजर पलसिस का प्रयोग करते हुए एयर प्लाजमा वेवगाईड'', *फिजि. प्लासमो,* खंड 19, सं.2, पृ. 023502, 2012.

[20] आर. राजीव., टी. मधु .विक्रम, के.पी. रिषद, वी. नारायणन्, ई. कृष्णकुमार, और एम. कृष्णामूर्ति, ''मेगामलैक्ट्रोनवोल्ट–उर्जा न्यूट्रल एटम के लिए समेकित लेजर निर्धारित प्लासमा एक्सीलेटर,'' *नेट. फिजि.,* खंड 9, सं. 3, पृ. 185–190, मार्च 2013.

[21] ए. के. प्लापले और जे. एच. लीनहार्ड वी, ''जल उत्पादन, उपचार, अंतिम उपयोग, पुनः प्रयोग तथा निपटान के लिए उर्जा आवश्यकता'', *रिन्यू. सस्टेन. एनर्जी रिव्यू.,* खंड 16, सं. 7, पृ. 4818–4848, सितंबर 2012.

[22] आई. याकुब, ए. प्लापले, एम. लेफटविच, के. मलाटेस्टा, के. फ्रडमेन, एस. ओबवोया, एफ. नयोंगेसा, ए. मेगा, ए. सोबोयेजो, एस. लोगोथेटिस और डब्लयू. सोबोयेजो, ''फ्रस्टम–आकार सेरेमिक जल शोधक के पोरोसिटी, फलो और फिलटरेशन लक्षण,'' *जे. एनवायरन. इंजी.,* खंड 139, सं. 7, पृ. 986–994, अक्तूबर 2012.

[23] ए.के. प्लापले और जे.एच. लीहार्ड, ''जल आपूर्ति, उपचार, अंतिम उपयोग तथा पुनः प्रयोग की लागत'', *डिसालि. वाअर ट्रीट.,* खंड 51, सं. 1–3, पृ. 200–232, जनवरी 2013.

[24] ए. के. प्लापले, अंकुर हसीजा, ''भारत के पश्चिमी और उत्तरी भागों में घरों में जल उपयोग तथा संबंधित लागत'', *जे. वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट वार्षिक.,* खंड 4, सं. 3, 2013.

[25] बी. प्रतिहर, ''रेसोनेंट एमईएमएस सेंसर एक्चुएटिड विद्युत को गैर रेखीय व्यवहार का निर्धारण'', *प्रोसीडिया इंजी.,* खंड 47, पृ. 9–12, जनवरी 2012.

[26] एस. के. द्विवेदी और बी. प्रतिहर, ''मेगनेटिक फील्ड और आवधिक एक्सिअल भार के साथ केंटीलीवर बीम की पेरामीट्रीक अस्थिरता पर टिप्पणी'', *जे. साउंड वाइब. ,* खंड 331, सं. 6, पृ. 1465–1466, मार्च 2012.

[27] बी. प्रतिहर, और एस. भोमिक, ''एक अंतर माध्यिमिक स्थिति में रखे गए अंतिम प्रभावक वाले कार्टेसन मेनीपुलेटर का गैर रेखीय डायनेमिक विश्लेषण'', *नानलीनियर डायने.,* खंड 69, सं. 1–2, पृ. 539–553, 2012.

सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता केन्द्र

[28] डी. जे. लेथ, पी. क्लिफोर्ड, वी. बदरला, और डी. मलोन, ''संचार के बौर डब्लयूलेन चैनल चयन'', *कमपयूटेशनल नेटवर्क,* खंड 56, सं. 4, पृ. 1424–1441, मार्च 2012.

[29] डी. फुलवानी, बी. बंधोपाध्याय, और एल. फ्रिडमेन, ''गैर–रेखीय स्लाइडिंग सर्फेसः उच्च निष्पादन रोबस्ट नियंत्रण की ओर'', *आईईटी नियंत्रण सिद्वांतएप्ला. ,* खंड 6, सं. 2, पृ 235, 2012.

[30] एस. बेग और जी. हरित, '' बंगाली और देवनागरी पांडुलिपि के लिए ऑप्टीकल विशेषता पहचान संबंधी सर्वेक्षण'', *साधना,* खंड 38, सं. 1, पृ. 133–168, 2013.

[31] पी.के. मिश्रा, ए. मिश्रा, के. एस. मिश्रा और ए. के. त्रिपाठी,''मॉडयूल्स के डायनेमिक वरीयता का प्रयोग करते हुए मल्टीप्रोसेसर प्र्यावरण के लिए क्लसटरिंग एलगोरिथम की बेंचमार्किंग'', *एप्ला. मेथ मॉडल,* खंड 36, सं. 12, पृ. 6243–6263, दिसंबर 2012.

[32] वी.एस. चौरसिया, ए. के. तिवारी, और आर. गंगोपाध्याय, ''स्वस्थ और पेथोलोजिकल विषयों में फेटल हर्ट साउंड का स्पेकटरल विशलेषण'', *आईजेएमईआई,* खंड4, सं. 2, पृ. 125–139, 2012.

[33] पी. के. मिश्रा, के. एस. मिश्रा, ए. मिश्रा और ए. के. त्रिपाठी, ''मल्टीप्रोसेसर प्र्यावरण के लिए एक रेंडमाइजड सेडयूलिंग एलगोरिथम'', *पेरेलल प्रोसेस. लेट.,* खंड 22, सं. 04, पृ 1250015, दिसंबर 2012.

[34] वी. एस.चौरसिया, ए. के. तिवारी, रंजन गंगोपाध्याय, ''फोनोकार्डिओग्राफी का प्रयोग करते हुए एंटीपार्टम एंटीनेटल देखभाल के लिए एडाप्टिव न्यूरो–फजी इंफरेंस प्रणाली, *अंतरा. बायोमेडिकल इंजीनियरिंग एवं प्रोद्योगिकी जरनल,* खंड 8, सं. 4, 357–374, 2012.

[35] वी. एस. चौरसिया, ए. के. तिवारी, रंजन गंगोपाध्याय, ''बायोटेलीमेटरी के जरिए फेटल ई–स्वास्थय मॉनिटरिंग प्रणाली का कार्यान्वयन'', *अंतर्रा. इलैक्ट्रानिक्स हेल्थकेयर जरनल,* खंड 7, सं. 1, 36–52, 2012

[36] वाई. ए. जेटमेनेनको, एम. फोनारी, सी. रिस्को, बी. संधु, ई. गलान, एल. झ़ु, पी. टोंगवा, डी. के. हवांग, एस. सिंह, एच. वांग, एस. पी. तिवारी, वाई. एल. लू, जे. एल. ब्रीडस, बी. किपलेन, टी. टिमोफेवा और एस. आर. मार्डर, ''बेंजोल[1,2–बी'6,5–बी'] डाईथिओफीन(डाईथिआजोल) 4,5–डाओन डेरेविटेवसः सिंथेसिस, इलैक्ट्रोनिक लक्षण, क्रिस्टल पेकिंग और चार्ज परिवहन'', *जे. मेटर केम. सी,* खंड1,सं. 7, पृ 1467, 2013.

[37] एस. पी. तिवारी, जे. किम, के. ए. कनूर, डी. के. हवांग, एल. ई. पोलंदर, एस. बर्लो, एस. आर. मार्डर और बी. किपेलेन, '' एम्बीपोलर सॉल्यूशन–प्रसंस्कृत मॉलीक्यूलर बिस (नेपथालीन डामाईड) –डाथाइनोपाइरोल डेविवेटिव पर आधारित अनुपूरण जैसे इन्वर्टर'', *ओरग. इलैक्ट्रोन,* खंड 13, सं. 7, पृ. 1166–1170, जुलाई 2012.

[38] सी. हुआंग, डब्लयू. जे. पोटस्केवेज, एस. पी. तिवारी, एस. सुटकु, एस. बर्लो, बी. किपलेन और एस. आर. मार्डर, ''ओरगेनिक इलैक्ट्रानिक एप्लीकेशन के लिए पेंडेंट पेरीलीन डाईलिमाईडेस के साथ पोलीनोरबोरनीस'', *पोलीम. केम.* , खंड 3, सं. 10 , पृ. 2996, 2012.

प्रणाली विज्ञान उत्कृष्टता केन्द्र

[39] बी. अधिकारी, '' क्वाडरेटिक दो–पेरामीटर मेट्रिक पोलीनोमिअल के लिए लीनियराईजेशन का वेकटर स्पेस,'' *लिनिअर मल्टीलिनिअर एल्जेबर.,* खंड 61, सं. 5, पृ. 603–616, जुलाई 2012.

[40] ए. कुमार, एस. अधिकारी, और पी. अग्रवाल,''ऑप्टीमल टेलीपोर्टेशन विटनेसिस का सामान्यीकृत स्वरूप'' *क्वांटम इंफो. प्रोसेस,* खंड 12, संख्या 7, पृ. 2475–2485, 2013.

[41] टी. प्रमाणिक, एस. अधिकारी, ए. एस. मजुमदार, और डी. होम, ''केवीटी का उपयोग करते हुए एकल फोटोनस की परीक्षण गैर स्थानीयता'', *फिजि. लेट. ,* खंड 376, संख्या 4, पृ. 344–348, 2012.

[42] एन. गांगुली, एस. अधिकारी, और ए. एस. मजुमदार, ''समान विटनेसिस और उनके लक्षण'', *क्वांटम इंफो. प्रोसेस,* खंड 12, सं. 1, पृ. 425–436, 2013.

[43] ए. के. अलोक और एस. गंगल, ''जेड–माध्यम परिवर्तनीय न्यूट्रल करंट वाले मॉडल में बी→एस डिके'', *फिजि. रिव्यू. डी,* खंड 86, सं. 11, पृ. 114009, दिसंबर 2012.

[44] सी. एम. चन्द्रशेखर, एस. के. गोयल, और एस. बनर्जी, ''क्वांटम वाक का प्रयोग करते हुए स्पाशियली पृथक प्रणाली में एंटेंगलमेंट सृजन'', खंड 2012, सं. जून, पृ. 15–22, 2012.

[45] एस. एन. संध्या और एस. बनर्जी, ''जिओमेट्रीक फेजः एंटेंगलमेंट का सूचकांक'', *यूर. फिजि. डी,* खंड 66, सं. 6, पृ.1–6, 2012.

[46] एस. ओंकार, आर. श्रीकांत, और एस. बनर्जी, ''डिसापटिव और गैर डिसापटिव सिंगल–क्यूबिट चैनलसः डानेमिक्स और जिओमेट्री,'' *क्वांटम इंफो. प्रोसेस,* खंड 12, सं. 12, पृ. 3725–3744, 2013.

[47] एच. शेखर, एस. बनर्जी और ए. चटर्जी, ''प्राचीन रूप से संचालित तीन आयामी एटम का प्रयोग करते हुए दो–फोटोन राज्य सृजित का नियंत्रण योग्य मात्रात्मक संबंध'', *एन. फिजि., न्यूयार्क,* खंड 331, पृ. 97–109, 2013.

[48] एस. अधिकारी और एस. बनर्जी, ''टेलीपोरटेशन फिडिलिटी के रूपा में डिस्कार्ड का संचालनात्मक अर्थ'', *फिजि. रिव्यू. ए,* खंड 86, सं. 6, पृ. 062313, दिसंबर, 2012.

[49] एस बनर्जी, सी. एम. एम. चंद्रशेखर, और ए. के. पती, ''डिकसेहोंय द्वारा जिओमेट्रिक वृद्विः एक पोरेंडो प्रभाव'', *फिजि. रिव्यू ए,* खंड 87, सं. 4, पृ. 042119, अप्रैल 2013.

[50] एस. वलिआवलापिल और एस. हरिणिप्रिया, '' सोल्वेंट कोएगुलेशन पद्वति द्वारा विद्युत रूप से संचालित नाइलोन 6,6–पोलीअनीलाईन लघु कम्पोजिट फाइबर सिंथेसिस'', *सिंथ. मे.,* खंड 162, सं. 23, पृ. 2027–2032, दिसंबर, 2012.

[51] के. आर. हीरामठ, एल. सिडरिच, और एफ. सिमिडट, ''नीडेलेक फाईनाईट घटकों का प्रयोग करते हुए कर्मिक आकार के नेनो–प्लासमोनिक ढ़ांचे के लिए गैर–स्थानीय हाईड्रोडायनेमिक ड्रूड मॉडल का सांख्यिकी हल'', *जे. कम्पयूटे. फिजि.,* खंड 231, सं. 17, पृ. 5890–5896, जुलाई 2012.

[52] ई. एफ. फ्रेंनचिमोन, के. आर. हीरामठ, आर. सटोफर, और एम. हेमर, ''समेकित ऑप्टीकल माइक्रोरिंग अथवा माइक्रोडिस्क सर्किट में विस्परिंग गेलरी मोडस का सह–संबंधः हाइब्रिड कप्लड मोड थ्योरी मॉडल'', *जे. ऑप्टी. सोक. एम. बी,* खंड 30, सं. 4, पृ. 1048, मार्च 2013.

[53] एम. मजुमदार, और डी. एस. बनर्जी, ''विकासशील देशों में कीमत भेदभाव, समानांतर व्यापार और पेटेंट की गई दवाओं की उपलब्धता के विषय में'', *अंत. रिव्यू.ला इकोन.,* खंड 32, सं. 1, पृ. 188–195, मार्च 2012.

[54] एम. डी. श्रीमाली और एस. बनर्जी, ''समान गैर रेखीय विज्ञान संख्या साइमुलेट विलंबित क्यू–डिफोर्मड संभार–तंत्रीय मानचित्र'', *क्मयून. नॉनलिनियर साईं. नुमरि. साइमुल.,* खंड 18, सं. 11, पृ. 3126–3133, 2013.

सम्मेलन प्रस्तुती और प्रकाशन

1. राकेश शर्मा, पीयूष शर्मा, दिग्पाल कुमार, लालतू चन्द्रा, पी. प्रदीप कुमार और राजीव शेखर, *''सौर थर्मल उप–प्रणालियों का निर्माण करने के लिए ताप तथा फलूईड फलो के प्रयोग के संबंध में''*, नवीकरणीय उर्जा संबंधी अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस की कार्रवाई 2012, पीडीपीयू, गांधीनगर।

2. अग्रवाल, आर. वी. मैत्री, पी. गर्ग, लालतू चंद्रा, *''अंतरिक्ष प्रशीतन हेतु भू–वायु ताप आदान–प्रदान प्रणालियों का डिजाइन और विश्लेषण''*, आईईईई तीसरे इंटरनेशनल सतत उर्जा प्रौद्योगिकी सम्मेलन की कार्रवाई'', (10.1109/आईसीएसईटी.2012.6357430,385-390,2012,आईईईई) 2012, काठमांडु, नेपाल।

3. अम्बेश दीक्षित, ब्रजेश तिवारी, एम.एस. रामचंद्रन राव, *'' एलएसीआरओ3 में गैर–रेखीय कमजोर फेरोमेंगनेटिस्मः एक सैद्वांतिक अध्ययन''*, डीएई–बीआरएनएस चौथे अंतर–विषयक सामग्री रसायन सिम्पोजियम की कार्रवाई, 11–15 दिसंबर 2012, बीएआरसी मुम्बई।

4. ई. अब्दुलहमीद, आर. मुखर्जी, डी. मिश्रा, अम्बेश दीक्षित, बी. नाडगोर्नी, जी. लावेस, *''इंडियम ऑक्साईड फिल्मों में यूीव इंडयूसड स्टेबल कंडक्टिविटी''*, एपीएस मार्च बैठक, खंड 58, सं. 1, 18–22 मार्च 2013, बाल्टीमोर, यूएसए।

5. चिंग इंग पिंग; विवेक दीक्षित; सून थोर लिम और इर–पिंग ली, *''सिलिकॉन बेसड मॉडयूलेटर का सटीक उच्च–गति नेत्र चित्र साइमुलेशन''*, एसपीआईई 8629 की कार्रवाई, सिलिकॉन फोटोनिक्स 8, 86290एस, मार्च 14, 2013.

6. केनसुके ओगावा; काजुहीरो गोई; हीरोयुकी कुसाका; योशिहीरो टेराडा; सुंग–यांग लिओ, विवेक दीक्षित एट अल., *''ऑप्टीकल फाइबर दूरसंचार के लिए अल्प–घाटा उच्च–गति सिलिकॉन मैच–जेन्डर मॉडुलेटर''*, एसपीआईई 8629 की कार्रवाई, सिलिकॉन फोटोनिक्स 8, 86290एस, मार्च 14, 2013.

7. सून थोर लिम; माओकिंग ज़िन; चिंग इंग पिंग; विवेक दीक्षित और अरोन जे. डेनर, *''हाइब्रिड सिलिकॉन आर्गेनिक उच्च गति इलैक्ट्रो फेज स्टीफर''*, एसपीआईई 8619 की कार्रवाई, ऑप्टोइलैक्ट्रोनिक उपकरणों की भौतिकी और साइमुलेशन XXI, 86191 के, 14 मार्च, 2013.

8. उदित रॉय, गौरव हरित, *''वेवलेट डोमेन में संबद्व घटकों के पर्यवेक्षित वृगीकरण का प्रयोग करते हुए कैमरा अर्जित दस्तावेज इमेज की उद्दरण खोज''* पैटर्न पहचान संबंधी इंटरनेशनल सम्मेलन की कार्रवाई, आईसीपीआर, 11–15 नवंबर, 2012, सुकुबा विज्ञान सिटी, जापान।

9. गौरव हरित, अनुकृति बंसल, *''हेडर एंड ट्रेलर पद्वति का प्रयोग करते हुए दस्तावेज इमेज में तालिका खोज''*, भारतीय कम्पयूटर विजन, ग्राफिक्स और इमेज प्रसंस्करण सम्मेलन की कार्रवाई, आईसीवीजीआईपी, 16–19 दिसंबर, मुम्बई।

10. के. आर. हीरेमाठ, एल, सीडरिच, एस. बर्जर और एफ. स्मिडट, *''नेना–प्लासमोनिक स्केटर्स का गैर स्थानीय हाइड्रोडायनेमिक ड्रूड रेजोनेंसःमॉडलिंग तथा साइमुलेशन''*, ईसीआईओ की कार्रावाई, 18–20 अप्रैल, 2012, सिटगेस, स्पेन।

11. सुष्मिता झा, *''मस्तिष्क में कचरा निकासः ज्वलन की जटिलताएं और मरम्मत''*, युवा अन्वेषक बैठक वाईआईएम की कार्रवाई, जोधपुर, इंडिया बॉयोसाईंस, 9–13 फरवरी, 2013.

12. पुरा राम, ए. के.प्लापले, जार्ज, के. जे. , *''भारत में थार रेगिस्तान के नजदीक जोधपुर में लोगों के वैयक्तिक मूल्यों, सामाजिक प्रभाव और दैनिक कार्यों पर आधारित घरेलू जल प्रयोग का मूल्यांकन''*, वाच एशिया की कार्रवाई, 1,11–18, 13–14 फरवरी 2013, मुम्बई।

13. बरुण प्रतिहर, *''रेजोनेंट एमईएमएस सेंसर एक्चुएटिड विद्युत के गैर रेखीय व्यवहार का परिवर्तन''*, यूरोसेंसर की कार्रवाई, रोक्ला यूनिवर्सिटि ऑफ टेकनोलोजी, 9–12 सितंबर, 2012, क्राको, पोलेंड।

14. बी. रवीन्द्र, *''अमोरफस सिलिकॉन आधारित छत और समेकित फोवोल्टिक संचंत्रों का निर्माण''*, नवीकरणीय उर्जा संरक्षण तथा स्टोरेज उपकरणों के लिए नेनोसामग्री और नेनोप्रौद्योगिकी में उन्नति संबंधी नेशनल सम्मेलन की कार्रवाई, एएनएनआरईसीएसओ–12 कुकार, जयपुर में आयोजित, 2012.

15. आशुतोष सिंगला, जया शुक्ला, अनिल कुमार तिवारी, सुनिल प्रसाद जयसवाल, विनित जखेतिया, *''विडियो की हानिरहित तुलना के लिए अनुकूल आकलक अवसंरचना'', 22वें* आईईईई आंकड़ा कम्प्रेशन सम्मेलन की कार्रवाई, डीसीसी, 410, 10–12, अप्रैल 2012, साल्अ लेक सिटी, यूएसए।

16. आशुतोष सिंगला, अनिल कुमार तिवारी, सुनिल प्रसाद जयसवाल, विनित जखेतिया, *''विडियो की हानिरहित तुलना के लिए अनुकूल आकलक अवसंरचना''*, आईईईई आंकड़ा कम्प्रेशन सम्मेलन की कार्रवाई, डीसीसी, 410, 10–12, अप्रैल 2012, साल्अ लेक सिटी, यूएसए।

17. विनित जखेतिया, सुनिल प्रसाद जयसवाल, आशुतोष सिंगला, अनिल कुमार तिवारी, *''स्लोप आकलन तथा न्यूनतम वर्ग इष्टीकरण का प्रयोग करते हुए एक हानिरहित इमेज आकलन एलगोरिथम''*, 29वें आईईईई इंटरनेशनल इंस्ट्रूमेंटेंशन और माप प्रौद्योगिकी सम्मेलन की कार्रवाई, 1567–1570, 13–16 मई, 2012, ग्राज, आस्ट्रिया।

18. विनित जखेतिया, सुनिल प्रसाद जयसवाल, आयुष कुमार, अनिल कुमार तिवारी, *''प्राकृतिक इमेज के लिए एक अल्प जटिल संदर्भ आधारित इमेज इंटरपोलेशन एलगोरिथम''*, 29वें आईईईई इंटरनेशनल इंस्ट्रूमेंटेंशन और माप प्रौद्योगिकी सम्मेलन की कार्रवाई, 969–972, 13–16 मई, 2012, ग्राज, आस्ट्रिया।

19. सुनिल प्रसाद जयसवाल, विनित जखेतिया, आयुष कुमार, अनिल कुमार तिवारी, *''वास्तविक समय प्रयोग के लिए एक अल्प जटिल संदर्भ आधारित अनुकूल इमेज इंटरपोलेशन एलगोरिथम''*, आईईईई इंटरनेशनल इंस्ट्रूमेंटेंशन और माप प्रौद्योगिकी सम्मेलन, 12एमटीसी, की कार्रवाई, 1–4, 13–16 मई, 2012, ग्राज, आस्ट्रिया।

20. विनित जखेतिया, सुनिल प्रसाद जयसवाल, अनिल कुमार तिवारी, आस्कर सी. एयू *''हानिरहित इमेज कोडिंग के लिए इंटरपोलेशन आधारित कमवार आकलन अवसंरचना''*, आईईईई इंटरनेशनल सर्किट एवं सिस्टम सिम्पोजियम की कार्रवाई, 2913–2916, 20–23 मई, 2012, सीओल, कोरिया।

21. विनित जखेतिया, सुनिल प्रसाद जयसवाल, अनिल कुमार तिवारी, आस्कर सी. एयू *''हानिरहित इमेज कोडिंग के लिए इंटरपोलेशन आधारित कमवार आकलन अवसंरचना''*, आईईईई इंटरनेशनल सर्किट एवं सिस्टम सिम्पोजियम की कार्रवाई, 2913–2916, 20–23 मई, 2012, सीओल, कोरिया।

22. गौरव मितल, विनित जखेतिया, सुनिल प्रसाद जयसवाल, अनिल कुमार तिवारी, आस्कर सी. एयू, *''न्यूनतम जोखिम आधारित वृगीकरण का प्रयोग करते हुए बिट–डेप्थ विस्तार''*, *आईईईई विजुअल संचार एवं इमेज प्रोसेसिंग''*, 27–30 नवंबर, 2012, सेन डीगो।

23. जूही भदविया, सुनिल प्रसाद जयसवाल, विनित जखेतिया, अनिल कुमार तिवारी, *''हानिरहित वीडियो कोडिंग के लिए टेम्पोरल रिडन्डेंसी की खोज''*, द्विवार्षिक आईईईई एपीसीएएस की कार्रवाई 2012, 663–666, 2–5 दिसंबर, 2012, ताईवान।

24. आयुष कुमार, निमिषा अग्रवाल, जूही भदविया, अनिल कुमार तिवारी, *''इमेज इंटरपोलेशन के लिए सक्षम 2–डी जेकोबिअन इटरेशन मॉडलिंग''*, 19वें आईईईई इंटरनेशनल इलैक्ट्रानिक्स, सर्किट और सिस्टम सम्मेलन की कार्रवाई, 977–980, 9–12 दिसंबर, 2012, सेवेली, स्पेन।

संकाय सदस्य और विशेषज्ञता

प्रेम के. कालरा	प्रोफेसर और निदेशक	मेनिटोबा विश्वविद्यालय, कनाडा	इलैक्ट्रीकल इंजीनियरिंग : पावर सिस्टम, एक्सपर्ट सिस्टम, एचवीडीसी ट्रांसमिशन, डी रेग्यूलेटेड पावर सिस्टम, एजुकेशनल पैराडिगम, डाटा माइनिंग, फजी लोजिक सिस्टक, न्यूरल नेटवर्क, कम्प्यूटेशनल न्यूरो साईंस इमेज प्रोसेसिंग स्वतंत्र घटक विश्लेषण और ब्लाइंड सोर्स सेपरेशन, कर्म (ज्ञान अर्जन, अनुरक्षण, प्रबंधन, प्रसार और प्रयोग)
अभिषेक मिश्रा	सहायक प्रोफेसर	आई.आई.टी. बी.एच.यू.	कम्पयूटर विज्ञान और इंजीनियरिंगः एलगोरिथिम और जटिलता
अखिलेश मोहन	सहायक प्रोफेसर	आई.आई.टी. कानपुर	इलैक्ट्रीकल इंजीनियरिंग : आरएफ एंड माइक्रोवेव कम्यूनिकेशन, माइक्रोवेव कम्यूनिकेशन, माइक्रोवेव फिल्टर मेटामेटेरियल्स, फिल्टर प्रयोग के लिए आरएफ–एमईएमएस
अम्बेश दीक्षित	सहायक प्रोफेसर	वैन स्टेट विश्वविद्यालय	फिजिक्स : सेमीकंडकटर, मल्टीफंग्सनल फेरोइक्स तथा ऊर्जा फेब्रिकेशन और वर्गीकरण के लिए सामग्री, फोटोवोल्टीक सामग्री तथा उपकरण एबइनीसिओ डीएफटी अध्ययन तथा उपकरण साइमुलेशन
अमित मिश्रा	सहायक प्रोफेसर	राष्ट्रीय मस्तिष्क शोध केन्द्र	बायोलोजी : सेलुलर एंड मोलीक्यूलर न्यूरोसाईस, सेल साईकल रेगूलेशन और कैंसर
आनंद कृष्णन प्लापले	सहायक प्रोफेसर	ओहायो स्टेट विश्वविद्यालय	मैकेनिकल इंजीनियरिंग : एनर्जी वाटर नेक्सस, वाटर/वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट, हाइड्रोलॉजी, सामग्री यांत्रिकी, प्रोबेबिल, इंजीनियरिंग पद्धति, कृषि जल प्रबंधन
अनन्या देबनाथ	सहायक प्रोफेसर	भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर	मल्टी स्केल मॉडलिंग, प्रोटीन मेमब्रेन बायोफिजिक्स, डायनेमिक्स तथा इंटरफेसियल जल का थर्मोडायनेमिक्स, सक्रिय प्रक्रिया का पोलीमर डायनेमिक्स तथा अवरोध रहित रिएक्शन, पाथ इंटीग्रलस की थ्योरी
अंकिता शर्मा	सहायक प्रोफेसर	बी.एच.यू.	मनोचिकित्साः जीरोनटोलोजी, क्लिनिकल तथा सकारात्मक मनोचिकित्सा

अनिल कुमार तिवारी	सहायक प्रोफेसर	आई.आई.टी. खड़गपुर	इलैक्ट्रीकल इंजीनियरिंग इमेज प्रोसिसिंग, वीडियो प्रोसेसिंग और सिग्नल प्रोसेसिंग इन बायोमेडिकल
अंशु लुईस	सहायक प्रोफेसर	आई.आई.टी. कानपुर	अंग्रेजी : अमरीकी साहित्य, साहित्य तथा अवस्थापनात्मक थ्योरी, पोस्टमोर्डन फिक्सन तथा अंग्रेजी भाषा और संचार
अरणब दत्ता	सहायक प्रोफेसर	आई.आई.टी. मुम्बई	इलैक्ट्रीकल इंजीनियरिंग : इलैक्ट्रीकल वर्गीकरण, सेमीकंडकटर उपकरणों का टी–कैड और मोन्टीकार्लो मॉडलिंग, प्रौन्नत मॉस्फैट वर्गीकरण मुद्दे, एमईएमएस विश्वसनीयता प्रोजक्शन हेतु सांख्यिकी मॉडलिंग, समेकित ऑपटिकल उपकरण मॉडलिंग, एमओएस उपकरणों का फेब्रिकेशन
आशुतोष कुमार आलोक	सहायक प्रोफेसर	आई.आई.टी. मुम्बई	फिजिक्स : पार्टीकल फिजिक्स और ब्रह्मांड शास्त्र
अतुल दुबे	सहायक प्रोफेसर	रूटगर्स विश्वविद्यालय, यू.एस.ए.	यांत्रिक इंजीनियरिंग : ग्रैनूलर डायनेमिक्स, सोलर थर्मल ऊर्जा प्रयोग, कम्प्यूटेशनल इंजीनियरिंग, बायोइंजीनियरिंग
अतुल कुमार	विजिटिंग सहायक प्रोफेसर	आई.आई.टी. मद्रास	रसायन शास्त्र : क्वांटम सूचना प्रसंस्करण
रवीन्द ब्रह्मज्योसुला	एसोसिएट प्रोफेसर	आई.आई.टी. कानपुर	यांत्रिक इंजीनियरिंग : मैकेनिक्स, मेकाट्रॉनिक्स और सोलर एनर्जी
बरुण प्रतिहर	सहायक प्रोफेसर	आई.आई.टी. गुवाहाटी	मैकेनिकल इंजीनियरिंग : डायनेमिक मॉडल और साइमूलेशन, गैर–रेखीय डायनेमिक्स, स्थिरता विश्लेषण, परटूरवेशन तकनीक, लोचशील रोबर्ट, लोचशील पाईपों अथवा कार्बन नैनो ट्यूब में फ्ल्यूड स्ट्रक्चर इंटरएक्शन, मॉडलिंग और डायनेमिक रेसपौंस एमईएमएस उपकरण
विभास अधिकारी	सहायक प्रोफेसर	आई.आई.टी. गुवाहाटी	गणित और सांख्यिकी : रेखीय और गैर–रेखीय अलजबरा प्रणाली, इस्टीकरण तकनीक, नेटवर्क प्रणाली

दीपक कुमार एम. फुलवानी	सहायक प्रोफेसर	आई.आई.टी. मुम्बई	इलैक्ट्रीकल इंजीनियरिंग : अनिश्चित प्रणालियों का नियंत्रण और स्टेट आकलन, पावर प्रणाली, विंड एनर्जी कनवर्जन सिस्टम में नियंत्रण मुद्दे
गौरव हरित	सहायक प्रोफेसर	आई.आई.टी. दिल्ली	कम्प्यूटर साईंस और इंजीनियरिंग : इमेज तथा विडियो विश्लेषण
गौरीशंकर एस. हीरेमाठ	सहायक प्रोफेसर	हैदराबाद विश्वविद्यालय	अर्थशास्त्र : वित्तीय अर्थशास्त्र, वित्तीय बाजार, अंतर्राष्ट्रीय वित्त, ऊर्जा की अर्थव्यवस्था, दीर्घ यादगार, कोपरेटिव
हरिनारायणन् वी.	सहायक प्रोफेसर	आई.आई.टी. कानपुर	दर्शन शास्त्र : ज्ञान अध्ययन, विकास थ्योरी, विश्लेषणात्मक दर्शन और माइंडफूलनेस
जॉर्ज कोडिमट्टम जोसेफ़	सहायक प्रोफेसर	आई.आई.टी. कानपुर	दर्शन शास्त्र : प्रयुक्त नीति शास्त्र, प्रौद्योगिकी नीति शास्त्र, जैविक नीति शास्त्र
के.के. दुआ	विजिटिंग संकाय		प्राणी विज्ञान (पर्यावरणीय प्रदूषण), जैविक नीति शास्त्र
किरण कुमार राजशेखर हीरेमाठ	सहायक प्रोफेसर	टवेंटे विश्वविद्यालय (नीदरलैंड)	गणित और सांख्यिकीः थ्योरिटिकल, गणितीय और वेव–मेटर इंटरएक्शन के कम्पयूटेशनल पहलु
लालतू चन्द्रा	सहायक प्रोफेसर	फोरश्चूंगसेनट्रम कार्लसुई जीएमबीएच एंड यूनिवर्सिटी ऑफ कार्लसुई, जर्मनी	यांत्रिक इंजीनियरिंग : सोलर थर्मल सिस्टम, थर्मल हाइड्रोलिक्स, टर्बोलेंस साईमूलेशन (डीएनएस/एलईएस/हाईब्रिड/आरएएनएस) और मॉडल विकास, कम्प्यूटेशनल, फ्ल्यूड डायनेमिक्स, हीट एक्सचेजर डिजाइन
मैनाक मजूमदार	सहायक प्रोफेसर	सामाजिक तथा आर्थिक परिवर्तन संस्थान (आई.एस.ई. सी.), बंगलौर	अर्थशास्त्र : बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआ) और औषधीय उद्योग, उत्पादकता तथा सक्षमता विश्लेषण, वृद्धि और क्षेत्रीय विकास, असमानता गरीबी और सामाजिक जुटाव
महेश कुमार	सहायक प्रोफेसर	भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर	भौतिकीः एमबीई द्वारा समूह III-V मात्रात्मक अवसंरचना, पतली फिल्मों और नेनोअवसंरचना की वृद्वि, एलईडी के लिए समूह ।।।– नाईट्राईड एलॉयस, एचईएमटी तथा फोटोवोल्टिक प्रयोग, अकार्बनिक हाब्रिड अवसंरचना बैंडगेप इंजीनियरिंग पर विशेष ध्यान के साथ, एमईएमएस के लिए एसआई

			तथा वृहत बैंडगेप सेमीकंडकटर, माइक्रो तथा नेनो डिवाईस फेब्रिकेशन।
मणिकंदन परंजोति	सहायक प्रोफेसर	आई.आई.टी. कानपुर	रसायनः थ्योरिटकल एवं कम्पयूटेशनल रसायन शास्त्र, केमिकल रिएक्शन डायनेमिक्स
मनीष देव श्रीमाली	सहायक प्रोफेसर	जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली	भौतिकी : गैर–रेखीय डायनेमिक और चाओस, जटिल प्रणाली, कम्प्यूटेशनल न्यूरोसाईंस
मीनू छाबड़ा	सहायक प्रोफेसर	आई.आई.टी. दिल्ली	बायोलॉजिकल विज्ञान और बायोइंजीनियरिंग : नवीकरणीय जैव ऊर्जा बायोरीमेडिएशन
मोनिका सिन्हा	सहायक प्रोफेसर	जाधवपुर विश्वविद्यालय	भौतिकी : एक्सट्रोफिजिक्स, एस्ट्रोपार्टिकल फिजिक्स
प्रदीप कुमार, पी.	सहायक प्रोफेसर	आई.आई.टी. मुम्बई	यांत्रिक इंजीनियरिंग : थर्मल हाइड्रोलिक, सोलर थर्मल सिस्टम, माइक्रोफ्लूइड
पुनीत शर्मा	सहायक प्रोफेसर	आई.आई.टी. दिल्ली	गणित और सांख्यिकी : टोपोलॉजिकल डायनामिक्स, लो–डायमेंशिनल चाओज
पुष्कर श्रीपाद जोगेलकर	सहायक प्रोफेसर	गणितीय विज्ञान संस्थान, चेन्नई	कम्प्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग : कम्प्यूटेशनल जटिलता, एलोगरिथम
प्रोद्युत रंजन चक्रवर्ती	विजिटिंग संकाय	भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर	यांत्रिक इंजीनियरिंगः हीट तथा मास हस्तांतरण, लेटेंट हीट आधारित थर्मल उर्जा भंडारण उच्च ताप प्रयोग के लिए, सक्रिय तथा असक्रिय सौर शीतकरण, ठोसकरण तथा एलॉय को पिघलाना, थर्मोडायनेमिक्स, सांख्यिकी ताप हस्तांतरण
राहुल छिब्बड़	सहायक प्रोफेसर	आई.आई.टी. रूड़की	यांत्रिक इंजीनियरिंग : वेल्डिंग तथा ज्वांइनिंग, प्रौन्नत विनिर्माण प्रक्रिया, छति यांत्रिकी, जैव सामग्री, सामग्री प्रसंस्करण
राहुल सिंघल	विजिटिंग सहायक प्रोफेसर	दिल्ली विश्वविद्यालय	ऊर्जा, बायोसेंसर
राजीव शेखर	विजिटिंग संकाय	केलीफ़ोर्निया विश्वविद्यालय	ऊर्जा

राकेश कुमार शर्मा	सहायक प्रोफेसर	भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर	रसायन : वाटर स्पीलिटिंग कैटेलिस्ट, सोलर हाइड्रोजन उत्पादन, मैक्रो मोलीक्यूल आधारित मोलीक्यूलर सेंसर, छोटे मोलीक्यूल एक्टिवेशन के लिए हैट्रोजिनियस उत्प्रेरक, स्टीरिओ कंट्रोल प्लास्टिक इलैक्ट्रानिक्स के लिए ग्रीन कमेस्ट्री उत्प्रेरक, फीड स्टॉक कमेस्ट्री, ऊर्जा हल के लिए उत्प्रेरक, डी–और एफ– ब्लॉक घटक के समन्वय आधारित कैमेस्ट्री, जल कैमेस्ट्री
रवीन्द्र अरोड़ा	प्रोफेसर	टी.यू. ड्रेसडेन, जर्मनी	इलैक्ट्रीकल इंजीनियरिंग : इलैक्ट्रीकल पावर सिस्टम, हाई वोल्टेज इन्सूलेशन इंजीनियरिंग, लाइटनिंग और बॉल लाइटनिंग फिनोमिना
राकेश सक्सेना	विजिटिंग संकाय		यांत्रिक इंजीनियरिंग
समन्विता पाल	सहायक प्रोफेसर	आई.आई.टी. मद्रास	रसायनः हल तथा सॉलिड स्टेट एनएमआर और एनक्यूआर स्पेक्ट्रोस्कोपी
संदीप कुमार यादव	सहायक प्रोफेसर	आई.आई.टी. कानपुर	इलैक्ट्रीकल इंजीनियरिंग : सिग्नल प्रोसेसिंग, कंडिशन मॉनिटरिंग, इमेज प्रोसेसिंग, डाटा कम्प्रेशन, ब्लाइंड सोर्स सैपरेशन, आर्टिफिशियल न्यूरल नेटवर्क
सत्यव्रत अधिकारी	सहायक प्रोफेसर	बंगाल इंजीनियरिंग और बंगाल विश्वविद्यालय, शिवपुर	गणित और सांख्यिकी : क्वाटंम सूचना
सत्यजीत साहू	सहायक प्रोफेसर	जादवपुर विश्वविद्यालय	भौतिकीः जीवविज्ञान प्रणाली में सूचना प्रसंस्करण
शालीग्राम तिवारी	विजिटिंग संकाय	आई.आई.टी. कानपुर	यांत्रिक इंजीनियरिंग : हीट और मास ट्रांसफर, कम्प्यूटेशनल, फ्लूड डायनेमिक्स, फ्लो ट्रांजिसन और इनस्टेबलिटी, रेफरिजेशन और एयर कंडिशनिंग
हरिणिप्रिया शेषाद्री	सहायक प्रोफेसर	आई.आई.टी. मद्रास	रसायन शास्त्र : लिथीयम आयन बैट्री, फ्यूल सैल, इलैक्ट्रो डिपोजिशन, थर्मल स्टोरेज सिस्टम, मोंटीकार्लो साइमूलेशन, मैटीरियल सिंथेसिस और वर्गीकरण

शन्मुगनाथन रामन	सहायक प्रोफेसर	आई.आई.टी. मुम्बई	इलैक्ट्रीकल इंजीनियरिंग : कम्प्यूटर विजन, कम्प्यूटेशनल फोटोग्राफी, हाईडायनेमिक रेंज इमेजिंग, सिंग्नल, इमेज प्रोसेसिंग, कम्प्यूटेशनल नैनो साईंस
श्री प्रकाश तिवारी	सहायक प्रोफेसर	आई.आई.टी. मुम्बई	इलैक्ट्रीकल इंजीनियरिंग : माइक्रो इलैक्ट्रोनिक्स एवं वीएलएसआई टेक्नोलॉजी, माइक्रो फैब्रिकेशन, आर्गेनिक इलैक्ट्रॉनिक्स, डिवाइश फिजिक्स एवं वर्गीकरण, नए उपकरण ढ़ांचे
सोनम मेहरोत्रा	सहायक प्रोफेसर	रूटगर्स, न्यू ब्रूनसविक, यू.एस.ए.	जैविक विज्ञान और जीव–इंजीनियरिंग : सैलूलर मौलीक्यूलर बायोसाईस, जैनेटिक इंजीनियरिंग, कैंसर बायोलॉजी
सुभाशीष बनर्जी	सहायक प्रोफेसर	जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली	भौतिकी : ओपन क्वांटम सिस्टम, क्वांटम सूचना, गैर–इक्वीलीब्रियम सांख्यिकी यांत्रिकी, क्वांटम ऑप्टीक्स
सुष्मिता झा	सहायक प्रोफेसर	यूनिवसिर्टी ऑफ नार्थ कैलीफोर्निया, चैपल हिल, यू.एस.ए.	सैलूलर और मौलीक्यूलर न्यूरो साईंस : सैलूलर और मौलीक्यूलर न्यूरो साईंस, सैल और मौलीक्यूलर फिज्योिलॉजी
वेंकटरमण बदरला	सहायक प्रोफेसर	आई.आई.टी. मद्रास	कम्प्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग : परिवहन, नेटवर्क, वायरलैस एडहाक में एम.ए.सी. लेज मुद्‌दे, मैश, सैंसर नेटवर्क। एक स्वायत्त/स्व–संचालित वायरलैस नेटवर्क प्रणाली के डिजाइन, रि–कॉफूगरेवल मैक–लेयर के कार्यान्वयन की तकनीक, ज्ञान रेडियो नेटवर्क के कार्यान्वयन की तकनीक, आईपीवी 6 के विकास पहलू और डब्ल्यू आईएमएएक्स से संबद्ध मुद्‌दों पर भी इच्छुक।
वी. नारायणन्	सहायक प्रोफेसर	आई.आई.टी. कानपुर	भौतिकी : ऑप्टीक्स एवं सोलर फील्ड डिजाइन, प्लासमोनिक्स, लेजर उत्पादित प्लाजमा (एलपीपी), प्लसर्ड लेजर डिपोजिशन (पीएलडी), प्लाजमा डायगनोस्टिक (इंटरफैरोमिट्री एवं ऑप्टीकल इमीशन स्पैक्ट्रोस्कोपी (ओईएस)) लेजर मैटर इंटरएक्शन तथा लेजर कलस्टर इंटरएक्शन।

विद्या सर्वेश्वरन	सहायक प्रोफेसर	आई.आई.टी. मद्रास	अंग्रेजी : साहित्य और पर्यावरण (ईकोक्रिटीसिज़म), फिल्म और साहित्य, ग्लोबल साऊथ का साहित्य, अनुवाद में क्षेत्रीय साहित्य, अमरीकी साहित्य
विवेक विजयवर्गीया	सहायक प्रोफेसर	आई.आई.टी. मद्रास	गणित और सांख्यिकी : वित्तीय जोखिम विश्लेषण, श्रेणीबद्ध आंकड़ा विश्लेषण, रिगरेशन
विवेक दीक्षित	सहायक प्रोफेसर	नेशनल यूनिवर्सिटि ऑफ सिंगापुर	इलैक्ट्रीकल इंजीनियरिंगः नेनोफोटोनिक/ऑप्टोइलैक्ट्रॉनिक उपकरण, सेमीकंडकटर उपकरण भौतिकी, III-V सेमीकंडक्टर, प्लासमोनिक्स
वी.वी.एम. शर्मा चन्द्रमौली	सहायक प्रोफेसर	स्टेट यूनीवर्सिटी ऑफ़ न्यूयॉर्क, स्टोनी ब्रूक, यू.एस.ए. और रग, नीदरलैंड	गणित और सांख्यिकी : सुचारू डायनेमिकल सिस्टम, यूनिमोडल मैप और हैनन जैसे मैप का पुनः सामान्यीकरण

संस्थान के कर्मचारी

नाम	पदनाम
डॉ. क्षेमा प्रकाश	उप पुस्तकालयाध्यक्ष
अमरदीप शर्मा	सहायक रजिस्ट्रार
बालू राम जाट	लेखापरीक्षा अधिकारी
अशीष कछवाहा	लेखा अधिकारी
गौरव निगम	कनिष्ठ अधीक्षक
संदीप सिंह चंडेल	कनिष्ठ अधीक्षक
सुदेश कुमार अग्निहोत्री	कनिष्ठ अधीक्षक
हिमांशु शर्मा	कनिष्ठ अधीक्षक
शरभ प्रधान	कनिष्ठ अधीक्षक
नरेश चौहान	कनिष्ठ लेखा अधिकारी
स्वाति कुशवाहा	कनिष्ठ सहायक
धनी राम	कनिष्ठ सहायक
विनय कुमार	कनिष्ठ अभियंता
चंद्रेश पारीक	कनिष्ठ अभियंता

राजेन्द्र वैश्नव	कनिष्ठ लेखाकार
शारद श्रीवास्तव	कनिष्ठ लेखाकार
डॉ. लीलाधर सँवल	चिकित्सा अधिकारी
डॉ. एम. एम. पुरोहित	चिकित्सा अधिकारी
डॉ. एम. एस. चारण	चिकित्सा अधिकारी
अपेश सिंह देवड़ा	पी.टी.आई.
कमल कुमार	पी.टी.आई.
रिम्पेश कटियार	तकनीकी अधीक्षक
नरेन्द्र कुमार सिंह	तकनीकी अधीक्षक
अमित कुमार सोनी	वरिष्ठ पुस्तकालय सूचना सहायक
धीरेन्द्र यादव	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
संजय	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
विजय	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
भरत पारीक	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
रिंकेश कुमार मंगल	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
शैलेन्द्र प्रताप सिंह	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
पूनम चंद सांखला	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
राजू पेटा	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
विवेक वर्मा	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
अमित गुप्ता	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
पंकज सिंह	कनिष्ठ तकनीकी प्रयोगशाला सहायक
अनुराग गुप्ता	कनिष्ठ तकनीकी प्रयोगशाला सहायक
प्रवीण सुथार	कनिष्ठ तकनीकी प्रयोगशाला सहायक
गणपत चौधरी	कनिष्ठ तकनीकी प्रयोगशाला सहायक

स्थायी समिति के माध्यम से नियुक्त कर्मचारी	
व्यक्ति का नाम	पदनाम
के. के. माथुर	सहायक परियोजना अधिकारी
एस. आर. पांडे	सलाहकार
बिमल रॉय	परियोजना अधिकारी
कुंदन कुमार	परियोजना सहायक
कविता दाधीच	स्टाफ नर्स

लीना गोयल	स्टाफ नर्स
नीरज गुप्ता	परामर्शदाता
गौरव माथुर	सहायक परियोजना अधिकारी
राजेन्द्र प्रसाद उतरेलिया	तकनीकी सहायक
राधेश्याम	वरिष्ठ परियोजना एसोसिएट
कृष्ण कुमार	कनिष्ठ सहायक
प्रियंका चौधरी	स्वास्थ्य सहायक
आर. के. जैन	तकनीकी सहायक
डी. डी. सिंह	तकनीकी सहायक
चंचल खंडेलवाल	उप परियोजना प्रबंधक

छात्र गतिविधियाँ

- अनन्य शासन प्रणाली (एस.सी.एच.ओ.डी.)
    - नट्स (एन.यू.टी.एस.)
    - प्रोम (पी.आर.ओ.एम.)
    - वेव्स (डब्ल्यू.ए. डब्ल्यू.ई.एस.)
    - सेज (एस.ए.जी.ई.)
    - मैड (एम.ए.डी.)
- मुख्य छात्र इवेंट
- परिवर्तन
- राष्ट्रीय उत्सव
- परामर्श सेवा
- छात्र प्लेसमेंट सेल
- एल्युमिनी संघ
- छात्रों की सूची

अनन्य शासन प्रणाली

साकल्यवादी विकास छात्र परिषद (एससीएचओडी) एक विनियामक निकाय है जो आई.आई.टी., राजस्थान में सभी छात्र गतिविधियों को सुकर बनाती है और उनका अभिशासन करती है। संकाय सदस्यों से सहकारी सहयोग के साथ एस.सी.एच.ओ.डी. का संचालन पूर्णतः छात्रों द्वारा किया जाता है। एस.सी.एच.ओ.डी. का अध्यक्ष चुना हुआ नेता होता है। छात्रों के सभी हितों के लिए अभिशासन निकाय के रूप में कार्य करने के अलावा एस.सी.एच.ओ.डी. पॉच विभिन्न इकाईयों की गतिविधियों का समन्वय करती है।

1. नट्स (एन.यू.टी.एस.) :	नर्चरिंग अंडरस्टेंडिंग टेक्नोलॉजी एंड साईंस
2. प्रोम (पी.ओर.ओ.एम.) :	संवर्धन, संबंध, अवसर और प्रबंध परिषद
3. वेव्स (डब्ल्यू.ए. डब्ल्यू.ई.एस.) :	लेखन, जागरूकता, स्वर, मनोरंजन तथा सामाजिक जागरूकता
4. सेज (एस.ए.जी.ई.) :	खेलकूद, साहस तथा खोज
5. मैड़ (एम.ए.डी.) :	मीडिया आर्टस डिजाइन

ये परिषदें इकट्ठे कार्य करती हैं और छात्रों के लिए इसका नेतृत्व तथा संचालन छात्रों द्वारा किया जाता है। ये परिषदें कैम्पस में बाह्य गतिविधियों का संचालन करती हैं। प्रत्येक काउंसिल में विभिन्न क्लब है। जिनके माध्यम से यह कार्य करती हैं और विभिन्न गतिविधियॉ चलाती हैं।

एस.सी.एच.ओ.डी. की संपूर्ण गतिविधियों में संस्कृति, तकनीकी, खेल, मीडिया तथा प्रबंधन शामिल होते हैं। एस.सी.एच.ओ.डी. को आई.आई.टी., जोधपुर के हर छात्र का ध्यान आकर्षित करना होता है। एस.सी.एच.ओ.डी. आयोजन, डिजाइनिंग तथा अंतरा और अंतर कॉलेज इवेंटों के संचालन के लिए जिम्मेदार होती है।

नर्चरिंग अंडरस्टेंडिंग टेक्नोलॉजी एंड साईंस (नट्स – एन.यू.टी.एस.)

एन.यू.टी.एस. छात्र इकाई एस.सी.एच.ओ.डी. का भाग है और यह छात्रों को नई चीजों को समझने, सीखने, सृजित करने और प्रयास करने के लिए तथा काफी मनोरंजन के लिए प्रौद्योगिकी के आश्चर्यजनक संसार का पता लगाने हेतु अवसर प्रदान करता है। यह छात्र के लिए अपने स्वपन को महसूस करने तथा अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकी विकसित करने का एक मंच है।

एन.यू.टी.एस. प्रत्येक व्यक्ति को अपनी पारंपरिक सीमाओं से आगे सोचने की अपेक्षा करती है। यह छात्रों को उसकी कल्पना को उजागर करने सहायता प्रदान करने का अवसर देती है और यह उसकी प्रतिमा को दर्शाने का एक आदर्श मंच है। नट्स के सदस्य ठीक ही कहते हैं ''हम चीजों को उड़ाते हैं'', इलैक्ट्रानिक गजट बनाते हैं, हमारे स्वयं के संचार उपकरण बनाते हैं, हम आकाश में गहरा देखते हैं; हमारे स्वयं के कोड लिखते हैं तथा हमारा स्वयं का रॉबट बनाते हैं।

मीडिया, आर्टस और डिजाइन परिषद (मैड़ – एम.ए.डी.)

मीडिया, आर्टस और डिजाइन परिषद आई.आई.टी. परिषद की सार्वधिक सक्रिय छात्र परिषदों में से एक है। एम.ए.डी. परिषद के तहत छात्र स्वयं सेवकों के अलावा सक अधिकारिक समन्वयक और एक सहायक समन्वयक की सहायता से पॉच क्लब काफी सक्षम और सुचारू रूप से कार्य करते हैं। सभी क्लब महा कार्यकारी परिषद के सीधे पर्यवेक्षण के अधीन हैं। एम.ए.डी. परिषद के तहत निम्नलिखित क्लब आते हैं।

- फोटोग्राफी और फोटो–एडिटिंग क्लब
- विडियो एडिटिंग क्लब
- फाइन आर्टस क्लब
- मीडिया सक्रीनिंग
- एनिमेशन

यह परिषद कला प्रदर्शनी, एनिमेशन, फोटोग्राफी तथा सृजनात्मक कार्यशालाओं को शामिल करते हुए कई अंतरा कॉलेज इवेंटों के संचालन के अतिरिक्त आई.आई.टी., जोधपुर की संस्कृति परिषद के सहयोग से आई.आई.टी., जोधपुर के अंतरा कॉलेज सांस्कृतिक उत्सव ''स्पंदन'' का आयोजन करती है। परिषद आई.आई.टी., जोधपुर की राष्ट्र स्तरीय अंतर कॉलेज टेकनोख सांस्कृतिक उत्सव ''इग्नस'' की प्रमुख उत्सव समिति की भी सहायता करती है। परिषद में वर्तमान में 47 सदस्य हैं और इसका उद्देश्य आई.आई.टी., जोधपुर समुदाय की कलात्मक सृजनात्मकता का पौषण करना है।

लेखन, जागरूकता, स्वर, मनोरंजन तथा सामाजिक जागरूकता (वेव्स – डब्ल्यू.ए. डब्ल्यू.ई.एस.)

वेव्स कई इवेंटों के संचालन तथा छात्रों को अपनी स्वतंत्रता और सृजनात्मकता व्यक्त करने हेतु कई अवसर प्रदान के लिए जिम्मेदार है। इन इवेंटों में छात्रों को उनकी प्रतिभा उजागर करने में सहायता करने हेतु कार्यशालाएॅ तथा प्रतिस्पर्धाएॅ शामिल हैं। वेव्स के अंतर्गत निम्नलिखित क्लब कार्य करते हैं :

- *संगीत क्लब* : यह संगीत के इच्छुक छात्रों के लिए स्वर्ग है जिसमें संपूर्ण संगीत स्पेक्ट्रम, हिंदुस्तानी से लेकर पश्चिमी और वोकल तथा इंस्ट्रूमेंटल शामिल हैं।
- *नृत्य क्लब* : इसमें एक अत्यधिक प्रतिस्पर्धी टीम है जिसने देश भर में प्रदर्शन किया है।
- *ड्रामा क्लब* : यह हास्य तथा नुक्कड़ (नुक्कड़ नाटक) सहित कई प्रकार के नाटक तैयार करती है जो नवीन सामाजिक मुद्दों के प्रति जागरूकता फैलाते हैं।

खेलकूद, साहस तथा खोज (सेज – एस.ए.जी.ई.)

खेलकूद, साहस तथा खोज एक ऐसा संगठन है जो पारंपरिक खेल शिक्षा में सुधार और विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं, उत्सवों, विषयों और सामाजिक एकता कार्यक्रमों के माध्यम से अनन्य खेल संस्कृति तैयार करने के प्रति समर्पित है। एस.ए.जी.ई. का उददेश्य हमारे छात्र एथलीटों के जीवन में स्वस्थ पद्धति लाना, उन्हें बेहतर निर्णय लेने में सहायता करना, एक जीतने वाला दृष्टिकोण बनाए रखने और उनके कौशल और योग्यताओं के विकास में उनकी सहायता करना है ताकि वे बेहतर इंसान बन सकें।

लगातार 4 अंतर आई.आई.टी. उत्सवों में अपने बेहतरीन प्रदर्शन के साथ खेल परिषद ने संस्थान के प्रत्येक छात्र को इसका हिस्सा बनाने आगे सहयोग करने के लिए प्रेरित किया है। एस.ए.जी.ई. वर्चस और क्रीडांस जैसे प्रत्येक शैक्षिक सत्र में विभिन्न अंतर कॉलेज और अंतरा कॉलेज उत्सवों का सफल आयोजन रहा है। एस.ए.जी.ई. में मनोरंजन क्लब भी है जैसे कि साहस क्लब, कैरम क्लब, शतरंज क्लब, ब्रिज क्लब, स्केटिंग क्लब और योगा क्लब।

संवर्धन संबंध अवसर प्रबंधन (प्रोम – पी.आर.ओ.एम.)

संवर्धन संबंध अवसर प्रबंधन (पी.आर.ओ.एम.) समग्र विकास के लिए आई.आई.टी., जोधपुर की छात्र परिषद का 5वॉ और नवीनतम प्रकोष्ठ है। पी.आर.ओ.एम. एक काफी गैर–तकनीकी प्रकोष्ठ आई.आई.टी. जोधपुर के छात्रों के जीवन के प्रबंधकीय औहर सामाजिक पहलुओं को देखता है। आज के अत्यधिक प्रतिस्पर्धी विश्व में छात्र को न केवल तकनीकी रूप से जानकार होना अपेक्षित है बल्कि उसे मेज पर व्यापार करने, अपनी सहयोगियों, वरिष्ठ तथा कनिष्ठों के साथ अच्छा प्रभाव बनाने में भी सक्षम होना चाहिए। आज एक सफल व्यक्ति की पहचान उसके संचार, शारीरिक भाषा, समयबद्धता, आत्मविश्वास और प्रेरणा देने की योग्यता तथा इच्छा के क्षेत्र में सक्षमता द्वारा की जाती है। आई.आई.टी. जोधपुर में अपनी शैक्षिक और अन्य बाह्य गतिविधियों के माध्यम से छात्र सर्वोच्च स्तर की तकनीकी सक्षमता हासिल करते हैं। पी.आर.ओ.एम. आरंभ करने के साथ यह पूर्णतयाः स्पष्ट है कि इस परिसर से बाहर जाने वाले छात्र उनके लिए यथा आवश्यक नियंत्रण और एक्ज़िक्यूटिव गतिविधियाँ तथा कार्य कर सकें। आई.आई.टी. जोधपुर में एक छात्र, इस प्रकार, तकनीकी, सांस्कृतिक अथवा खेल प्रकृति के इवेंटों में भाग लेगा और साथ ही यह भी सीखेगा कि कैसे ऐसे इवेंटों की आयोजना, संचालन और निष्पादन करें। छात्र

अवर–स्नातक छात्रों को बड़े स्तर पर जाते हुए पूर्णतया बड़े व्यक्तियों के रूप में अभिव्यक्ति और अनुभव भी प्राप्त होंगे।

प्रमुख छात्र ईवेंट

छात्र ऊर्जा और पहल से भरी एक संस्कृति का पौषण करने में सफल रहे। छात्रों ने कई इवेंटों का आयोजन किया, जिसने उनकी विविध पृष्ठभूमि को देखते हुए एक संचार के माध्यम और उनके बीच संबंध स्थापित करने का कार्य किया। दिपावली, संक्रांति, ईद, होली और गणेश चतुर्थी जैसे कई प्रमुख उत्सवों का उत्साहपूर्वक आयोजन किया गया। खेल भावना को प्रोत्साहित करने के लिए नियमित आधार पर कई खेल गतिविधियों का भी संचालन किया गया। संकाय सदस्य काफ़ी सहायक थे और उन्होंने इन गतिविधियों को बढ़ावा दिया। निम्नलिखित कुछ प्रमुख छात्र गतिविधियाँ हैं जो शैक्षिक वर्ष 2012–13 में कैम्पस में आयोजित की गईं।

स्पंदन

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जोधपुर के वार्षिक अंतर–कॉलेज सांस्कृतिक उत्सव–स्पंदन का 17–19 सितंबर, 2012 तक आयोजन किया गया। इस वर्ष के उत्सव का शीर्षक 'स्केरी' था। आयोजन के आरंभ में जर्मन पुरस्कार विजेता, गिटार वादक पंडित विश्व मोहन भट्ट के शानदार संगीत द्वारा किया गया जिसके पश्चात प्रसिद्ध सारंगी वादक डा. दीपक परमशिवन कौंडिन्या द्वारा भव्य संगीत प्रस्तुत किया गया।

इस उत्सव में कई इवेंट और प्रतिस्पर्धाएं आयोजित किए गए तथा यह फिल्मी दृश्य नकल, वाद–विवाद और व्यंग्य प्रस्तुति जैसी अन्य सृजनात्मक गतिविधियों के अलावा बड़ी संख्या में साहित्यिक और संगीत आयोजनों से भरपूर था। यह उत्सव भारतीय फिल्मनिर्माता, फैशन डिजाइनर, कवि, कलाकार, संगीत प्रिय, पुनर्जागरणवादी और समाज सेवी रजा मुज़फ्फ़र अली और उनकी पत्नी मीरा अली के दौरे से भव्य इवेंट में परिवर्तित हो गया जिन्होंने गहन और विविध भारतीय सांस्कृतिक विरासत के प्रति लगाव और आदर प्रदर्शित किया। श्री अली के शब्दों में ''इश्वर में विश्वास करने से आप हर डर से मुक्त हो जाते हो। इसमें सारी मानवता को डर से मुक्त करने तथा विश्वास और शांति पैदा करने की शक्ति और उर्जा है।'' इन शब्दों के साथ उन्होंने हमें अपने अनुभव तथा आई.आई.टी.जे. में ''कला, संस्कृति तथा विरासत'' पर नई शाखा आरंभ करने के बारे में विचार से अवगत करवाया।

निम्बल

आईआईटी जोधपुर के अंतर–कॉलेज तकनीकी उत्सव निम्बल का 02–04 नवंबर, 2012 के दौरान आयोजन किया गया था। यह एक विस्मरणीय क्षण था और लोगों को खुली वेब प्रौद्योगिकी से अवगत कराने का अवसर था। निमबल 2012 से कुछ दिन पहले लोागें को यह जानकारी देते हुए एक सत्र आयोजित किया गया था कि वे मोजिला कैसे आरंभ कर सकते हैं। छात्रों का उत्साह और भागीदारी अतुल्नीय थी। इस टेक्नो–फेस्ट में मुख्य इवेंट किल फलैश, वेब क्लोन इत्यादि थे।

इस इवेंट में वास्तविक गुणवत्ता के विचार प्रदर्शित हुए जो युवा मस्तिष्क से उभर कर आए। यह छात्रों के लिए वेब प्रौद्योगिकी में कुछ उपयोगकी एप्स में प्रथम अनुभव रहा।

इग्नस

इग्नस 2013 आईआईटी जोधपुर का तीसरा वार्षिक सामाजिक–आर्थिक तकनीकी उत्सव था जो बैंक ऑफ इंडिया के सहयोग से 21–24 फरवरी 2013 को आयोजित किया गया। इस वर्ष इग्नस में छात्रों, कोरपोरेट

घरानों तथा सरकारी निकायों से बड़ी संख्या में भागीदारी देखी गयीं। राष्ट्र के 22 से अधिक शहरों के 4000 से अधिक छात्रों ने इस उत्सव में भाग लिया। प्राचीन लय की अपनी परंपरा को कायम रखते हुए इस वर्ष सितार मास्टर शुभेन्द्र राव ने उद्घाटन समारोह में प्रदर्शन किया। हिंदी बैंड 'अग्नि' तथा अगली रात्रि प्रसिद्व बॉलीवुड गायक 'रब्बी शेरगिल' के प्रदर्शन समूचे उत्सव के प्रमुख आकर्षण रहे। 'कलैश ऑफ बैंड्स' प्रतिस्पर्धा राजस्थान की सबसे बड़ी अर्द्ध व्यावसायिक रॉक बैंड प्रतिस्पर्धा के रूप में उभर कर आई। इस वर्ष इग्नस ने प्रथम तकनीकी एक्सपो का आयोजन किया जिसमें छात्रों तथा कोरपोरेट निकायों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। बोश, टाटा मोटर्स, डीआरडीओ जैसे उद्योग अग्रणियों ने एक्सपो के दौरान प्रदर्शन प्रस्तुत किए। इग्नस में मेहमान लेकचर में नोबल पुरस्कार विजेता डा. आदम गई राईस द्वारा वार्ता भी प्रस्तुत की गयी। उत्सव के चार दिन के दौरान 70 से अधिक सांस्कृतिक तथा तकनीक इवेंट आयोजित किए गए। उद्यमशीलता का संवर्धन करने की भावना से आईआईटी जोधपुर ने इग्नस के दौरान राजस्थान सरकार के साथ आई.आई.टी.जे. ई–कॉन्कलेव का भी आयोजन किया। इस वर्ष इग्नस ने जोधपुर विकास प्राधिकरण के साथ अपनी सामाजिक पहल 'प्रकृति' के माध्यम से वातावरण जागरूकता सृजित करने की चुनौती भी स्वीकार की जिसमें छात्रों को वातावरण पर हमारी गतिविधियों के प्रभाव के बारे में संदेनशील बनाने के लिए टीमें स्कूलों में गईं।

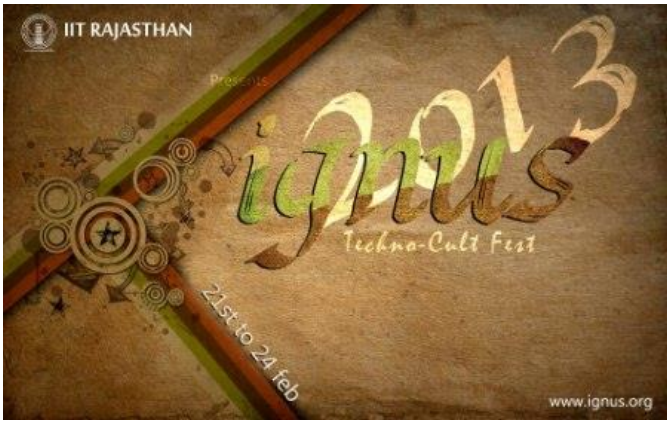

वर्चस

वर्चस आई.आई.टी. जोधपुर का वार्षिक खेल उत्सव है। राजस्थान का सबसे बड़ा खेल उत्सव होने के कारण, वर्चस खेल भावना का आयोजन करता है और टीमों द्वारा उनके खेल में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए बिताए

गए अंतहीन समय को प्रदर्शित करने के एक मंच के रूप में कार्य करता है। वर्चस में अपने बैनर के तहत विभिन्न खेल प्रतिस्पर्धाएं शामिल की जाती है।

इस वर्ष, खेल उत्सव का आयोजन 07–10 फरवरी तक किया गया था। इस इवेंट में आईआईटी तथा एनआईटी सहित भारत में 100 से अधिक सम्मानित कॉलेज से 2000 से अधिक खिलाड़ियों ने विभिन्न खेलों में भागीदारी की। बास्केटबाल क्रिकेट, फुटबाल, वॉलीबाल, बेडमिंटन, एथलेटिक्स, कैरम, स्कवैश, टेनिस, टेबल टेनिस, पावरलिफ्टिंग तथा शतरंज के क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धाएं आयोजित की गयी।

खेल इवेंट के अलावा आईआईटी जोधपुर वर्चस के तत्वाधान में सामाजिक पहल तथा एक स्वास्थ्य पहल भी आयोजित करता है। ये हैं:

- सोच**:** यह वर्चस की एक सामाजिक पहल है जहां हमने हमारे समाज में प्रचलित समकालीन सामाजिक मुद्दों के विरूद्व इकट्ठे कदम उछाने तथा व्यवहार्य हल निकालने के लिए नागरिकों में जागरूकता फैलाने तथा उन्हें प्रेरित करने के लिए सफलतापूर्वक एक मंच तैयार किया है।
- सिटी मैराथन**:** आई.आई.टी. जोधपुर व्यक्तियों में सामाजिक जागरूकता तथा एकता का प्रसार करने के दृष्टिकोण से प्रत्येक वर्ष एक सिटी मैराथन का आयोजन करने की प्रवृत्ति में सफल रहा है। समापन वर्ष की मैराथन राजस्थान पुलिस के सहायोग से आयोजित की गई और श्री गौरव गोयल, कलैक्टर तथा डीएम, जोधपुर द्वारा झंडारोहण किया गया।

वर्चस ने वर्ष दर वर्ष अपने सिद्धांत *''तंदरूस्ती पराक्रम विजय''* को वास्तव में न्यायोचित ठहराया है।

राष्ट्रीय उत्सव

स्वतंत्रता दिवस समारोह

देशभक्ति की भावना के साथ 15 अगस्त 2012 को संस्थान में स्वतंत्रता दिवस का आयोजन किया गया। निदेशक, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों ने इसमें भाग लिया। समारोह का शुभारंभ निदेशक द्वारा राष्ट्रीय ध्वजारोहण के साथ शैक्षिक परिसर में 15 अगस्त की प्रातः 9:15 बजे किया गया जिके पश्चात राष्ट्रीय गान गाया गया तथा निदेशक ने भाषण दिया। छात्रों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जैसे कि आईआईटीजे के संगीत बैंड 'संगम' का प्रदर्शन, देशभक्ति की कविताओं का पाठ, भाषण, हमारे नृत्य तथा ड्रामा क्लब द्वारा नृतय और नुक्कड़ नाटक इत्यादि। शिक्षा तथा बाह्य गतिविधियों में उत्कृष्टता प्राप्त करने वाले छात्रों को पुरस्कार वितरित किए गए।

गांधी जयंती समारोह

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी तथा लाल बहादुर शास्त्री के के जन्म दिवस आयोजित करने हेतु आई.आई.टी. जोधपुर का संपूर्ण समुदाय 2 अक्तूबर, 2012 को एकत्रित हुआ। इस समारोह में संकाय सदस्यों और छात्र प्रतिनिधियों द्वारा प्रेरक संभाषण हुए।

गणतंत्र दिवस समारोह

गणतंत्र दिवस समारोह 2013 का शुभारंभ सुरक्षा विंग द्वारा परेड के साथ हुआ जिसके पश्चात निदेशक द्वारा राष्ट्रीय ध्वजारोहण किया गया। निदेशक के भाषण में इस दिन के महत्व पर जोर दिया गया।

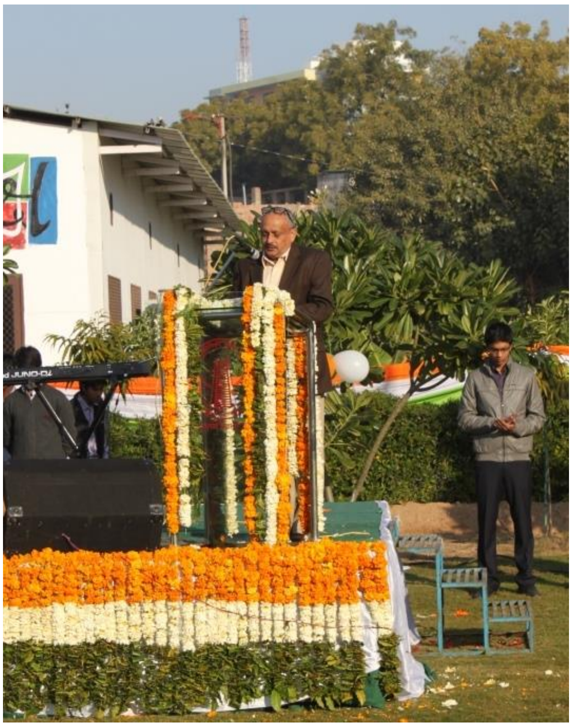

स्मारोह में छात्रों द्वारा आयोजित कई सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रदर्शित किए गए। विभिन्न शैक्षिक तथा बाह्य–गतिविधियों में सर्वोच्च प्रदर्शन करने वाले छात्रों को इस अवसर पर पुरस्कृत किया गया।

परिवर्तन

''परिवर्तन'' का अर्थ है बदलाव। परिवर्तन आई.आई.टी. जोधपुर छात्र समूदाय द्वारा गरीब तथा समाज के वंचित वर्ग में शिक्षा के स्तर और जागरूकता में शिक्षण, युवा काउंसलिंग तथा अभिभावक काउंसलिंग के माध्यम से सुधार करने हेतु उठाया गया एक कदम है। इसका लक्ष्य ''शिक्षा के माध्यम से समाज में असमानता को दूर

करना'' है। ये युवा हमारे चारों ओर एक शिक्षित तथा समुचित रूप से सूचित समाज तैयार करने की दिशा में कार्यरत हैं। यह गरीब तथा समाज के वंचित वर्ग में शिक्षा के स्तर और जागरूकता में शिक्षण, युवा काउंसलिंग तथा अभिभावक काउंसलिंग के माध्यम से सुधार करने हेतु उठाया गया एक कदम है। यह टीम एक ऐसे गांव को अपनाती है जो काफी गरीब है, जहां साक्षरता दर काफी कम होती है और जहां स्वास्थ्य, जल, छत, शिक्षा इत्यादि जैसी मूल सुविधाएं आसानी से उपलब्ध नहीं हैं। इसका उद्देश्य ऐसे गांव को इस तरीके से एक विकसित गांव में परिवर्तित करना है जो 21 वीं सदी में एक विकसित गांव के मॉडल का प्रतिनिधित्व करे।

परिवर्तन में तीन अनुलम्ब हैं जिनके आस–पास इसकी सभी गतिविधियां घूमती हैं जिनमें शामिल हैं:

1. जागरूकता
2. वंचित व्यक्तियों की सहायता
3. समाज के अल्प स्थापित क्षेत्रों के सतत् मॉडल के लिए शोध तथा विकास।

परिवर्तन टीम के तहत छात्रों का समूह आस–पास के क्षेत्रों का नियमित दौरा करता है, गतिविधयां संचालित करता है और छोटे बच्चों के लिए अध्ययन सत्र आयोजित करता है, लोगों में उनके विश्वास से जुड़े विभिन्न मुद्दों तथा हमारी खोज से उनके जीवन में सीधे प्रभाव डालने वाले विभिन्न मुद्दों पर जागरूकता में वृद्धि करने के लिए नाटकों का आयोजन करता है।

2012 में 'परिवर्तन' कार्यक्रम के भाग के रूप में नजदीक के गांव वासियों के लिए एक युवा अभियान।

परामर्श सेवाएँ

आई.आई.टी. में पढ़ने से अत्यधिक शैक्षिक वृद्धि और समग्र विकास होता है; तथापि, इसमें काफी चुनौतियाँ और तनाव भी निहित होता है। हमारी परामर्शी सेवा टीम छात्रों को अपने उददेश्य प्राप्त करने के लिए तनाव में सहायता देने हेतु वैयक्तिक दिशा–निर्देश और आवश्यक संसाधन प्रदान करती है। परामर्शी सेवा संकाय सदस्यो के दिशा–निर्देशों में समर्पित छात्रों के एक समूह द्वारा स्वयसेवी संगठन है। यह व्यक्तिगत तथा शैक्षिक दोनों स्तर पर विभिन्न समस्याओं को हल करने के लिए छात्रों की सहायता करता है और संस्थान में छात्रों के रूप में उनके अनुभव को सघन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

परामर्श सेवा वर्ष 2009 में एक संकाय सलाहकार के पर्यवेक्षण में छात्रों के पहले बैच द्वारा आरंभ की गयी थी। वर्षों में यह सात संकाय सदस्यों और कुल 25 छात्रों को शामिल करते हुए एक महत्वपूर्ण निकाय के रूप में उभरी है। परामर्शी टीम के छात्र गाइड और सदस्यों का चयन एक वर्षिक चयन प्रक्रिया के जरिए किया जाता है। प्रत्येक छात्र गाइड प्रथम वर्ष के अवर स्नातक बैच के 8–10 छात्रों की बेहतरी के लिए जिम्मेदार होता है। परामर्शी सेवा सभी छात्रों की बेहतरी के लिए कार्य करती है और उनकी शैक्षिक एवं व्यक्तिगत वृद्धि में सहायता करती है। यह बड़ी श्रेणी के मामलों के लिए स्वैच्छिक, विश्वसनीय तथा निःशुल्क परामर्श देती है, जिसमें शामिल हैं :

- शैक्षिक सहायताः संस्थान के विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रमों के बारे में सूचना, सक्षम समय प्रबंधन कौशल, अध्ययन कौशल, परीक्षा चिंता इत्यादि से संबंधित सूचना प्रदान करना;
- व्यक्तिगत : होम–सिकनेस को दूर करना, नए वातावरण में समायोजित होना इत्यादि।
- परामर्शी सलाह, मानसिक–शिक्षा और छात्रों को संदर्भीय सेवाएँ।
- संस्थान तथा छात्रों की मौजूदा बॉडी के साथ मेलजोल।
- छात्रों को बाह्‌य अभिरूचि/आदतों की खोज के प्रति प्रोत्साहित करना।

छात्र प्लेसमेंट सेल

छात्र प्लेसमेंट सेल का संचालन और प्रबंधन अधिकारित प्राधिकारियों के सहयोग से पूर्णतयाः छात्रों द्वारा किया जाता है, जो संपूर्ण प्लेसमेंट तथा इंटर्नशिप प्रक्रिया की देखभाल करते हैं। छात्र विभिन्न कंपनियों से सम्पर्क करने, छात्रों के साथ उनके सम्पर्क, पूर्व–नियुक्ति वार्तालापों, परीक्षाओं, साक्षात्कार का समन्वय छात्र करते हैं।

तब से माईक्रोसाफ्ट्, नेशनल इंस्ट्रूमेंटस, सेमसंग, फिलपकार्ट, इन्फोसिस, टीसीएस इत्यादि सहित कोर इंजीनियरिंग, आईटी, तथा बैंकिंग क्षेत्र से बड़ी संख्या में कंपनियों ने आईआईटी जोधपुर का दौरा किया है। कैम्पस प्लेसमेंट में सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों ने भी भाग लिया है।

2012–13 के प्लेसमेंट रिकार्ड निम्नानुसार हैः

कंपनी	नाम	रोल नं0
माइक्रोसाफ़्ट इंडिया प्रा. लि.	अकांक्षा सरन	J09006
	कुमार अशायम गुप्ता	J09052
	शाह चिंतन चिराग	J09091
	मयंक अग्रवाल	J09059
	नवीन श्रीवास्तव	J09064
	शशांक कुमार	J09092
	सुमित	J09095
नेशनल इंस्ट्रूमेंटस	इती मिततल	PG201172026
	अय्यर रिषी कल्याण	J09025
फ्लिपकार्ट	अक्षय हरि कुमार	J09009
	अनुरूप गांगुली	J09019
	सत्येश झा	J09088
सिसको	अमित रंजन त्रिवेदी	J09012
	अमोल पोल	J09014
	अश्विन शिवा	J09023
	गौतम बजाज	J09036
	वैभव जैन	J09104
सेमसंग साफ़्टवेयर इंजीनियरिंग लैब	अंकित कारवासरा	J09015
	इशाान जैन	J09032
	जोगेन्द्र सिंह	J09045
	प्रणय बलार	J09070
	राहुल नहाटा	J09077
	सोनल गुप्ता	J09094
	जुबीन सोरटी	J09109
इटिअम सिस्टम्स प्रा. लि.	सैयद फैजुल हई	J09100
लारसन एंड टुबरो	कासुवोजुला देवेन्द्र	J09048
	क्षितिज कुमार	J09051
होंडा कार्स	भास्कर पुरी	J09027
	सुरेन्द्र एस. चौधरी	J09097

3 डीपीएलएम साफ़टवेयर सॉल्यूशन लिमिटेड	आशीष पांडे	J09021
	भुवनेश कुमावत	J09028
इन्फोसिस लि.	अमरीक सिंह	PG201172001
	दीपक कुमार गुप्ता	PG201172004
	गोविंद राम	J09039
	नकुल शशीकांत गौड़	PG201172012
	निकिता चोपड़ा	J09065
	प्रशांत बाबू	J09071
	सौरभ हेडा	PG201172019
	शांतनव चक्रवर्ती	PG201172027
	ज़फर अहमद अंसारी	PG201172025
टाटा कंसलटेंसी सर्विसेस	राजेन्द्र नागर	J09079
	रजनी यादव	J09062
कोगनिजेंट टेक्नोलोजी सॉल्यूशन्स	अभिषेक वर्मा	J09004
	अमित श्रीवास्तव	J09013
	बी. अमूल्य साई	J09026
	अनुराग मित्तल	J09018
	दर्शन जोशी	J09046
	कुणाल चेलानी	J09053
	सौरभ गर्ग	J09089
वाई 2 सीएफ डिजिटल मीडिया प्रा. लि.	अभिनव दाधीच	J09001
	गरिमा जैन	PG201172006
	नमन जोशी	PG201172013
	शोभित मंडलोई	J09093
	यतिन मेहंदीरत्ता	PG201172024
फ्रीस्केल सेमीकंडक्टरर्स	सार्थक शर्मा	J09087
सेमसंग इंडिया साफ़्टवेयर सेंटर	अंकिता सामरिया	PG201172002
	गांविंद सालवी	PG201172008
	प्रेम राज	J09075
	राहुल साचान	J09078
	रवि भंडारी	PG201172016
	रविन कुमार जैन	J09082
	उमेश तंवर	PG201172023
न्यूक्लियस साफ़्टवेयर एक्सपोर्टस लि.	रूची तोशनीवाल	J09084
	तोकला साई तेजा	J09102
सी.एम.सी. लि.	राजपूत शैलेन्द्र शेष कुमार	J09080
एन.टी.टी. डाटा एफए इंशुरेंस सिसटमे इंडिया प्रा. लि.	गोविंद सालवी	PG201172008
केर्न इंडिया	जतिन रस्तोगी	J09044
	प्रशांत कुमार शुक्ला	J09073
हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड	आकाश दीप	J09007
	जतिल गोयल	J09043
	नितिन कुमार कोक्किसा	J09067

	विनय कुमार	J09106
	योगेश कुमार वर्मा	J09108
डी.आर.डी.ओ./ए.डी.ए.	आकाश दीप	J09007
	गौरव सीवच	J09035
	जतिन गोयल	J09043
	किरन कुमारी	J09050
	एम. विद्या सागर	J09055
	मानवेन्दर सिंह चौहान	J09058
	मोहम्मद अक़ीबुद्दीन अहमद	J09061
	पवन कुमार शर्मा	J09068
	प्रफुल्ल गुप्ता	J09069
	सुषांत गौरव	J09099
	विनय कुमार	J09106
सेमसंग इंडिया साफ़्टवेयर ऑपरेशनस	पवन कुमार शर्मा	J09068
महिन्द्रा एंड महिन्द्रा	पल्लवी कार	PG201171007
इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड	नवीन कुमार गौतम	J09063
	प्रशांत गोधरा	J09072
	प्रत्येश झारी	J09074
	संजय कुमार रजक	J09085
	सुनील सैनी	J09096
विज़डम एजुकेयर प्रा. लि.	हीमांशु सिंघवी	PG201172009

एल्युमिनि एसोसिएशन

बी.टेक. छात्रों के पहले बैच द्वारा उनके कार्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात उन्हें संस्थान, उनके फेलो एल्युमिनि, तथा कनिष्ठ छात्रों के साथ जुड़े रहने के लिए अप्रैल 2012 में एक एल्युमिनि एसोसिएशन का गठन किया गया था।

एल्युमिनि संबंध कार्यालय अध्यक्ष, एल्युमिनि संबंध की ओर से सभी अधिकारिक संचार, इवेंट और अन्य गतिविधियों के लिए प्राथमिक समन्वय केन्द्र है। यह कार्यालय छात्र एल्युमिनि सेल के साथ वार्षिक एल्युमिनि समारोह का आयोजन करने, विविध एल्युमिनि पुरस्कार प्रदान करने (दीक्षांत समारोह के दौरान) तथा एल्युमिनि से संबंधित अन्य इवेंटों के लिए उत्तरदायी है।

यह कार्यालय मजबूत एल्युमिनि संबंध स्थापित करने तथा एल्युमिनि, संकाय, छात्रों तथा संस्थान के बीच प्रभावी संचार के लिए एक अनन्य मंत्र तैयार करने के लिए कठिन परिश्रम करता है। एल्युमिनि संबंध कार्यालय का प्रबंधन इसके अध्यक्ष डा. आनंद कृष्णन प्लापले तथा उनके साथ समन्वयक (छात्र), डा. मैनाक मजुमदार, एक स्टाफ सदस्य और दो छात्र सदस्यों द्वारा किया जाता है।

छात्रों की सूची

डॉक्टोरल छात्र

रोल नं0	नाम	केन्द्र
PG201081501	बिलाल उसमानी	ऊर्जा
PG201081502	धर्मेन्द्र सिंह राजपुरोहित	ऊर्जा
PG201081504	सुरेश कुमार	ऊर्जा
PG201082502	दीपक कुमार छंगानी	आईसीटी
PG201181001	दीपेश पाटीदार	ऊर्जा
PG201181003	पुरा राम	ऊर्जा
PG201181004	विकास प्रताप सिंह	ऊर्जा
PG201181005	विकास चंद्र जानू	ऊर्जा
PG201181501	लोकेश सैनी	ऊर्जा
PG201181502	सुरेन्द्र सिंह बराला	ऊर्जा
PG201182001	अभय सामंत	आईसीटी
PG201182003	हीना राठौड़	आईसीटी
PG201182005	पुनीत कुमार जैन	आईसीटी
PG201182006	राम निवास माहिया	आईसीटी
PG201182007	रवि राज चौधरी	आईसीटी
PG201182009	सपना रणवा	आईसीटी
PG201182010	सौरभ माहेष्वरी	आईसीटी
PG201182011	शिबानी बिसोई	आईसीटी
PG201182501	अमित भाटिया	आईसीटी
PG201182502	कपिल शर्मा	आईसीटी
PG201182504	कुलदीप गोस्वामि	आईसीटी
PG201182505	मोहम्मद नाज़िम	आईसीटी
PG201182506	श्रीविषाल त्रिपाठी	आईसीटी
PG201183001	रोहन षर्मा	एसएस
PG201183501	प्रमोद कुमार	एसएस
PG201183502	प्रीति यादव	एसएस
PG201281001	अजय जैन	ऊर्जा
PG201281002	धर्मेश कुमार	ऊर्जा
PG201281003	पूनम शर्मा	ऊर्जा

PG201281004	शेज़ले किरन प्रकाश	ऊर्जा
PG201282002	दीपक भारती	आईसीटी
PG201282003	गिरीराज व्यास	आईसीटी
PG201282006	ओंकार कृष्णा	आईसीटी
PG201282007	राकेश कांजी	आईसीटी
PG201282009	सुरेश दहिया	आईसीटी
PG201282010	वैभव सैनी	आईसीटी
PG201282012	विभा सहलोत	आईसीटी
PG201282501	शिल्पा पांडे	आईसीटी
PG201283001	अनूप जोशी	एसएस
PG201283003	मानवेन्द्र शर्मा	एसएस
PG201283005	परविन्द्र सिंह	एसएस
PG201283006	प्रद्युम्न कुमार पांडेय	एसएस
PG201283007	राकेश कुमार	एसएस
PG201283008	रनवीर सिंह	एसएस
PG201283009	विनय प्रताप सिंह	एसएस

एम.टेक. छात्र

रोल नं0	नाम	केन्द्र
PG201171001	आकाश यादव	ऊर्जा
PG201171003	अनुराग	ऊर्जा
PG201171004	दिग्पाल कुमार	ऊर्जा
PG201171005	गौरव हेडौ	ऊर्जा
PG201171006	नुपुर राठौड़	ऊर्जा
PG201171007	पल्लवी कर	ऊर्जा
PG201171008	पराग कमल तालुकदार	ऊर्जा
PG201171009	प्रियंका भरतिया	ऊर्जा
PG201171010	राकेश कुमार	ऊर्जा
PG201171011	राकेश शर्मा	ऊर्जा
PG201171012	राम निवास वर्मा	ऊर्जा
PG201171013	शुभि श्रीवास्तव	ऊर्जा
PG201171014	विनोद कुमार वर्मा	ऊर्जा
PG201171015	अय्याज़ सिद्दीकी	ऊर्जा
PG201172001	अमरीक सिंह	आईसीटी

PG201172002	अंकिता समारिया	आईसीटी
PG201172003	अनूप सिंह	आईसीटी
PG201172004	दीपक कुमार गुप्ता	आईसीटी
PG201172005	दुर्गेश कुमार	आईसीटी
PG201172006	गरिमा जैन	आईसीटी
PG201172007	गौरव राज	आईसीटी
PG201172008	गोविंद साल्वी	आईसीटी
PG201172009	हिमांशु सिंघवी	आईसीटी
PG201172010	कपिल लहुवा	आईसीटी
PG201172011	नागभूषण ईश्वारा	आईसीटी
PG201172012	नकुल शशिकांत गौड़	आईसीटी
PG201172013	नमन जोशी	आईसीटी
PG201172014	प्रसाद कुलकर्णी	आईसीटी
PG201172015	रामनारायण यादव	आईसीटी
PG201172016	रवि भंडारी	आईसीटी
PG201172017	रवि रंजन	आईसीटी
PG201172018	सत्यनारायण साहू	आईसीटी
PG201172019	सौरभ हेडा	आईसीटी
PG201172020	शाहनवाज़ अब्दुल्ला	आईसीटी
PG201172021	शैलेन्द्र सोनी	आईसीटी
PG201172022	सुप्रतिम शिट	आईसीटी
PG201172023	उमेश नंवर	आईसीटी
PG201172024	यतिन मेंदीरत्ता	आईसीटी
PG201172025	ज़फर अहमद अंसारी	आईसीटी
PG201172026	ईटी मित्तल	आईसीटी
PG201172027	शांतनव चक्रवर्ती	आईसीटी
PG201271001	अवधेश कुमार शर्मा	ऊर्जा
PG201271002	बलराम चौधरी	ऊर्जा
PG201271003	गुरवीर सिंह	ऊर्जा
PG201271005	राजनदीप सिंह	ऊर्जा
PG201271006	वीनू कुमारी	ऊर्जा
PG201271008	जीशान अहमद	ऊर्जा
PG201271009	स्ंदीप गुप्ता	ऊर्जा

PG201272001	अमर आदिल	आईसीटी
PG201272002	दीप	आईसीटी
PG201272004	हीतेशी जैन	आईसीटी
PG201272005	कुलकर्णी सिद्धार्थ सदानंद	आईसीटी
PG201272006	मंजुनाथ बिज	आईसीटी
PG201272007	नरेश कुमार वर्मा	आईसीटी
PG201272009	सत्यम सक्सेना	आईसीटी
PG201272010	शक्ति गौरव	आईसीटी
PG201272011	शिंदे नेहा नरेश	आईसीटी
PG201272012	सिरीष मिश्रा	आईसीटी
PG201273001	आदर्श कुमार मिश्रा	एसएस
PG201273002	ब्रजेश कुमार शुक्ला	एसएस
PG201273004	सलोनी सरदना	एसएस

बी. टेक. छात्र, बैच 2009

रोल नं0	नाम	विषय
J09001	अभिनव दाधीच	ईई
J09002	अभिनव पिपरोतर	ईई
J09004	अभिनव वर्मा	ईई
J09005	अजय मोंगा	सीएसई
J09006	आकांक्षा सरन	सीएसई
J09007	आकाश दीप	ईई
J09009	अक्षय हरि कुमार	एमई
J09010	अक्षय जैन	एमई
J09011	अमित लोनकर	एमई
J09012	अमित रंजन त्रिवेदी	सीएसई
J09013	अमित श्रीवास्तव	ईई
J09014	अमोल पोल	सीएसई
J09015	अंकित कारसवासरा	सीएसई
J09016	अंकित गुप्ता	एमई
J09017	अनुराग	ईई
J09018	अनुराग मिततल	ईई
J09019	अनुरूप गांगुली	एमई
J09020	आशीश असेरी	सीएसई
J09021	आशीश पांडेय	एमई

J09022	अशोक बंजारा	ईई
J09023	अश्विन शिवा एन.	सीएसई
J09024	अविनाश यादव	ईई
J09025	अय्यर रिषी कल्याण	एमई
J09026	बी. अमूल्या साई	ईई
J09027	भास्कर पुरी	एमई
J09028	भुवनेश कुमावत	एमई
J09029	बूबालन जी.	ईई
J09030	चेतन भतसंगे	ईई
J09031	छेवुला विनय कुमार	ईई
J09032	इशान जैन	सीएसई
J09033	गंडूरि राहुल गौतम	ईई
J09034	गौरव कुमार	एमई
J09035	गौरव सिवच	एमई
J09036	गौतम बजाज	सीएसई
J09037	गिरीश बुधवानी	सीएसई
J09038	गोविंद अग्रवाल	ईई
J09039	गोविंद राम	सीएसई
J09040	गुंड्रे वैभव प्रहलाद	एमई
J09041	हर्षित कुमार पंचोली	एमई
J09042	हितेश चौधरी	एमई
J09043	जतिन गोयल	एमई
J09044	जतिन रस्तोगी	ईई
J09045	जोगेन्द्र सिंह	सीएसई
J09046	जोशी दर्शन राजीव	ईई
J09047	कल्पना वर्मा	सीएसई
J09048	कासुवोजुला देवेन्दर	एमई
J09049	केशव कुमार	सीएसई
J09050	किरन कुमारी	सीएसई
J09051	क्षितिज कुमार	एमई
J09052	कुमार अशायाम गुप्ता	सीएसई
J09053	कुणाल चेलानी	ईई
J09054	लखन सिंह जाटव	एमई
J09055	एम. विद्यासागर	ईई
J09056	माना राम	एमई
J09057	मनीष कुमार जैन	सीएसई

J09058	मानवेन्द्र सिंह चौहान	ईई
J09059	मयंक अग्रवाल	सीएसई
J09060	मोहम्मद फ़िरोज़	एमई
J09061	मोहम्मद अक़ीबुद्दीन अहमद	ईई
J09062	रजनी यादव	ईई
J09063	नवीन कुमार गौतम	ईई
J09064	नवीन श्रीवास्तव	सीएसई
J09065	निकिता चोपड़ा	सीएसई
J09067	नितिन कुमार कोक्किासा	एमई
J09068	पवन कुमार शर्मा	सीएसई
J09069	प्रफुल्ल गुप्ता	ईई
J09070	प्रणय बालार	सीएसई
J09071	प्रशांत बाबू	सीएसई
J09072	प्रशांत गोदारा	एमई
J09073	प्रशांत कुमार शुक्ला	एमई
J09074	प्रतेश झारी	एमई
J09075	प्रेम राज	सीएसई
J09076	राधे श्याम मीणा	ईई
J09077	राहुल नहाटा	सीएसई
J09078	राहुल साचान	सीएसई
J09079	राजेन्द्र नागर	ईई
J09080	राजपूत शैलेन्द्र शेष कुमार	सीएसई
J09081	रामेश्वर प्रसाद मेघवाल	सीएसई
J09082	रविन कुमार जैन	सीएसई
J09083	रोहित जांगीड़	सीएसई
J09084	रुचि तोशनीवाल	सीएसई
J09085	संजय कुमार रजक	एमई
J09086	संजय कुमार राव	सीएसई
J09087	सार्थक शर्मा	ईई
J09088	सत्येश झा	एमई
J09089	सौरभ गर्ग	ईई
J09090	सौरजीत सार	ईई
J09091	शाह चिंतन चिराग	सीएसई
J09092	शशांक कुमार	सीएसई
J09093	शोभित मंडलोई	ईई
J09094	सोनल गुप्ता	सीएसई

J09095	सुमित	सीएसई
J09096	सुनील सैनी	ईई
J09097	सुरेन्द्र एस. चौधरी	एमई
J09098	सुरेन्द्र वर्मा	ईई
J09099	सुशांत गौरव	ईई
J09100	सैय्यद फैजुल हई	ईई
J09101	ताम्बड़े नरेन्द्र सतीश	एमई
J09102	तोकला साई तेजा	सीएसई
J09103	उत्कर्ष वर्मा	ईई
J09104	वैभव जैन	सीएसई
J09105	वेन्नम् सैम्युल सुश्मित	एमई
J09106	विनय कुमार	एमई
J09107	विवेक वर्मा	ईई
J09108	योगेश कुमार वर्मा	ईई
J09109	जुबीन सोरटी	सीएसई

बी. टेक. छात्र, बैच 2010

रोल नं0	नाम	विषय
UG201010001	अभिशेक आनंद	सीएसई
UG201010002	अमन दीप	सीएसई
UG201010003	अमर सिंह सैनी	सीएसई
UG201010004	अनुराग सैनी	सीएसई
UG201010005	बोलेम्पल्ली त्रिविक्रम चौधरी	सीएसई
UG201010006	धीरज टाक	सीएसई
UG201010007	गोडुगु रवि किरण	सीएसई
UG201010008	हेमलता सोनी	सीएसई
UG201010009	जुनैद मसूद	सीएसई
UG201010010	कंचन कुमारी	सीएसई
UG201010011	खुशी राम मीणा	सीएसई
UG201010012	किशेर कुमार	सीएसई
UG201010013	ललित यादव	सीएसई
UG201010014	महेश चन्द्र गुर्जर	सीएसई
UG201010015	मनदीप सिंह यादव	सीएसई
UG201010016	मनीष कुमावत	सीएसई

UG201010017	मनप्रीत सिंह बेदी	सीएसई
UG201010018	मोहम्मद असद	सीएसई
UG201010019	मोहम्मद हमज़ा ख़ान	सीएसई
UG201010020	मोनू	सीएसई
UG201010021	नरेन्द्र मीणा	सीएसई
UG201010022	निश्च्य काला	सीएसई
UG201010023	पंकज अग्रवाल	सीएसई
UG201010024	पंकज भारद्वाज	सीएसई
UG201010025	पंकज खंडेलवाल	सीएसई
UG201010026	पवन मीणा	सीएसई
UG201010027	पवन मीणा	सीएसई
UG201010028	रीना यादव	सीएसई
UG201010029	रोहिति गुप्ता	सीएसई
UG201010030	एस. प्रवीण कुमार	सीएसई
UG201010031	सौरभ सिंह	सीएसई
UG201010032	सौरभ माहेश्वरी	सीएसई
UG201010033	सुकलकर पवन विजयराव	सीएसई
UG201010034	सुमित जांगीड़	सीएसई
UG201010035	सुनीता पाटीर	सीएसई
UG201010036	सुरेन्द्र सिंह मीणा	सीएसई
UG201010037	तपीश राठौड़	सीएसई
UG201010038	वेमना विनीत	सीएसई
UG201010039	विकास गोयल	सीएसई
UG201010040	विकास यादव	सीएसई
UG201010041	विनोद कुमार मीणा	सीएसई
UG201010042	विश्वास गर्ग	सीएसई
UG201010043	योगेश कुमार गुप्ता	सीएसई
UG201010044	आयुश वर्मा	ईई
UG201011001	अमित कुमार वर्मा	ईई
UG201011002	अरुण बालाजी वी.	ईई
UG201011003	भरत कुमार तंवर	ईई
UG201011004	चिंतपल्ली शिव प्रतीक	ईई
UG201011005	दिलीप कुमार मीणा	ईई

UG201011006	घाटगे मयूर संभाजी	ईई
UG201011008	हिमांशु जयस्वाल	ईई
UG201011009	महेश चन्द्र एम.	ईई
UG201011010	मनीष कुमार मीणा	ईई
UG201011011	मुकुल बंसल	ईई
UG201011013	नरेन्द्र कुमार सिंह	ईई
UG201011014	निम्मर्ति वर प्रसाद	ईई
UG201011016	पसुनूरि प्रशांत	ईई
UG201011017	पोटे रोहन रामचन्द्र	ईई
UG201011018	प्रिंस गुप्ता	ईई
UG201011019	प्रिया धनदेव	ईई
UG201011020	राहुल मालव	ईई
UG201011021	राहुल मीणा	ईई
UG201011022	रजत जैन	ईई
UG201011023	राजीव कुमार	ईई
UG201011024	रवि महावर	ईई
UG201011025	रिंकू मीणा	ईई
UG201011026	रिषी मीणा	ईई
UG201011027	रित शेखावत	ईई
UG201011028	सबा सुहैल	ईई
UG201011029	संदीप कुमार सिंह	ईई
UG201011030	सौरभ संतोष	ईई
UG201011031	शशिकांत	ईई
UG201011032	सिद्धार्थ सिंह राव	ईई
UG201011033	शिव सिंह मीणा	ईई
UG201011034	श्रीकांत एम्.	ईई
UG201011035	सुदेश गोरा	ईई
UG201011036	सुधीर कुमार सिंह	ईई
UG201011037	सूर्य प्रताप सिंह यादव	ईई
UG201011038	तरुण पटेल	ईई
UG201011039	तिरुमणि वंशी कृष्ण	ईई
UG201011040	वीपी सिंह मीणा	ईई
UG201011041	विकास कुमार	ईई

UG201011042	विनोद मीणा	ईई
UG201011043	विवेक दूबे	ईई
UG201011044	योगेन्द्र कुमार गोयल	ईई
UG201011045	अश्विन सुरेश	ईई
UG201011046	हेमंत वर्मा	ईई
UG201011047	अभिनव	एमई
UG201012001	आदित्य बुदराजु	एमई
UG201012002	आदित्य रंजन	एमई
UG201012003	आकाश बंसल	एमई
UG201012004	अखिलेन्द्र सिंह	एमई
UG201012005	अमन डोहरे	एमई
UG201012006	अंकुर हसीजा	एमई
UG201012007	अंशुल गुप्ता	एमई
UG201012008	अनुज कुमार	एमई
UG201012009	अशोक कुमार मीणा	एमई
UG201012010	चेतराम मीणा	एमई
UG201012012	जी. सुशांत	एमई
UG201012014	गौरव कुमार	एमई
UG201012015	हेमंत वर्मा	एमई
UG201012018	जगमोहन श्री राव	एमई
UG201012019	जयदीप	एमई
UG201012020	जयप्रकाश मीणा	एमई
UG201012021	कुलदीप सिंह	एमई
UG201012022	मनराज मीणा	एमई
UG201012023	मोहित ननेरिया	एमई
UG201012024	निकेत कुमार सिंह	एमई
UG201012025	निशांत कुमार	एमई
UG201012026	नितेश कुमार	एमई
UG201012027	नितिन कटियार	एमई
UG201012028	प्रदीप राय	एमई
UG201012030	रूगा राम	एमई
UG201012032	सचिन गुप्ता	एमई
UG201012033	सर्वेश दयाल	एमई

UG201012034	शेख़ अबू अमसल	एमई
UG201012035	शिवेप्द्र राय	एमई
UG201012036	सिद्धार्थ जैन	एमई
UG201012037	सीताराम मीणा	एमई
UG201012038	स्नेहलता जोशी	एमई
UG201012039	तन्मय जोशी	एमई
UG201012040	उत्कर्श त्रिवेदी	एमई
UG201012041	वासु गोयनका	एमई
UG201012042	विजय सिंह मीणा	एमई
UG201012043	विपिन कुमार	एमई
UG201012044	विवेक गंज गहलोत	एमई
UG201012045	यतिन चौधरी	एमई
UG201012046	योगेश कुमार	एमई

बी.टेक. छात्र बैच, 2011

रोल नं0	नाम	विषय
UG201110001	अभिषेक सैनी	सीएसई
UG201110002	अमित राज	सीएसई
UG201110003	अपूर्व गुप्ता	सीएसई
UG201110004	आशीष कुमार	सीएसई
UG201110005	बानोथ सूर्या प्रसाद	सीएसई
UG201110006	देवाशीष घटक	सीएसई
UG201110007	देवन भूषन	सीएसई
UG201110008	गुरूप्रताप	सीएसई
UG201110009	हरि ओम गौड़	सीएसई
UG201110010	हिना मसूरिया	सीएसई
UG201110011	हेमराज कुमावत	सीएसई
UG201110012	जितेन्द्र कुमार चौधरी	सीएसई
UG201110013	जितेन्द्र सिंह गढ़वाल	सीएसई
UG201110014	कल्पनाथ राव	सीएसई
UG201110015	कनकन्टि नितिन वीर रेड्डी	सीएसई
UG201110017	कुचाना महर्षि देवराज	सीएसई
UG201110018	महेश	सीएसई
UG201110019	मयंक अग्रवाल	सीएसई
UG201110020	मयंक मित्तल	सीएसई
UG201110021	पलक समैया	सीएसई
UG201110022	पित्ता दिव्या श्री	सीएसई
UG201110023	प्रणीत ए. एस.	सीएसई
UG201110024	प्रशांत रस्तोगी	सीएसई
UG201110025	रवि कुमार मीणा	सीएसई

UG201110026	रेवती रमन सिंह	सीएसई
UG201110027	रिषि मिश्रा	सीएसई
UG201110028	साहिल ख़र्ब	सीएसई
UG201110029	संजीव कुमार	सीएसई
UG201110030	संतोष कुमार सिद्धार्थ	सीएसई
UG201110031	सौरभ कुमार गंगवार	सीएसई
UG201110032	शाह जैनिल दिलिप	सीएसई
UG201110033	शिवम वर्मा	सीएसई
UG201110034	सिद्धार्थ कुमार सिंह	सीएसई
UG201110035	सिद्धार्थ महेश्वरी	सीएसई
UG201110036	सोनू मेहता	सीएसई
UG201110037	सैय्यद नावेद अहमद	सीएसई
UG201110038	यश कुमार सोनथालिया	सीएसई
UG201110039	येरावोथुला रोहित	सीएसई
UG201110040	गट्ला राजशेखर रेड्डी	सीएसई
UG201111001	अभिषेक बस्सन	ईई
UG201111002	अभिषेक पिलानिया	ईई
UG201111003	अंशुल नारायण भट्ट	ईई
UG201111004	अंशुल सिंह परिहार	ईई
UG201111005	अंशुल धर्मावत	ईई
UG201111006	अतुल अग्रवाल	ईई
UG201111007	बत्तुला शशि कौशिक	ईई
UG201111008	ब्रजेश कुमार	ईई
UG201111009	बुस्सा पवन कुमार	ईई
UG201111010	दामचरला संदीप	ईई
UG201111011	देवेन्द्र कुमार जांगीड़	ईई
UG201111012	गज़रला रवि तेजा	ईई
UG201111014	गुणीत सिंह मेहता	ईई
UG201111015	हरि ओम मीणा	ईई
UG201111016	हर्षित दीक्षित	ईई
UG201111017	हेम सिंह मीणा	ईई
UG201111018	हेमंत कुमार बिलोनिया	ईई
UG201111019	काडू अमृता अनिल	ईई
UG201111020	कोथा सुधीर	ईई
UG201111021	कोयिनि दीक्षित	ईई
UG201111022	कृष्ण कुमार दमोलिया	ईई
UG201111023	कुलदीप कुमार राठौड़	ईई
UG201111024	कुमार सौरव	ईई
UG201111025	ललित कुमार पी.	ईई
UG201111026	प्रशांत मित्तल	ईई
UG201111027	राहुल राठौड़	ईई
UG201111028	रंगराजू यशोमणी श्रीकर	ईई
UG201111029	रविन्द्र कुमार शर्मा	ईई
UG201111030	रव्यांश कुमार	ईई
UG201111031	संचित कुमार सिंह	ईई

UG201111032	सत्येन्द्र कुमार गौतम	ईई
UG201111033	शिवालिका अग्रवाल	ईई
UG201111034	शिवम पुनिया	ईई
UG201111035	सुधांशु सिंह	ईई
UG201111036	सुनिल कुमार	ईई
UG201111037	वडकट्टु श्रीजा	ईई
UG201111038	विनीत कुमार	ईई
UG201111039	वोरुगंटि सूर्य तेजा	ईई
UG201112001	आल्विन रॉय अलियथ	एमई
UG201112002	अंकित अग्रवाल	एमई
UG201112003	आशुतोष मित्तल	एमई
UG201112004	आशुतोष विश्वकर्मा	एमई
UG201112005	अतिशय जैन	एमई
UG201112006	सी. श्री हर्ष	एमई
UG201112007	चेतन रेगर	एमई
UG201112008	चिलाकमर्रि सत्य रंग प्रशांत	एमई
UG201112009	दीप कुमार	एमई
UG201112010	देशराज मीणा	एमई
UG201112011	देवेश सिंह	एमई
UG201112012	धीरज	एमई
UG201112013	गजानंद सैनी	एमई
UG201112014	गौतम कुमार	एमई
UG201112015	हर्ष कुमार कर्मवीर	एमई
UG201112016	हर्षित श्रीवास्तव	एमई
UG201112017	हीमांशु साहू	एमई
UG201112018	किशन शर्मा	एमई
UG201112019	कोत्तपल्ली मोनिश	एमई
UG201112020	कुणाल विष्णु पारस्वानी	एमई
UG201112021	कुंदन सिंह मीणा	एमई
UG201112022	मणिन्दर सिंह	एमई
UG201112023	मनीष सचदेवा	एमई
UG201112024	मोहित दाधीच	एमई
UG201112025	मुकुल कुमार गुप्ता	एमई
UG201112026	नवनीत कुमार यादव	एमई
UG201112027	नीरज कुमार	एमई
UG201112028	राहुल सत्य बाबु	एमई
UG201112029	सागर आनंद रामगरे	एमई
UG201112030	संदीप शंकरराव हट्टे	एमई
UG201112031	संकेत किनागे	एमई
UG201112032	श्रवण मिश्रा	एमई
UG201112033	सिद्धि मीणा	एमई
UG201112035	स्मृति जैन	एमई
UG201112036	तागड़े प्रतीक प्रकाश	एमई
UG201112037	वैद्य केदार संजय	एमई
UG201112038	विकास	एमई

UG201112039	विन्स गोयल	एमई
UG201113001	अरविंद पांडे	एसएस
UG201113002	अभिषेक सिंह	एसएस
UG201113003	अजय सुन्नर्ति	एसएस
UG201113004	अखिल अरोड़ा	एसएस
UG201113005	अनिरुद्ध रामरखयानी	एसएस
UG201113006	अंकित सिंह	एसएस
UG201113007	अर्पित अग्रवाल	एसएस
UG201113008	अथर्व एस. घईसास	एसएस
UG201113010	देसिडि शिव प्रकाश	एसएस
UG201113011	धीरज भट्ट	एसएस
UG201113012	दिव्या ग्रोवर	एसएस
UG201113013	गुरजोत सिंह	एसएस
UG201113014	हिंमांशु शुक्ला	एसएस
UG201113015	जसवंत	एसएस
UG201113016	जितेन्द्र कुमार मीना	एसएस
UG201113017	काकीराला अनुरूप	एसएस
UG201113018	कौलागि सुधेन्द्र नारायण	एसएस
UG201113019	क्रांति सक्सेना	एसएस
UG201113020	कुसुम लता मीणा	एसएस
UG201113022	एम. हरि हरन	एसएस
UG201113023	मंतनि तेजस्वि	एसएस
UG201113024	मोहम्मद रेहान मोहम्मद साधीर	एसएस
UG201113025	नीलेश द्विवेदी	एसएस
UG201113026	नेहा सिंह चौहान	एसएस
UG201113027	पी. विवेक	एसएस
UG201113028	प्रतीक कुमार	एसएस
UG201113029	राहुल कुमार	एसएस
UG201113030	राज रोहित जालेम	एसएस
UG201113032	रिषभ जैन	एसएस
UG201113033	संखा नारायण गुरिया	एसएस
UG201113036	शिंदे साहिल अनिल	एसएस
UG201113037	तवीश गर्ग	एसएस
UG201113039	विन्नकोटा साई रक्षित	एसएस

बी.टेक. छात्र बैच, 2012

रोल नं.	नाम	विषय
UG201210001	अभिषेक कुमार	सीएसई
UG201210002	आदित्य यादव	सीएसई
UG201210003	आकाश मिश्रा	सीएसई
UG201210004	अक्षित जैन	सीएसई
UG201210005	असीम राज बरनवाल	सीएसई
UG201210006	अशीत कुमार	सीएसई
UG201210007	अत्तन्टि माधुर्या	सीएसई

UG201210008	बंदेला प्रत्युशा	सीएसई
UG201210009	बासमगारि हारिका	सीएसई
UG201210010	बुंदेले मानस महेश	सीएसई
UG201210011	डाके आकाश हीरामन	सीएसई
UG201210012	दीनेश कुमार जांगरा	सीएसई
UG201210013	दीनेश कुमार सेनी	सीएसई
UG201210014	गौरव शास्त्री	सीएसई
UG201210015	गोंडि देदीप्या साई	सीएसई
UG201210016	गोर्ला ऊहाश्री	सीएसई
UG201210017	जिनांक जैन	सीएसई
UG201210018	कालशेट्टी प्रतीक मल्लीनाथ	सीएसई
UG201210019	कुणाल दधीच	सीएसई
UG201210020	माला मुत्यालप्पा	सीएसई
UG201210021	मनीष जयस्वाल	सीएसई
UG201210022	एन. के. किरण	सीएसई
UG201210023	पंकज कुमार	सीएसई
UG201210024	पवन कुमार सैनी	सीएसई
UG201210025	राजेश कुमार मीणा	सीएसई
UG201210026	रिषभ गर्ग	सीएसई
UG201210027	रिषिकेश मीणा	सीएसई
UG201210028	रितेश कुमार	सीएसई
UG201210029	रोहन खन्ना	सीएसई
UG201210030	सचिन ग्रोवर	सीएसई
UG201210031	समर्थ कुमार गोयल	सीएसई
UG201210032	शाह अक्षत मुकेश कुमार	सीएसई
UG201210033	शिवम कुमार गर्ग	सीएसई
UG201210034	सिद्धार्थ तलेसरा	सीएसई
UG201210035	सोनिका अग्रवाल	सीएसई
UG201210036	सुनिल कुमार	सीएसई
UG201210037	वैभव सिंह खोखर	सीएसई
UG201210038	विजेन्द्र सुकारिया	सीएसई
UG201210039	विकास मीणा	सीएसई
UG201211001	अभिषेक थेपरा	ईई
UG201211002	अजय चरण	ईई
UG201211003	आकर्श रस्तोगी	ईई
UG201211004	अक्षय आर्या	ईई
UG201211006	अनुभूति मित्तल	ईई
UG201211007	अश्वनी कुमार	ईई
UG201211008	अश्वनी नैनावत	ईई
UG201211009	दीपक वर्मा	ईई
UG201211010	देवबत्तिनि श्रीहर्षा	ईई
UG201211011	धर्म राज मीना	ईई
UG201211012	धीरज पी.	ईई
UG201211013	दीनेश गुर्जर	ईई

UG201211014	फराजुद्दीन अंसारी	ईई
UG201211015	घनश्याम	ईई
UG201211016	हितेश कुमार सिंघल	ईई
UG201211017	के. वी. विकास रेड्डी	ईई
UG201211018	ललित मिरधा	ईई
UG201211019	ममता ढ़ाका	ईई
UG201211020	मुकेश कुमार	ईई
UG201211021	निशा अग्रवाल	ईई
UG201211022	निशित उमेश पारीख	ईई
UG201211023	पवन कुमार वर्मा	ईई
UG201211024	पीयुष दुगर	ईई
UG201211025	प्रकाश गहलोत	ईई
UG201211027	रजत	ईई
UG201211028	रजत आर. राहतगांवकर	ईई
UG201211029	रजनीश मीणा	ईई
UG201211030	संचित गुप्ता	ईई
UG201211031	संकेत जैन	ईई
UG201211032	संतोष कुमार मीणा	ईई
UG201211033	सौरव कुमार	ईई
UG201211034	शरत कुंतनहल	ईई
UG201211035	शिवम उपाध्याय	ईई
UG201211036	शिरीश लाल भटनागर	ईई
UG201211037	श्रीरामदास अशोक कुमार	ईई
UG201211038	सुनिल सरन	ईई
UG201211039	तरूण वाटवाणी	ईई
UG201211040	उपेन्द्र कुमार नागर	ईई
UG201211041	विनय शंकर सक्सेना	ईई
UG201212001	आदित्य खंडेलवाल	एमई
UG201212002	अजय कुमार जगेतिया	एमई
UG201212003	अंजली बंसीवाल	एमई
UG201212004	अंकित जैन	एमई
UG201212005	आशीष कुमार	एमई
UG201212006	आशाीष कुमार	एमई
UG201212007	अतुल दूबे	एमई
UG201212008	आयुश भदौरिया	एमई
UG201212009	बी. वी. किशोर	एमई
UG201212010	बाला राघवेन्द्र गौड़	एमई
UG201212011	बोड्डुपल्लि निबोध	एमई
UG201212012	चमर्थी कामेश्वर शिव दिनेश	एमई
UG201212013	चेतन गुप्ता	एमई
UG201212014	दमन	एमई
UG201212015	दिलखुश मीणा	एमई
UG201212016	हीमांशु टाकवानी	एमई
UG201212017	हिमांशु यादव	एमई

UG201212018	कमलेश असेरी	एमई
UG201212019	कनक श्रीवास्तव	एमई
UG201212020	मनीष सोनी	एमई
UG201212021	एन. विनय कुमार रेड्डी	एमई
UG201212022	नवनीत मित्तल	एमई
UG201212023	पवन कुमार शाक्य	एमई
UG201212024	सचिन यादव	एमई
UG201212025	संदीप कुमार मीणा	एमई
UG201212026	सौरभ जैन	एमई
UG201212027	सौरभ पांडे	एमई
UG201212028	शाह जिगर दीपक	एमई
UG201212030	श्रेयस श्रीवास्तव	एमई
UG201212031	शुभम गुप्ता	एमई
UG201212032	स्निग्धदीप मोईत्रा	एमई
UG201212033	सोनू सिबा बारा	एमई
UG201212034	सुरेन्द्र पाल सिंह	एमई
UG201212035	तपेश कुमार मौर्या	एमई
UG201212036	थानी अश्वंत	एमई
UG201212037	वैभव गुप्ता	एमई
UG201212038	वरुण सूर्यन	एमई
UG201212039	विकास कुमार गोयनका	एमई
UG201212040	विशाल कुमार	एमई
UG201213002	अनमोल	एसएस
UG201213003	अंशुमन सिंह	एसएस
UG201213004	अंटोस सी. वर्गीस	एसएस
UG201213005	दिव्या नागर	एसएस
UG201213006	गौरव चौधरी	एसएस
UG201213007	गौरव कुमार पात्रो	एसएस
UG201213008	हरि ओम मीणा	एसएस
UG201213011	कीर्ति वर्धन राठौड़	एसएस
UG201213013	कोटा वी. आकाश	एसएस
UG201213014	क्षितिज सोनी	एसएस
UG201213016	महेन्द्र कछवाह	एसएस
UG201213018	मनीष मल्होत्रा	एसएस
UG201213019	नरेन्द्र कुमार	एसएस
UG201213020	पालाडगु वेंकट कार्तिक	एसएस
UG201213021	पलाश जैन	एसएस
UG201213022	पराग रहांगडले	एसएस
UG201213023	पीसे इंद्रनील रजनीश	एसएस
UG201213024	प्रगति नागर	एसएस
UG201213025	प्रसून	एसएस
UG201213026	प्रियंका राजू मासने	एसएस
UG201213027	पूर्वी तिवारी	एसएस
UG201213028	रघुनाथ मीणा	एसएस

UG201213029	रवि कुमार	एसएस
UG201213031	रुचिका	एसएस
UG201213033	शर्वन सोनगरा	एसएस
UG201213034	शिवम चौधरी	एसएस
UG201213035	श्रेष्ठा गर्ग	एसएस
UG201213036	सुनिल सुथार	एसएस
UG201213037	विभव शर्मा	एसएस

वित्तीय सार

मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने सामान्य योजना शीर्ष के तहत सहायता अनुदान के रूप में रू. 4,000.00 लाख और 01–04–2012 को आरंभिक शेष के रूप में रू. 4,962.94 लाख जारी की है। संस्थान की आंतरिक आय रू. 674.79 लाख थी। वर्ष के दौरान कुल योजनागत व्यय रू. 5,025.14 लाख (आवती रू. 2,028.75 लाख और अनावर्ती रू. 2,996.39 लाख) था।